

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1 PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 183] No. 183] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जून 9, 2016/ज्येष्ठ 19, 1938 NEW DELHI, THURSDAY, JUNE 9, 2016/ JYAISTHA 19, 1938

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी और संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 9 जून, 2016

(अंतिम जांच परिणाम)

विषय : चीन जनवादी गणराज्य, ईरान, इंडोनेशिया, मलेशिया और ताईवान की मूल के अथवा वहां से निर्यातित "प्युरीफाईड टेरेफेथेलिक एसिड (पीटीए)" के आयातों पर पाटन-रोधी जांच।

संख्या 14/8/2015-डीजीएडी.—समय-समय पर यथा संशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे आगे अधिनियम भी कहा गया है) और उसकी समय-समय पर यथा संशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन और संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे आगे नियम भी कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए;

मामले की पृष्ठभूमि

2. यत: मेसर्ज एमसीसी पीटीए इंडिया कोर्पोरेशन प्राईवेट लिमिटिड (एमसीपीआई) और मेसर्ज रिलायन्स इंडस्ट्रीज लिमिटिड (आरआईएल) (जिन्हें आगे आवेदक भी कहा गया है) ने समय-समय पर यथा संशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे आगे अधिनियम भी कहा गया है) और उसकी समय-समय पर यथा संशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन और संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे आगे नियम भी कहा गया है) के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें आगे प्राधिकारी भी कहा गया है) के समक्ष संयुक्त रूप से प्रस्तुत किए गए आवेदन में यह आरोप लगाया है कि चीन जनवादी गणराज्य, ईरान, इंडोनेशिया, मलेशिया और

2946 GI/2016 (1)

ताईवान (जिन्हें आगे संबद्ध देश भी कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित "प्युरीफाईड टेरेफेथेलिक एसिड (पीटीए)" के आयातों का पाटन हो रहा है तथा उसके परिणाम स्वरूप उनको क्षति हो रही है तथा यह अनुरोध किया है कि नियमों के अनुसार इस संबंध में पाटन-रोधी जांच शुरू करने तथा संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर पाटन-रोधी शुल्क लगाया जाए। देश में संबद्ध वस्तुओं के एक अन्य उत्पादक, मेसर्ज इंडियन ऑयल कार्पोरेशन लिमिटिड (आईओसीएल) ने आवेदन पत्र का समर्थन किया है।

- यत: प्राधिकारी ने उपरोक्त आवेदन पत्र में प्रस्तुत किए गए पर्याप्त प्रथम दृष्टया प्रमाणों के आधार पर दिनांक 3. 18 जून, 2015 को अधिसूचना संख्या 14/8/2015-डीजीएडी द्वारा एक सार्वजनिक सूचना जारी की थी, जो कि भारत के राजपत्र आसाधारण में प्रकाशित हुई थी, जिसमें नियमावली के उप-नियम 5 (1) के अनुसार उपरोक्त देशों के मूल की अथवा वहां से संबद्ध वस्तुओं के आयातों के संबंध में पाटन-रोधी जांच की शुरूआत करने तथा आरोपित आयात के विद्यमान होने, उसकी मात्रा और प्रभाव का निर्धारण करने तथा ऐसे पाटन-रोधी शुल्क का निर्धारण करने जिसे यदि लगाया जाता है तो क्या वह घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगा, की सिफारिश करने का उल्लेख किया गया था । हालांकि यह संयुक्त आवेदन पत्र मेसर्ज एमसीसी पीटीए इंडिया कोर्पोरेशन प्राईवेट लिमिटिड (एमसीपीआई) और मेसर्ज रिलायन्स इंडस्ट्रीज लिमिटिड (आरआईएल) द्वारा प्रस्तुत किया गया है, चूंकि मेसर्ज रिलायन्स इंडस्ट्रीज लिमिटिड (आरआईएल) की मलेशिया में एक सहायक कंपनी है, जिसने जांच अवधि के दौरान भारत को अत्यधिक मात्रा में संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है, इसलिए प्राधिकारी ने पाटन-रोधी नियमावली के नियम 2 (6) के अनुसार मेसर्ज रिलायन्स इंडस्ट्रीज लिमिटिड को एक पात्र घरेलू उद्योग के रूप में स्वीकार करने के लिए उपयुक्त नहीं माना था। जांच शुरूआत करने संबंधी सूचना में प्राधिकारी ने यह माना था कि मेसर्ज एमसीसी पीटीए इंडिया कोर्पोरेशन प्राईवेट लिमिटिड (जिसे आगे आवेदक भी कहा गया है), पाटन-रोधी नियमावली के नियम 2 (ख) के अनुसार पात्र घरेलू उद्योग बनता है तथा मेसर्ज रिलायन्स इंडस्ट्रीज लिमिटिड को बाहर निकालने के बाद उपरोक्त नियमावली के नियम 5 (3) के अनुसार घरेलू उद्योग के आधार के मानदंड को पूरा करता है।
- 4. और यत: निर्दिष्ट प्राधिकारी ने अधिनियम और नियमावली को ध्यान में रखते हुए दिनांक 12 नवंबर, 2015 को अधिसूचना संख्या 14/8/2015-डीजीएडी द्वारा प्रारंभिक जांच परिणाम जारी किया था जिसमें उन्होंने संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर अनन्तिम पाटन-रोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश की थी। तदनुसार केन्द्रीय सरकार ने दिनांक 10 दिसंबर, 2015 की अधिसूचना संख्या 60/2015-सीमा-शुल्क द्वारा संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर अनन्तिम पाटन-रोधी शुल्क लगाए थे। इस समय कोरिया जनवादी गणराज्य और थाईलैंड गणराज्य (जिसे आगे संबद्ध देश भी कहा गया है) के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर पाटन-रोधी शुल्क लग रहा है।

क क्रिया-विधि

- 5. प्राधिकारी द्वारा इस जांच के संबंध में निम्नोक्त निर्धारित क्रिया-विधि का अनुसरण किया गया है:-
- (1) प्राधिकारी ने उपरोक्त नियमावली के नियम 5 (5) के अनुसार जांच की कार्रवाई शुरू करने से पहले आवेदकों से वर्तमान पाटन-रोधी आवेदन पत्र प्राप्त होने के बारे में भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों/प्रतिनिधियों को अधिसूचित कर दिया है।
- (2) प्राधिकारी ने दिनांक 18 जून, 2015 की जांच शुरू करने संबंधी अधिसूचना की एक प्रति, भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों/प्रतिनिधियों, संबद्ध देशों के ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों, आवेदकों द्वारा उपलब्ध कराए गए पतों के अनुसार ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं और घरेलू उद्योग को भेज दे थी और उनसे अनुरोध किया था कि वे जांच शुरू करने संबंधी अधिसूचना की तारीख से चालीस दिनों के भीतर अपने लिखित विचारों से उन्हें अवगत करा दें।
- (3) प्राधिकारी ने पाटन-रोधी नियमावली के नियम 6 (3) के अनुसार ज्ञात उत्पादकों/ निर्यातकों और भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों/प्रतिनिधियों को आवेदन पत्र के अगोपनीय वृतान्त की एक प्रति प्रदान की है।

- (4) भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों/प्रतिनिधियों को नियमावली के नियम 6 (2) के अनुसार जांच शुरू करने के बारे में इस अनुरोध के साथ सूचित किया गया था कि वे अपने देशों से निर्यातकों/उत्पादकों को सलाह दें कि वे निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत कर दें। उत्पादकों/निर्यातकों को भेजे गए पत्र और प्रश्नावली की एक प्रति भी संबद्ध देशों से ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों के नामों और पतों के साथ उन्हें भेजी गई थी।
- (5) प्राधिकारी ने पाटन-रोधी नियमावली के नियम 6 (4) के अनुसार संबद्ध सूचना मंगाने के लिए संबद्ध देशों के निम्नलिखित ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को निर्यातक की प्रश्नाविलयां (ईक्यू) भेजी थीं :-
 - (क) बीपी झुहाई केमिकल कंपनी लिमिटिड, चीन जनवादी गणराज्य
 - (ख) क्सिआंग्लू पेट्रोकेमिकल कंपनी लिमिटिड, चीन जनवादी गणराज्य
 - (ग) जियाक्सिंग पेट्रोकेमिकल कंपनी लिमिटिड, चीन जनवादी गणराज्य
 - (घ) झेझियांग यिशेंग पेट्रोकेमिकल कंपनी लिमिटिड, चीन जनवादी गणराज्य
 - (ङ) झेझियांग युआनडोंग पेट्रोकेमिकल, चीन जनवादी गणराज्य
 - (च) यिशेंग दहुआ पेट्रोकेमिकल कंपनी लिमिटिड, चीन जनवादी गणराज्य
 - (छ) हेंगली पेट्रोकेमिकल, चीन जनवादी गणराज्य
 - (ज) जिनान शिजिटोंगडा केमिकल कंपनी लिमिटिड, चीन जनवादी गणराज्य
 - (झ) शाहिद टोंडगूयान पेट्रोकेमिकल कंपनी, ईरान
 - (ञ) पेट्रोकेमिकल कमर्शियल कंपनी (पीसीसी), ईरान
 - (ट) मलेशियन पेट्रोकेमिकल्स एसोसिएशन (एमपीए), मलेशिया
 - (ठ) अमोको केमिकल, मलेशिया
 - (ड) आरपी केमिकल्स (मलेशिया) एसडीएन बीएचडी, मलेशिया
 - (ढ) बीपी ताईवान मार्किटिंग लिमिटिड, ताईवान
 - (ण) चाईना अमेरिकन पेट्रोकेमिकल कंपनी लिमिटिड (सीएपीसीओ), ताईवान
 - (त) फोरमोसा बीपी केमिकल्स कोर्पोरेशन (एफबीपीसी), ताईवान
 - (थ) पीटी अमोको मित्सुई पीटीए (एएमआई), इंडोनेशिया
 - (द) पीटी एशिया पेसिफिक फाईबर्स टीबीके, इंडोनेशिया
 - (ध) पीटी इंडोरमा पेट्रोकेमिकल्स, इंडोनेशिया
- (6) संबद्ध देशों से निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने निर्धारित प्रपत्र में निर्यातक की प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत किए हैं :-
 - (क) क्सिआंग्लू पेट्रोकेमिकल कंपनी लिमिटिड, चीन जनवादी गणराज्य
 - (ख) क्सिआंग्लू पेट्रोकेमिकल (झांगझोऊ) कंपनी लिमिटिड, चीन जनवादी गणराज्य

- (ग) बीपी झुहाई केमिकल कंपनी लिमिटिड, चीन जनवादी गणराज्य
- (घ) यिशेंग दहुआ पेट्रोकेमिकल कंपनी लिमिटिड, चीन जनवादी गणराज्य
- (ङ) झेझियांग यिशेंग पेट्रोकेमिकल कंपनी लिमिटिड, चीन जनवादी गणराज्य
- (च) हेनन यिशेंग पेट्रोकेमिकल कंपनी लिमिटिड, चीन जनवादी गणराज्य
- (छ) निंगबो हेंगई ट्रेडिंग कंपनी लिमिटिड, चीन जनवादी गणराज्य
- (ज) हेंगली पेट्रोकेमिकल (दलियान) कंपनी लिमिटिड, चीन जनवादी गणराज्य
- (झ) हांगकांग टियानेई इंटरनेशनल होलिंडग कंपनी लिमिटिड, हांगकांग
- (ञ) बीपी एशिया लिमिटिड, हांगकांग
- (ट) ओरियन्टल पेट्रोकेमिकल्स (ताईवान) कंपनी लिमिटिड, ताईवान
- (ठ) फोरमोसा केमिकल्स एंड फाईबर कोर्पोरशन, ताईवान
- (ड) मेथिल कंपनी लिमिटिड, ताईवान
- (घ) इटोचू ताईवान कोर्पोरेशन, ताईवान (ओरियन्टल पेट्रोकेमिकल्स ताईवान कंपनी लिमिटिड, ताईवान से स्रोत प्राप्त)
- (ढ) चाईना अमेरिकन पेट्रोकेमिकल कंपनी लिमिटिड (सीएपीएसीओ), ताईवान
- (ण) डिनोविक प्राईवेट लिमिटिड, सिंगापुर (ओरियन्टल पेट्रोकेमिकल्स ताईवान कंपनी लिमिटिड, ताईवान से स्रोत प्राप्त)
- (त) मित्सुई एंड कंपनी लिमिटिड, जापान (ओरियन्टल पेट्रोकेमिकल्स ताईवान कंपनी लिमिटिड, ताईवान से स्रोत प्राप्त)
- (थ) डईबू इंटरनेशनल कोर्पोरेशन, कोरिया
- (द) एसके नेटवर्कस कंपनी लिमिटिड, कोरिया (ओरियन्टल पेट्रोकेमिकल्स ताईवान कंपनी लिमिटिड, ताईवान से स्रोत प्राप्त)
- (ध) हयोसुंग कोर्पोरेशन, कोरिया
- (न) एसके नेटवर्कस कंपनी लिमिटिड, कोरिया (झेझियांग यिशेंग पेट्रोकेमिकल कंपनी लिमिटिड, यिशेंग दहुआ पेट्रोकेमिकल कंपनी लिमिटिड और हेनन यिशेंग पेट्रोकेमिकल कंपनी लिमिटिड, चीन जनवादी गणराज्य से स्रोत प्राप्त)
- (प) पीटी बीपी पेट्रोकेमिकल्स, इंडोनेशिया
- (फ) रेकरोन (मलेशिया) एसडीएन, बीएचडी, मलेशिया
- (7) चीन जनवादी गणराज्य से निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने बाजार अर्थव्यवस्था निरूपण (एमईटी) प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत किए हैं और बाजार अर्थव्यवस्था निरूपण (एमईटी) का दावा किया है :-
 - (क) झेझियांग यिशेंग पेट्रोकेमिकल कंपनी लिमिटिड

- (ख) निंगबो हेंगई ट्रेडिंग कंपनी लिमिटिड
- (ग) यिशेंग दहुआ पेट्रोकेमिकल कंपनी लिमिटिड
- (घ) हेनन येशिंग पेट्रोकेमिकल कंपनी लिमिटिड
- (8) प्राधिकारी ने पाटन-रोधी नियमावली के नियम 6 (4) के अनुसार भारत में निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं को उनसे संबद्ध सूचना मंगाने के लिए आयातक की प्रश्नावलियां भेज दी हैं:-
 - (क) वाल्कनोन पोलिएस्टर लिमिटिड, मुंबई
 - (ख) जेबीएफ इंडस्ट्रीज लिमिटिड, मुंबई
 - (ग) आलोक इंडस्ट्रीज लिमिटिड, मुंबई
 - (घ) इंडो रामा सिंथेटिक्स (इंडिया) लिमिटिड, गुडगांव, हरियाणा
 - (ङ) दि बम्बई डायिंग एंड मून्युफैक्चरिंग कंपनी लिमिटिड, मुंबई
 - (च) धुनसेरी पेट्रोकेम एंड टी लिमिटिड, कोलकाता
 - (छ) गार्डन सिल्क मिल्स लिमिटिड, मुंबई
 - (ज) फिलेटेक्स इंडिया लिमिटिड, नई दिल्ली
 - (झ) जिंदल पोली फिल्मस लिमिटिड, नई दिल्ली
 - (ञ) नकोडा लिमिटिड, मुंबई
 - (ट) सुमीत इंडस्ट्रीज लिमिटिड, सूरत
 - (ठ) ऐसोसिएशन ऑफ सिंथेटिक फाईबर इंडस्ट्री (एएसएफआई), नई दिल्ली
 - (ड) पीटीए जूजर्स ऐसोसिएशन ऑफ इंडिया, नई दिल्ली
 - (घ) ईस्टर इंडस्ट्रीज लिमिटिड, गुडगांव, हरियाणा
 - (ढ) पोलीप्लेक्स कोर्पोरेशन लिमिटिड, जी. बी. नगर, उत्तर प्रदेश
- (9) निम्नलिखित आयातकों/प्रयोक्ताओं ने निर्धारित प्रपत्र में आयातक की प्रश्नावलियों के उत्तर प्रस्तुत किए हैं :-
 - (क) दि बम्बई डाईंग एंड मेन्युफैक्चरिंग कंपनी लिमिटिड,
 - (ख) जे बी एफ इंडस्ट्रीज लिमिटिड
 - (ग) इंडो-रामा सिंथेटिक्स (इंडिया) लिमिटिड
 - (ঘ) फिलेटेक्स इंडिया लिमिटिड
- (10) जांच शुरू किए जाने के बाद आयातकों/प्रयोक्ताओं की ओर से घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षकारों नामतः पीटीए यूजर्स एसोसिएशन द्वारा निवेदन किए गए हैं।
- (11) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रमाणों के अगोपनीय वृतान्त, हितबद्ध पक्षकारों के निरीक्षण के लिए एक सार्वजनिक फाईल के रूप में खुले उपलब्ध करा दिए हैं।

- (12) याचिकादाता द्वारा प्रस्तुत याचिका में यह आरोप लगाया गया है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं का पाटन हो रहा है, जिसके लिए उसने वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकीय महा निदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) और आईबीएस से प्राप्त किए गए कारोबार-वार आयात आंकडों पर विश्वास किया है। याचिकादाता ने डीजीसीआईएंडएस द्वारा फरवरी, 2015 तक के प्रदान किए गए आंकडों और आईबीआईएस के मार्च, 2015 तक के आंकडों पर विश्वास किया है, क्योंकि याचिका प्रस्तुत करते समय डीजीसीआईएंडएस के पास फरवरी, 2015 के बाद के आंकडे उपलब्ध नहीं थे। प्राधिकारी ने वर्तमान जांच शुरू करने के प्रयोजन से याचिकादाता द्वारा प्रदत्त किए गए आयात उक्त आंकडों पर विश्वास किया है।
- (13) जांच शुरू करने के बाद वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकीय महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) से अनुरोध किया गया था कि वे जांच अविध सिहत विगत तीन वर्षों के लिए संबद्ध वस्तुओं के आयात के ब्यौरों की व्यवस्था करें। इस प्रारंभिक जांच परिणाम में प्राधिकारी द्वारा डीजीसीआईएंडएस से प्राप्त कारोबार-वार के आंकडे पर विश्वास किया गया है।
- (14) घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की अनुकूलतम लागत और निर्माण की लागत तथा बिक्री की लागत का आकलन, सामान्य स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों (जीएपीपी) के आधार पर पाटन-रोधी नियमावली के अनुबंध-3 के अनुसार किया गया है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कमतर पाटन-रोधी शुल्क घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगा।
- (15) घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना का प्राधिकारी द्वारा जितना आवश्यक समझा गया था, उनती जांच की गई है। वर्तमान अंतिम परिणाम के प्रयोजनार्थ केवल ऐसी सत्यापित सूचना पर, जहां कहीं भी लागू होता है, आवश्यक संशोधन के साथ विश्वास किया गया है।
- (16) वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ जांच की अविध 1 अप्रैल, 2014 से 31 मार्च, 2015 तक (12 महीनों की) है। तथापि, क्षिति का विश्लेषण करने के परिप्रेक्ष्य में प्रवृतियों की जांच में 1 अप्रैल, 2011 से जांच अविध के अंत तक अर्थात् वर्ष 2011-12, 2012-13, 2013-14 तथा जांच की अविध (पीओआई) भी शामिल है।
- (17) पाटन-रोधी नियमावली के नियम 6(6) के अनुसार प्राधिकारी ने सभी ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों को 4 फरवरी, 2016 को हुई सार्वजनिक सुनवाई में मौखिक रूप से अपने विचारों को व्यक्त करने का अवसर प्रदान किया था। इस सार्वजनिक सुनवाई में जिन पक्षकारों ने मौखिक रूप से अपने विचारों को व्यक्त किया था, उनसे अनुरोध किया गया था कि वे मौखिक रूप से व्यक्त किए गए अपने निवेदनों को लिखित रूप में भी प्रस्तुत करें। हितबद्ध पक्षकारों को यह सलाह दी गई थी कि वे लिखित निवेदन और निवेदनों के प्रत्युत्तर भी प्रस्तुत करें।
- (18) घरेलू उद्योग और हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदनों का प्राधिकारी द्वारा जितना प्रासंगिक समझा गया है, इस प्रारंभिक जांच परिणाम में निदान किया गया है।
- (19) जहां कहीं भी किसी हितबद्ध पक्षकार ने वर्तमान जांच की प्रक्रिया के दौरान आवश्यक सूचना का अभिगमन करने अथवा उसे अन्यथा प्रदान नहीं किया है अथवा जांच में विशेष रूप से अडचन पैदा की है, प्राधिकारी ने ऐसे हितबद्ध पक्षकारों को असहयोगी माना है और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर इस अंतिम परिणाम में उनको दर्ज किया है।

- (20) हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना की गोपनीयता के दावों की उनकी पर्याप्तता के संदर्भ में जांच की गई है। प्राधिकारी ने संतुष्ट होने पर जहां कहीं भी उचित था, गोपनीयता के ऐसे दावों को स्वीकार किया है और ऐसी सूचना को गोपनीय समझा है और उसे अन्य पक्षकारों के समक्ष प्रकट नहीं किया है। जहां कहीं भी संभव हुआ है, वहां गोपनीय आधार पर सूचना प्रदान करने वाले हितबद्ध पक्षकारों को निदेश दिया गया था कि वे गोपनीयता के आधार पर प्रस्तुत सूचना का अगोपनीय वृतान्त भी प्रस्तुत करें तथा प्राधिकारी द्वारा उसे नियमावली के अनुसार एक सार्वजनिक फाईल में रखा गया था।
- (21) उपरोक्त नियमावली के नियम 16 के अनुसार प्राधिकारी ने दिनांक 2 जून, 2016 को जारी किए गए प्रकटन विवरण द्वारा ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों को जांच के अनिवार्य तथ्यों का प्रकटन कर दिया था और प्राधिकारी ने उन पर प्राप्त टिप्पणियों को जितना प्रासंगिक समझा है, इस अंतिम परिणाम में उनका निदान कर दिया है।
- (22) इस प्रकटन विवरण में *** किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना की परिचायक है और प्राधिकारी ने इसे नियमावली के अंतर्गत गोपनीय माना है ।
- (23) इस जांच अवधि के लिए अपनाई गई विनिमय दर, 1 संयुक्त राज्य अमरीकी डालर = 61.69 रूपए है।

ख. विचाराधीन उत्पाद और "समान वस्तु"

6. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद प्युरीफाईड टेरेफेथेलिक एसिड (पीटीए) है जिसमें उसके विभिन्न रूप - मध्यम कोटि के टेरेफेथेलिक एसिड (एमटीए) और योग्य टेरेफेथेलिक एसिड (क्यूटीए) शामिल हैं। प्युरीफाईड टेरेफेथेलिक एसिड (पीटीए) सफेद रंग का स्वतत्र रूप से प्रवाहित होने वाला क्रिस्टेल्लीन पाउडर होता है, जो कि किसी भी प्रकार के दृष्टव्य संदूषण से मुक्त होता है। टेरेफेथेलिक एसिड एक रसायनिक मिश्रण है, जिसका रसायनिक फार्मूला सी6एच4 (सीओओएच)2 है। यह 4020 सी में घुल जाता है और यह जल और अल्कोहल में दुर्बलता से विलयशील है। प्युरीफाईड टेरेफेथेलिक एसिड पोलिएस्टर चिप्स के विनिर्माण की मुख्य कच्ची सामग्री है जिसका बाद में वस्त्रों, पेकेजिंग, फर्नीशिंग, उपभोक्ता वस्तुओं, रेसिन्स और कोटिंग्स में विविध प्रकार से अनुप्रयोग किया जाता है। चूंकि क्यूटीए, एमटीए और पीटीए रसायनिक रूप से एक समान उत्पाद है और इसके अतिरिक्त चूंकि उनका प्रयोग एक दूसरे के स्थान पर किया जाता है, इसलिए विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र में क्यूटीए और एमटीए भी शामिल हैं। जैसा कि आवेदकों द्वारा दावा किया गया है और हितबद्ध पक्षकारों द्वारा इसका प्रतिवाद नहीं किया गया है, डि-मिथिल टेरेफेथेलिक (डीएमटी) रसायनिक रूप से भिन्न उत्पाद है और इसलिए इसे विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र में शामिल नहीं किया गया है। विचाराधीन उत्पाद को सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम के उपशिष 29173600 के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है। तथापि, यह वर्गीकरण निर्देशात्मक मात्र है और यह किसी भी तरीके से मौजूदा जांच के कार्य-क्षेत्र में बाध्यकारी नहीं है।

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन

- 7. विचाराधीन उत्पाद के बारे में घरेलू उद्योग द्वारा व्यक्त किए गए तथा प्राधिकारी द्वारा प्रासंगिक पाए गए निवेदन निम्नानुसार हैं :-
- (1) विचाराधीन उत्पाद प्युरीफाईड टेरेफेथेलिक एसिड (पीटीए) है जिसमें उसके विभिन्न रूप मध्यम कोटि के टेरेफेथेलिक एसिड (एमटीए) और योग्य टेरेफेथेलिक एसिड (क्यूटीए) शामिल हैं।
- (2) प्युरीफाईड टेरेफेथेलिक एसिड (पीटीए) सफेद रंग का स्वतंत्र रूप से प्रवाहित होने वाला क्रिस्टेल्लीन पाउडर होता है, जो कि किसी भी प्रकार के दृष्टव्य संदूषण से मुक्त होता है।
- (3) इसे सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम के उप-शीर्ष 29173600 के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है।
- (4) प्युरीफाईड टेरेफेथेलिक एसिड (पीटीए) पोलिएस्टर चिप्स के विनिर्माण की मुख्य कच्ची सामग्री है, जिसका बाद में वस्त्रों, पेकेजिंग, फर्नीशिंग, उपभोक्ता वस्तुओं, रेसिन्स और कोटिंग्स में विविध प्रकार से अनुप्रयोग किया जाता है।

- (5) एमटीए और क्यूटीए रसायनिक रूप से पीटीए के समान उत्पाद हैं। एमटीए, पीटीए और क्यूटीए के बीच अंतर केवल क्यूटीए और एमटीए में विद्यमान अशुद्धता के स्तर में होता है। पीटीए, एमटीए और क्यूटीए का उत्पादन समान उत्पादन प्रोद्योगिकी, संयंत्र और उपस्कर, विनिर्माण प्रक्रिया, कच्ची सामग्री को प्रयुक्त करके किया जाता है। ये तीनों समान रूप से कार्य करते हैं। ये सीमा शुल्क के समान वर्गीकरण के अंतर्गत आते हैं। वास्तव में एसके केमिकल जैसा उत्पादक एमटीए का उत्पादन करता है, लेकिन साहित्य में उसे पीटीए बताया जाता है।
- (6) हालांकि पीटीए और डि-मिथिल टेरेफेथेलिक (डीएमटी) का उपयोग कुछ अनुप्रयोगों में एक दूसरे के स्थान पर किया जाता है, लेकिन डीएमटी रसायनिक रूप से पीटीए से भिन्न उत्पाद है। डीएमटी और पीटीए की उत्पादन प्रोद्योगिकी, विनिर्माण प्रक्रिया, संयंत्र और उपस्कर, कच्ची सामग्री और तकनीकी विनिर्देशन भिन्न होते हैं। डीएमटी सभी अनुप्रयोगों में पीटीए को प्रतिस्थापित नहीं कर सकता है/उसके स्थान पर प्रयुक्त नहीं हो सकता है।
- (7) भारत में डीएमटी का कोई उत्पादन नहीं होता है और न ही भारत में डीएमटी का आयात किया जाता है।
- (8) विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र में डीएमटी शामिल नहीं है, क्योंकि भारत में डीएमटी का आयात नहीं किया जा रहा है और न ही डीएमटी का कोई उत्पादन किया जा रहा है।
- (9) चूंकि एमटीए क्यूटीए और पीटीए रसायनिक रूप से समान उत्पाद हैं और चूंकि उनका एक दूसरे के स्थान पर उपयोग किया जाता है, इसलिए विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र में क्यूटीए और एमटीए शामिल हैं।
- (10) घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित और संबद्ध देश से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं में कोई ज्ञात अंतर नहीं है। घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित और संबद्ध देश से आयातित वस्तुएं, वास्तविक और तकनीकी लक्षणों, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रोद्योगिकी, कार्यों और उपयोगों, उत्पाद विनिर्देशनों, कीमत निर्धारण, वितरण और विपणन तथा शुल्क वर्गीकरण जैसे प्राचलों की दृष्टि से एक समान ही हैं। ये दोनों वस्तुएं तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापन करने योग्य हैं। उपभोक्ता इन दोनों वस्तुओं का एक दूसरे के स्थान पर उपयोग कर रहे हैं। विचाराधीन उत्पाद का आयात करने वाले उपभोक्ताओं ने उसी उत्पाद को घरेलू उद्योग से भी खरीदा है। इसलिए आवेदक द्वारा विनिर्मित और आपूर्ति की गई संबद्ध वस्तुएं, संबद्ध देशों से आयातित विचाराधीन उत्पाद के समान वस्तुएं हैं।

निर्यातकों, आयातकों, प्रयोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन

8. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के बारे में निर्यातकों, आयातकों, प्रयोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा कोई प्रासंगिक निवेदन नहीं किए गए हैं।

प्राधिकारी द्वारा जांच

- 9. विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए तथा प्राधिकारी द्वारा प्रासंगिक पाए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-
- (1) जैसा कि जांच शुरू करने संबंधी अधिसूचना में प्राधिकारी द्वारा परिभाषित किया गया है, वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद प्युरीफाईड टेरेफेथेलिक एसिड (पीटीए) है जिसमें उसके विभिन्न रूप मध्यम कोटि के टेरेफेथेलिक एसिड (एमटीए) और योग्य टेरेफेथेलिक एसिड (क्यूटीए) शामिल हैं। प्युरीफाईड टेरेफेथेलिक एसिड (पीटीए) सफेद रंग का स्वतंत्र रूप से प्रवाहित होने वाला क्रिस्टेल्लीन पाउडर होता है, जो कि किसी भी प्रकार के दृष्टव्य संदूषण से मुक्त होता है। टेरेफेथेलिक एसिड एक रसायिनक मिश्रण है, जिसका रसायिनक फार्मूला सी6एच4 (सीओओएच)2 है। यह 4020 सी में घुल जाता है और यह जल और अल्कोहल में दुर्बलता से विलयशील है। प्युरीफाईड टेरेफेथेलिक एसिड पोलिएस्टर चिप्स के विनिर्माण की मुख्य कच्ची सामग्री है जिसका बाद में वस्त्रों, पेकेजिंग, फर्नीशिंग, उपभोक्ता वस्तुओं, रेसिन्स और कोटिंग्स में विविध प्रकार से अनुप्रयोग किया जाता है। चूंकि क्यूटीए, एमटीए और पीटीए रसायिनक रूप से एक समान उत्पाद है और इसके अतिरिक्त चूंकि उनका प्रयोग एक दूसरे के स्थान पर किया जाता है, इसलिए विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र में क्यूटीए और एमटीए भी शामिल हैं। जैसा कि आवेदकों द्वारा दावा किया गया है और हितबद्ध पक्षकारों द्वारा इसका प्रतिवाद नहीं

किया गया है, डि-मिथिल टेरेफेथेलिक (डीएमटी) रसायनिक रूप से भिन्न उत्पाद है और इसलिए इसे विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र में शामिल नहीं किया गया है। विचाराधीन उत्पाद को सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम के उप-शीर्ष 29173600 के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है। तथापि, सीमा-शुल्क का यह वर्गीकरण निर्देशात्मक मात्र है और यह किसी भी तरीके से मौजूदा जांच के कार्य-क्षेत्र में बाध्यकारी नहीं है।

- (2) डि-मिथिल टेरेफेथेलिक (डीएमटी) रसायनिक रूप से भिन्न उत्पाद है और इसलिए इसे विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र में शामिल नहीं किया गया है।
- (3) समान वस्तु के संबंध में पाटनरोधी नियमावली के नियम 2 (घ) में निम्नानुसार व्यवस्था है:-
 - "समान वस्तु" से ऐसी वस्तु अभिप्रेत है जो भारत में पाटने के कारण जांच के अंतर्गत वस्तु के सभी प्रकार से समरुप या समान है अथवा ऐसी वस्तु के न होने पर अन्य वस्तु जोकि यद्यपि सभी प्रकार से समनुरुप नहीं है परंतु जांचाधीन वस्तुओं के अत्यधिक सदृश विशेषताएं रखती हैं;
- (4) प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित और संबद्ध देशों से आयातित वस्तुएं, उनके भौतिक और रासायनिक लक्षणों, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रोद्योगिकी, कार्यों और उपयोग, उत्पाद विनिर्देशनों, कीमत, वितरण और विपणन तथा वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण की दृष्टि से तुलनीय हैं। ये दोनों वस्तुएं तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापन करने योग्य हैं। उपभोक्ता इन दोनों वस्तुओं का एक दूसरे के स्थान पर उपयोग कर रहे हैं। विचाराधीन उत्पाद को आयात करने वाले उपभोक्ता इस उत्पाद को घरेलू उद्योग से भी खरीद रहे हें। इन तथ्यों को ध्यान में रखते हुए घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित की जा रही संबद्ध वस्तुओं को संबद्ध देशों से आयातित विचाराधीन उत्पाद को नियमावली के अनुसार समान वस्तु माना जा रहा है।

ग. घरेलू उद्योग और आधार

निर्यातकों, आयातकों, प्रयोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन

- 10. घरेलू उद्योग और उसके आधार के संबंध में उत्पादकों, निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा जांच की कार्रवाई के दौरान किए गए और प्राधिकारी द्वारा प्रासंगिक पाए गए निवेदन निम्नानुसार हैं :-
- (1) रिलायन्स इंडस्ट्रीज लिमिटिड (आरआईएल) को इस कारण से कि मलेशिया जो कि एक संबद्ध देश है, में उसकी सहायक कंपनी द्वारा भारत को विचाराधीन उत्पाद के निर्यात किए हैं, घरेलू उद्योग के कार्य-क्षेत्र से बाहर करने का प्राधिकारी का निर्णय गल्त और स्वैच्छिक है। रिलायन्स इंडस्ट्रीज लिमिटिड (आरआईएल) को घरेलू उद्योग के कार्य-क्षेत्र से बाहर रखने से वर्तमान जांच संदृषित हो गई है।
- (2) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने अपने विवेकानुसार रिलायन्स इंडस्ट्रीज लिमिटिड (आरआईएल) को उसके आचरण की जांच किए बिना घरेलू उद्योग के कार्य-क्षेत्र से बाहर रखा है। प्राधिकारी यह नोट करने में विफल रहे हैं कि आरआईएल भारत में सबसे बड़े उत्पादकों में से एक उत्पादक है और उसका संकेन्द्रण एक आयातक के रूप में अंतरित नहीं हुआ है। प्राधिकारी ने पाकिस्तान, केनिया, यूरोपीय यूनियन, ईरान, यूकेराईन और संयुक्त राज्य अमरीका से सोड़ा एश के मामले के अंतिम जांच परिणाम और पीटीए पर विगत परिणामों में ऐसे उत्पादकों को घरेलू उद्योग के कार्य-क्षेत्र में शामिल किया है।
- (3) यदि ऐसी अयोग्यता को माना जाता है तो वह केवल मलेशिया के मामले में ही होनी चाहिए। मलेशिया से भिन्न देशों से आयातों के संबंध में क्षिति और कारणात्मक संबंध का निर्धारण करने के लिए आरआईएल को शामिल किया जा सकता है।
- (4) पाटन-रोधी करार के अनुच्छेद 3.3 के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रत्येक संबद्ध देश के लिए पृथक जांच शुरू करनी अपेक्षित होती है और वह "घरेलू उद्योग" का निर्धारण पृथक रूप से कर सकते थे।
- (5) आवेदन पत्र के साथ संलग्न प्रमाणपत्र में किया गया ऐसा उल्लेख सही नही है कि मेसर्ज एमसीसीपीटी इंडिया कार्पोरेशन प्राईवेट लिमिटिड इंडिया (एमसीपीआई) संबद्ध देशों के किसीभी निर्यातक अथवा उत्पादक से संबंधित नहीं है। मित्सुभिषी केमिकल कोर्पोरेशन प्राईवेट लिमिटिड, जापान की अधिकतर शेयरधारिता एमसीसीपीटी

इंडिया कार्पोरेशन प्राईवेट लिमिटिड इंडिया, निंगबो एमसीसी चीन और पीटी एमसी, इंडोनेशिया में है। इस प्रकार एमसीसीपीटी इंडिया कार्पोरेशन प्राईवेट लिमिटिड इंडिया, निंगबो एमसीसी चीन और पीटी एमसी, इंडोनेशिया संबंधित पक्षकार हैं। ऐसा हो सकता है कि चीन और इंडोनेशिया के संबंधित उत्पादकों द्वारा संबंधित निर्यातकों के माध्यम से भारत को अत्यधिक मात्रा में निर्यात किए गए हों। ऐसी भी संभावना है कि व्यापारिक क्रियाकलापों में लगे हुए एमसीपीएल के अन्य शेयर धारक कुछ मात्रा में संबद्ध वस्तुएं कम अधिगम मूल्य पर आयात कर रहे हैं और उन्हें अधिक कीमतों पर बेच रहे हैं। इस प्रकार एमसीसीपीटी इंडिया कार्पोरेशन प्राईवेट लिमिटिड इंडिया को घरेलू उद्योग के कार्य-क्षेत्र से बाहर नहीं रखा जाना चाहिए।

(6) अभ्यावेदनों के बावजूद प्राधिकारी ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि क्या आईओसीएल के आंकडों पर विचार किया गया है। आईओसीएल के आंकडों के बिना समर्थन मात्र से यह पता नहीं चलता है कि संबद्ध वस्तुओं के आयातों ने आईओसीएल को प्रभावित नहीं किया है।

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन

- 11. घरेलू उद्योग और उसके आधार के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा जांच की कार्रवाई के दौरान किए गए और प्राधिकारी द्वारा प्रासंगिक पाए गए निवेदन निम्नानुसार हैं :-
- (1) वर्तमान जांच शुरू करने के लिए याचिका, मेसर्ज एमसीसीपीटी इंडिया कार्पोरेशन प्राईवेट लिमिटिड इंडिया (एमसीपीआई) और मेसर्ज रिलायन्स इंडस्ट्रीज लिमिटिड (आरआईएल) द्वारा दायर की गई थी और उन्होंने प्राधिकारी से अनुरोध किया था कि दोनों याचिका कंपनियों को घरेलू उद्योग माना जाए। तथापि, निर्दिष्ट प्राधिकारी ने यह उपयुक्त पाया है कि घरेलू उद्योग के रूप में केवल एमसीपीआई पर विचार किया जाए। एमसीपीआई एक पात्र घरेलू उद्योग है और कुल भारतीय उत्पादन में एमसीपीआई का उत्पादन प्रमुख भाग बनता है।
- (2) आरआईएल को घरेलू उद्योग के कार्य-क्षेत्र से बाहर रखने के संबंध में जांच के अंतर्गत घरेलू उद्योग को एक देश के रूप में निर्धारित नहीं किया जाता है। घरेलू उद्योग को भारत में विनिर्मित समान वस्तु के रूप में माना जाता है। इस संबंध में विगत सभी मामलों का उल्लेख किया जाता है और उन पर विश्वास किया जाता है, जिनमें एक घरेलू उत्पादक को संबद्ध देशों के एक निर्यातक के साथ संबंधित होने के कारण अपात्र माना गया था। फिर भी एक घरेलू उद्योग के लिए क्षति का विश्लेषण किया गया था।
- (3) आरआईएल को मलेशिया से भिन्न अन्य देशों के लिए एक पात्र घरेलू उद्योग माने जाने का तर्क देने वाले पक्षकारों ने विगत जांच में यह विचार किया था कि एमसीपीआई को अपात्र माना जाना चाहिए क्योंकि उसके कोरिया के उत्पादक के साथ संबंध थे और उन्होंने कभी भी ऐसा तर्क नहीं दिया था कि ऐसी अपात्रता को केवल कोरिया के रूप में माना जाए।
- (4) निर्दिष्ट प्राधिकारी को यह विचार करने की आवश्यकता है कि घरेलू उद्योग एक घरेलू उद्योग के रूप में विद्यमान है। इस तथ्य मात्र से कि एमसीपीआई अन्य उत्पादकों की तुलना में क्षमता उपयोग के कम स्तर पर प्रचालन कर रहा है, नियमावली के अनुसार उसके घरेलू उद्योग के दर्जे पर कोई असर नहीं पडता है।
- (5) चूंकि रिलायन्स को अपात्र माना गया है, इसलिए घरेलू उद्योग के आधार का निर्धारण करने के लिए उसके आंकडों पर विचार नहीं किया जा सकता है।
- (6) ऐसी कोई कानूनी अपेक्षा नहीं है कि याचिका का समर्थन करने वाली कंपनी को सूचना प्रदान करनी चाहिए। इसलिए यह तर्क कि प्राधिकारी को आईओसीएल के आंकडे मंगाने चाहिए और उनकी जांच करनी चाहिए असंगत है।
- (7) एमसीपीआई की चीन अथवा इंडोनेशिया में को संबंधित कंपनी नहीं है। इस संबंध में यह निवेदन किया जाता है कि कंपनी अधिनियम के अंतर्गत कंपनियों को निम्नलिखित का प्रकटन करना आवश्यक होता है:- (क) कंपनियां एक ही प्रबंधन के अंतर्गत हैं और (ख) संबंधित पक्षकारों के ब्यौरे अथवा जहां नियंत्रण रखा जाता है और जिनके साथ कारोबार किया गया है। वार्षिक रिपोर्ट में निम्नलिखित सूचना निहित होती है: (क) ऐसी कंपनियां जो कि सहायक कंपनियां हैं, (ख) सहयोजित कंपनियां अथवा प्रमुख प्रबंधन कार्मिक और उनके संबंधी और (ग) ऐसी कंपनियों जिन पर प्रमुख प्रबंधन कार्मिकों को विशेष प्रभाव होता है। उपरोक्त का अनुपालन करते हुए कंपनियों द्वारा किया गया प्रकटन निम्नानुसार है:-

संबंधित कंपनी के नाम और उनसे संबंधित पक्षकार का संबंध :-

संबंधित पक्षकार जिन पर नियंत्रण रखा जाता है : धारक कंपनी - मित्सुभिषी केमिकल कोर्पोरेशन, जापान
 मृल धारक कंपनी - मित्सुभिषी केमिकल होल्डिंग कोर्पोरेशन, जापान

• ऐसे संबंधित पक्षकार जिनके साथ वर्षकेदौरान कारोबार किया गया है:-

धारक कंपनी - मित्सुभिषी केमिकल कोर्पोरेशन, जापान संगी सहायक कंपनियां - मित्सुभिषी केमिकल इंजीनियरिंग कोर्पोरेशन

- मित्सुभिषी केमिकल सिंगापुर लिमिटिड
- एमसीसी पीटीए एशिया प्राईवेट लिमिटिड
- रयोका सिस्टम इंक
- एमईसी टेक्नो लिमिटिड
- मित्सुभिशी रेयन कंपनी लिमिटिड

इसके बावजूद संबंध होने के तथ्य मात्र से किसी भी तरीके से वर्तमान स्थिति पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पडता है। यह प्रमाणित किया जाना चाहिए कि ये संबंध ऐसे हैं जिनसे एक घरेलू उत्पादक को एक घरेलू उद्योग के रूप में माने जाने के अधिकार सें वंचित किया जा सके।

- (8) निंगबो एमसीसी, चीन और पीटी एमसी, इंडोनेशिया ने जांच अवधि के दौरान भारतको विचाराधीन उत्पाद के निर्यात नहीं किए हैं। कानूनी रूप से यह सुस्थापित स्थिति है कि (क) उत्पादकों के साथ संबंध होना मात्र पूर्णतया निराकार है। नियमावली में निर्यातकों के साथ संबंध होने की अपेक्षा की जाती है। इन कंपनियों ने भारत को निर्यात नहीं किए हैं और इसलिए ये संबद्ध वस्तुओं की निर्यातक नहीं हैं और (ख) जांच अवधि के दौरान आयात/निर्यात असंगत हैं।
- (9) यदि एक से अधिक देशों से पाटन हो रहा है और यदि उनका संचयी मूल्यांकन यथोचित होता है, तो निर्दिष्ट प्राधिकारी को संयुक्त जांच करनी चाहिए। इसके बावजूद संचयी मूल्यांकन के परिप्रेक्ष्य में वास्तव में विश्व व्यापार संगठन के सदस्यों ने यह प्रस्ताव किया था कि यदि एक उत्पाद के लिए पृथक जांच की जाती है, तो निर्दिष्ट प्राधिकारी को दो भिन्न जांच द्वारा जांच के अंतर्गत आयातों से संचयी क्षति का मूल्यांकन करने की अनुमित दी जानी चाहिए। इस प्रकार यह देखा जा सकता है कि ऐसी सैद्धांतिक स्थिति में जिसमें प्राधिकारी को भिन्न देशों के सेट के खिलाफ पृथक जांच करनी चाहिए थी, प्राधिकारी फिर भी घरेलू उद्योग का संचयी मूल्यांकन कर सकते थे (उनको ऐसा करना चाहिए था)। नियमावली के अंतर्गत विनिश्चित संचयी करने की दशाएं वर्तमान मामले में पूर्णतया अनुकूल हैं। इसके अतिरिक्त विशेष रूप से यह निवेदन किया जाता है कि वर्तमान मामले में निर्यातक देशों के बीच पारस्परिक प्रतिस्पर्द्धा के संबंध में विश्व व्यापार संगठन के करार की अपेक्षा पूरी होती है।
- (10) यह तथ्य कि घरेलू उत्पादकों को संबद्ध देशों में से एक देश के संबंध में अपात्र माना जाता है, प्राधिकारियों को क्षित के मूल्यांकन को असंचयी करने की आवश्यकता नहीं है। नियमावली में उल्लिखित किसी भी प्रावधान का इस प्रकार से विवेचन नहीं किया जा सकता है, जिससे ऐसा पता चले कि प्राधिकारियों को वर्तमान परिस्थितियों में क्षित के मूल्यांकन को असंचयी करने की आवश्यकता है।
- (11) किसी कंपनी को शामिल करने अथवा बाहर रखने का निर्णय इस आधार पर नहीं लिया जा सकता है कि क्या वह एक पक्षकार को लाभान्वित करता है अथवा किसी अन्य पक्षकार के विरूद्ध जाता है। यह परिकल्पित करते हुए न कि स्वीकार करते हुए कि एमसीपीआई के लिए निर्धारित किए गए क्षति मार्जिन से निर्दिष्ट प्राधिकारी को आरआईएल

को शामिल करने का अधिकार प्राप्त नहीं हो जाता है, जब कि उसे एक अपात्र घरेलू उद्योग के रूप में मानने का निर्णय लिया गया है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

- 12. वर्तमान जांच शुरू करने के लिए याचिका, मेसर्ज एमसीसीपीटी इंडिया कार्पोरेशन प्राईवेट लिमिटिड इंडिया (एमसीपीआई) और मेसर्ज रिलायन्स इंडस्ट्रीज लिमिटिड (आर्रआईएल) द्वारा संयुक्त रूप से दायर की गई थी। उपरोक्त घरेलू उत्पादकों के अतिरिक्त भारत में इंडियन ऑयल कार्पोरेशन लिमिटिड (आईओसीएल) नामक एक और पीटीए का उत्पादक है, जिसने आवेदन पत्र का समर्थन किया है। एमसीपीआई ने आवेदन पत्र में इस आशय का प्रकटन किया है कि उन्होंने संबंद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद का आयात नहीं किया है। इसके अतिरिक्त उन्होंने यह भी घोषित किया है कि वे संबंद्ध देशों में विचाराधीन उत्पाद के किसी भी निर्यातक अथवा आयातक से संबंधित नहीं हैं अथवा भारत में विचाराधीन उत्पाद के किसी भी आयातक से संबंधित नहीं हैं। तथापि, आरआईएल नामक सह-आवेदक ने इस आशय का प्रकटन कियाहै कि उन्होंने अग्रिम प्राधिकरण योजना के अंतर्गत मलेशिया के एक संबंधित व्यापारी के माध्यम से मलेशिया से संबद्ध वस्तुओं की नगण्य मात्रा में आयात किए हैं। साथ ही उन्होंने यह भी घोषित किया है कि उनकी मलेशिया में एक सहयोगी कंपनी है, जो कि मलेशिया में संबद्ध वस्तुओं की एक मात्र उत्पादक है और साथ ही मलेशिया में उनकी एक सहायक कंपनी भी है, जिसने जांच अविध के दौरान भारत में संबद्ध वस्तुओं के निर्यात किए हैं।
- 13. पाटन रोधी नियमावली के नियम 2 (ख) में घरेलू उद्योग को निम्नानुसार परिभाषित किया गया है:-
 - "(ख) "घरेलू उद्योग" का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा ऐसे उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा भाग बनता है सिवाए उस स्थिति के जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं अथवा वे स्वयं उसके आयातक होते हैं, तो ऐसे मामले में "घरेलू उद्योग" पद का अर्थ शेष उत्पादकों के संदर्भ में लगाया जा सकता है।
- 14. जैसा कि जांच शुरू करने संबंधी अधिसूचना में स्वत: उल्लेख किया गया है रिलायन्स इंडस्ट्रीज लिमिटिड की मलेशिया में एक सहायक कंपनी है, जिसने जांच अवधि के दौरान भारत को संबद्ध वस्तुओं की नगण्य मात्रा में निर्यात किए हैं। आवेदकों द्वारा प्रस्तुत सूचना और की गई घोषणा की जांच करने के आधार पर तथा संबद्ध कानूनी स्थिति को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने यह उपयुक्त नहीं समझा है कि रिलायन्स इंडस्ट्रीज लिमिटिड को एक पात्र घरेलू उद्योग के रूप में स्वीकार किया जाए।
- 15. एमसीसी पीटीए इंडिया कार्पोरेशन प्राईवेट लिमिटिड (एमसीपीआई) के संबंध में सुनवाई के बाद के चरण में दिए गए प्रत्युत्तर में प्रस्तुत की गई सूचना के आधार पर प्राधिकारी नोट करते हैं कि एमसीपीआई की चीन और इंडोनेशिया में समूह कंपनियां है, जिनके नाम निंगबो एमसीसी, चीन और पीटी एमसीसी, इंडोनेशिया है। तथापि, ऐसा बताया गया है कि चीन और इंडोनेशिया की उपरोक्त किसी भी कंपनी ने अप्रैल, 2011 से मार्च, 2015 तक की अवधि के दौरान भारत को संबद्ध वस्तुओं के निर्यात नहीं किए हैं।
- 16. नियमावली के नियम 2 (ख) के अंतर्गत निर्धारित प्रावधानों के अनुसार घरेलू उत्पादकों को तक घरेलू उद्योग के रूप में नहीं माना जा सकता है, जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों अथवा आयातकों से संबंधित होते हैं अथवा वे स्वयं उसके आयातक होते हैं। वर्तमान मामले में ऐसे हितबद्ध पक्षकारों ने जिन्होंने एमसीपीआई के निंगबो एमसीसी, चीन और पीटी एमसी, इंडोनेशिया के साथ संबंध होने का आरोप लगाया है, ने पर्याप्त दस्तावेजी प्रमाणों के साथ यह प्रमाणित किया है कि चीन और इंडोनेशिया की उक्त कंपनियों ने जांच अवधि के दौरान भारत को संबद्ध वस्तुओं के निर्यात किए हैं। सुनवाई के बाद के चरण में एमसीपीआई ने ऐसी सूचना प्रस्तुत की है कि निंगबो एमसीसी, चीन और पीटी एमसी, इंडोनेशिया उनकी समूह कंपनियां हैं लेकिन साथ ही यह भी सूचित किया है कि उक्त कंपनियों ने अप्रैल, 2011 से मार्च, 2015 तक की अवधि के दौरान भारत को संबद्ध वस्तुओं के निर्यात नहीं किए हैं। उपरोक्त स्थिति को ध्यान में रखते हुए यह तथ्य कि निंगबो एमसीसी, चीन और पीटी एमसी, इंडोनेशिया, एमसीपीआई की समूह कंपनियां हैं, घरेलू उद्योग के रूप में एमसीपीआई की पात्रता को अमान्य नहीं करता है।

- 17. कुछ प्रतिवादी पक्षकारों का यह तर्क कि प्राधिकारी को मलेशिया से अन्य संबद्ध देशों के लिए आरआईएल को शामिल करके क्षिति विश्लेषण किया जाना चाहिए, नियमावली के अनुसार स्वीकार्य नहीं है। जब किसी पाटन-रोधी जांच में एक से अधिक देश लिप्त होते हैं और ऐसा आरोप लगाया जाता है कि पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को क्षित हो रही है, तो उस स्थिति में क्षिति विश्लेषण संचयी तरीके से किया जाना अपेक्षित होगा। ऐसे किसी भी घरेलू उत्पादक जिसे घरेलू उद्योग के रूप में माने जाने के लिए अयोग्य घोषित किया गया है, तो उसे नियमावली के अनुसार केवल क्षित का विश्लेषण करने के लिए कुछ संबद्ध देशों के संबंध में घरेलू उद्योग नहीं माना जा सकता है। विधि में यह उल्लेख है कि घरेलू उद्योग की क्षिति का निर्धारण संचयी रूप से किया जाना है, जिसका अभिप्राय यह है कि घरेलू उद्योग का निर्धारण समग्र रूप से संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद के संबंध में किया जाए। पृथक संबद्ध देश के लिए पृथक घरेलू उद्योग नहीं हो सकता है। निर्धारित नियमों के अनुसार संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के पाटन के कारण होने वाली क्षिति का निर्धारण, केवल घरेलू उद्योग के संबंध में ही किया जाना होता है। वर्तमान मामले में आरआईएल को एक पात्र घरेलू उद्योग के रूप में अयोग्य माना गया है, जिसके कारणों का सुस्पष्टीकरण, इस अंतिम परिणाम में किया गया है।
- 18. इस तर्क के संबंध में कि घरेलू उद्योगके कार्य-क्षेत्र से रिलायन्स को बाहर रखनेके प्राधिकारी के निर्णय से वर्तमान जांच संदूषित हुई है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि रिलायन्स इंडस्ट्रीज लिमिटिड को उसकी मलेशिया में संबंधित कंपनी होने के कारण जांच के प्रारंभिक चरण में घरेलू उद्योग के कार्य-क्षेत्र से बाहर कर दिया गया था, जो कि उक्त देश में विचाराधीन उत्पाद की न केवल एक प्रमुख उत्पादक है, बल्कि उसने जांच अविध के दौरान भारत को नगण्य मात्रा में विचाराधीन उत्पाद के निर्यात भी किए हैं। बल्कि प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग के रूप में रिलायन्स इंडस्ट्रीज लिमिटिड को शामिल करने से वर्तमान जांच संदूषित हो जाएगी चूंकि अनुचित व्यापार में सहभागी को उपचारी उपाय लागू करने से लाभ प्राप्त होगा और प्राधिकारी द्वारा इस प्रकार की कार्रवाई न केवल सुस्थापित कानूनी स्थिति का उल्लंघन होती, बल्कि इससे हितबद्ध पक्षकारों को प्राधिकारी की कार्रवाई का विरोध करने में प्रोत्साहन भी मिलता।
- 19. इस तर्क के संबंध में कि निर्दिष्ट प्राधिकारी ने रिलायन्स इंडस्ट्रीज लिमिटिड को मुख्यतया घरेलू उत्पादक और न कि एक आयातक के रूप में उसके आचरण की जांच किए बिना घरेलू उद्योग के कार्य-क्षेत्र से बाहर रखने के लिए अपने विवेक का इस्तेमाल किया है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि नियमावली के नियम 2 (ख) के अनुसार जब कोई घरेलू उत्पादक अन्य बातों के साथ-साथ आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों अथवा आयातकों से संबंधित होते हैं तो ऐसे उत्पादक को घरेलू उत्पादक के रूप में नहीं माना जा सकता है। वर्तमान मामले में रिलायन्स इंडस्ट्रीज लिमिटिड की संबंधित कंपनी मलेशिया में संबद्ध वस्तुओं की एकल उत्पादक कंपनी है और उसने जांच अवधि के दौरान भारत को अत्यधिक मात्रा में संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है। इस प्रकार नियमावली और विधि शास्त्र के अनुसार रिलायन्स इंडस्ट्रीज लिमिटिड के मलेशिया से संबद्ध वस्तुओं के निर्यातक से संबंधित होने के कारण उसको वर्तमान जांच में किसी भी तरीके से घरेलू उद्योग के रूप में नहीं माना जा सकता है।
- 20. इस तर्क के संबंध में कि रिलायन्स इंडस्ट्रीज लिमिटिड की अयोग्यता केवल मलेशिया के मामले में होनी चाहिए और न कि किसी अन्य संबद्ध देश से, प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान जांच उन संबद्ध देशों के बारे में है, जिनमें चीन, ईरान, इंडोनेशिया, मलेशिया और ताईवान शामिल हैं। नियमावली के अनुसार संबद्ध देशों का निर्धारण, जांच की ऐसी विनिश्चित अविध के संदर्भ में किया जाता है, जिसमें संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के निर्यात, न्यूनतम स्तर से अधिक होते हैं।
- 21. इस तर्क के संबंध में कि पाटन-रोधी करार के अनुच्छेद 3.3 के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रत्येक संबद्ध देश के लिए पृथक जांच शुरू करनी अपेक्षित होती है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग का कार्य-क्षेत्र का निर्धारण जांच अधीन देश के रूप में नहीं किया जाता है बल्कि भारत में विनिर्मित समान वस्तुके रूप में किया जाता है। इसके अतिरिक्त यह तर्क कि प्राधिकारी द्वारा क्षति और कारणात्मक संबंध का विश्लेषण, मलेशिया को छोड कर संबद्ध देशों से आयातों के संबंध में किया जाना चाहिए, विधि के अंतर्गत उपयुक्त नहीं है।
- 22. उपरोक्त स्थिति को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान जांच में केवल एमसीसी पीटीए इंडिया कार्पेरिशन प्राईवेट लिमिटिड ही एक मात्र पात्र घरेलू उत्पादक है, जो कि नियमावली के नियम 2 (ख) में उल्लिखित परिभाषा

के भीतर घरेलू उद्योग बनती है और आवेदन पत्र उपरोक्त नियमावली के नियम 5 (3) में उल्लिखित आधार के मानदंड को पूरा करता है।

घ. गोपनीयता

निर्यातकों, आयातकों, प्रयोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन

- 23. जांच की कार्रवाई के दौरान गोपनीयता के संबंध में निर्यातकों, आयातकों, प्रयोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए तथा प्राधिकारी द्वारा प्रासंगिक पाए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-
- (1) घरेलू उद्योग ने कोई कानूनी कारण बताए बिना अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है।
- (2) घरेलू उद्योग ने ऐसा दावा किया है कि उसने संयंत्र-वार क्षति की सूचना प्रस्तुत की है। तथापि, ऐसी सूचना को हितबद्ध पक्षकारों के निरीक्षण के लिए सार्वजनिक फाईल में उपलब्ध नहीं कराया गया है। प्राधिकारी से अनुरोध है कि उक्त सूचना को सार्वजनिक फाईल में उपलब्ध करा दिया जाए।
- (3) प्राधिकारी उन प्रमाणों का प्रकटन करने के लिए बाध्य हैं, जिन पर उन्होंने क्षिति रहित कीमत का निर्धारण करने के लिए विश्वास किया है। प्राधिकारी ने आईओसीएल, डीजीसीआईएंडएस के आयात के आंकडों से संबंधित सूचना का प्रकटन एक्सिल प्रपत्र में नहीं किया है। घरेलू उद्योग की सत्यापन रिपोर्टों और क्षित विश्लेषण का निर्धारण करने के लिए विचारित नियोजित पूंजी पर प्रतिलाभ के प्रतिशत का प्रकटन नहीं किया गया है।
- (4) मूल/अपरिष्कृत दोनों और आईबीआईएस के छांटे गए कारोबार-वार आयात के आंकडे, पीएक्स कीमत के लिए प्रयुक्त प्लेट्टस की प्रतियां, निर्यात कीमत के लिए समायोजन और घरेलू उद्योगद्वाराप्रस्तुतकी गई अन्य सूचना का प्रकटन, वर्ष 2004 के ट्रेड नोटिस संख्या 2 के दिशानिर्देशों के अनुसार किया जाना चाहिए।
- (5) प्राधिकारी ने डीजीआईएंडएस के आयातों के आंकडों पर विश्वास किया है जो कि हितबद्ध पक्षकारों को एक्सेल प्रपत्र में साफ्ट वृतान्त में उपलब्ध नहीं कराए गए हैं। प्राधिकारी को उक्त सूचना को एक्सेल प्रपत्र में साफ्ट प्रति में उपलब्ध कराना चाहिए।

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन

- 24. गोपनीयता के संबंध में जांच के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा किए गए तथा प्राधिकारी द्वारा प्रासंगिक पाए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-
- (1) प्रतिवादी निर्यातकों ने अत्यधिक गोपनीयता अपनाई है जिससे याचिकादाताओं को अपनी टिप्पणियां प्रस्तुत करने के लिए पूरी तरह से रोका गया है। प्राधिकारी को इन निर्यातकों को निर्देश देना चाहिए कि वे प्रस्तुत की गई सूचना का पर्याप्त रूप से प्रकटन सार्वजनिक वृतान्त के रूप में कराएं अथवा प्रश्नावली के उनके उत्तरों को अस्वीकार कर दिया जाए।
- (2) कोई भी हितबद्ध पक्षकार सूचना के ऐसे किसी विशिष्ट अंश का उल्लेख करने में सक्षम नहीं हुआ है, जिसकी गोपनीयता का दावा किया गया है और जिसकी गोपनीयता नियमावली के अंतर्गत यथोचित नहीं है।
- (3) याचिकादाता ने केवल ऐसी सूचना की गोपनीयता का दावा किया है, जिसकी अनुमित प्राधिकारी की सुसंगत पद्धित के अनुसार नियमावली के अंतर्गत दी जाती है और जो कि व्यवसायिक संवेदी सूचना होती है और जो सार्वजनिक क्षेत्र में अन्यथा उपलब्ध नहीं होती है।
- (4) प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों के विपरीत जिन्होंने सूचना की अत्यधिक गोपनीयता बनाए रखी है, याचिकादाता ने प्रदत्त की गई सूचना के पर्याप्त अगोपनीय सारांश प्रस्तुत कर दिए हैं, जिसमें ऐसी सूचना शामिल नहीं है, जो कि संक्षेपण के लिए संवदेनशील है।

- (5) कच्चे माल की लागत के प्रमाण के संबंध में याचिकादाताओं ने याचिका के अगोपनीय वृतांत में व्यापक ब्यौरे प्रस्तुत कर दिए हैं। निर्यात कीमत का समायोजन करने के संबंध में यह निवेदन है कि वह तृतीय पक्षकार की सूचना है और याचिकादाता उसे प्रदान करने के लिए बाध्य नहीं है।
- (6) प्राधिकारी को डीजीसीआईएंडएस के कारोबार-वार आयात के आंकडे सार्वजनिक फाईल में उपलब्ध कराने के लिए प्रस्तुत कर दिए गए हैं।

प्राधिकारी द्वारा जांच

- 25. सूचना की गोपनीयता के संबंध में पाटन-रोधी नियमावली के नियम-7 में की गई व्यवस्था निम्नानुसार है :-
 - (1) नियम 6 के उपनियमों (2), (3) और (7), नियम 12 के उपनियम (2), नियम 15 के उपनियम (4) और नियम 17 के उपनियम (4) में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी जांच की प्रक्रिया में नियम 5 के उपनियम (1) के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों के प्रतियां या किसी पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रस्तुत किसी अन्य सूचना के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी उसकी गोपनीयता से संतुष्ट होने पर उस सूचना को गोपनीय मानेंगे और ऐसी सूचना देने वाले पक्षकार से स्पष्ट प्राधिकार के बिना किसी अन्य पक्षकार को ऐसी किसी सूचना का प्रकटन नहीं करेंगे।
 - (2) निर्दिष्ट प्राधिकारी गोपनीय अधिकारी पर सूचना प्रस्तुत करने वाले पक्षकारों से उसका अगोपनीय सारांश प्रस्तुत करने के लिए कह सकते हैं और यदि ऐसी सूचना प्रस्तुत करने वाले किसी पक्षकार की राय में उस सूचना का सारांश नहीं हो सकता है तो वह पक्षकार निर्दिष्ट प्राधिकारी को इस बात के कारण संबंधी विवरण प्रस्तुत करेगा कि सारांश करना संभव क्यों नहीं है।
 - (3) उप नियम (2) में किसी बात के होते हुए भी यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट है कि गोपनीयता का अनुरोध अनावश्यक है या सूचना देने वाला या तो सूचना को सार्वजनिक नहीं करना चाहता है या उसकी सामान्य रूप में या सारांश रूप में प्रकटन नहीं करना चाहता है तो वह ऐसी सूचना पर ध्यान नहीं दे सकते हैं।
- 26. गोपनीयता के आधार पर हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रदत्त सूचना की जांच, गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में की गई है। प्राधिकारी ने जहां कहीं भी आवश्यक हुआ है, संतुष्ट होने पर गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया है और ऐसी सूचना को गोपनीय माना है तथा उसे अन्य हितबद्ध पक्षकारों के समक्ष प्रकट नहीं किया है। जहां कहीं भी संभव हुआ है, गोपनीय आधार पर सूचना प्रस्तुत करने वाले पक्षकारों को निर्देश दिया गया है कि वे गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना के पर्याप्त अगोपनीय वृतान्त भी प्रदान करें। प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रमाणों के अगोपनीय वृतान्त को सार्वजनिक फाईल के रूप में उपलब्ध कराया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि सार्वजनिक क्षेत्र में उपलब्ध किसी भी सूचना को गोपनीय नहीं माना जा सकता है।
- 27. प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों के इस निवेदन के संबंध में कि डीजीसीआईएंडएस के कारोबार-वार आयात के आंकडे उपलब्ध कराए जाने चाहिए, प्राधिकारी नोट करते हैं कि डीजीसीआईएंडएस के कारोबार-वार आयात के आंकडों में कारोबार संवेदी गोपनीय सूचना निहित होती है और इसलिए उक्त आंकडों को प्रकट नहीं किया जा सकता है। तथापि, घरेलू उद्योग ने दिनांक 16.10.2015 के अपने पत्र द्वारा उक्त आंकडों के अगोपनीय वृतांत प्रस्तुत कर दिए हैं और उन्हें सार्वजनिक फाईल पर उपलब्ध करा दिया गया है।

ङ. विविध निवेदन

निर्यातकों, आयातकों, प्रयोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन

28. उत्पादकों, निर्यातकों, आयातकों, अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा प्रासंगिक पाए गए विभिन्न निवेदन निम्नानुसार हैं :-

- (1) घरेलू उद्योग द्वारा आवेदन पत्र में प्रस्तुत किए गए आंकडे भ्रामक और त्रुटिपूर्ण थे । निर्दिष्ट प्राधिकारी ने याचिकादाताओं द्वारा प्रस्तुत किए गए दोषयुक्त आवेदन पत्र के आधार पर जांच की शुरूआत की है। निर्दिष्ट प्राधिकारी का यह दायित्व है कि वह जांच शुरू करने से पहले प्रमाणों की पर्याप्तता और परिशुद्धता की जांच करें।
- (2) प्रारंभिक जांच परिणाम से पहले कोई सुनवाई नहीं करना प्राकृतिक न्याय का उल्लंघन करना है। प्राधिकारी से अनुरोध है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा जिन दस्तावेजों पर विश्वास किया गया है, वह उन सभी दस्तावेजों को उपलब्ध कराने के बाद मौखिक सुनवाई का अवसर प्रदान करें।
- (3) वर्तमान जांच के तथ्य और और कानूनी प्रावधान पूर्वव्यापी प्रभाव से पाटन-रोधी शुल्क लागू करने की अनुमित नहीं देते हैं। पाटन-रोधी शुल्क को पूर्वव्यापी प्रभाव से लागू करने के लिए घरेलू उद्योग का दावा सुसंगत नहीं है। घरेलू उद्योग ने चीन जनवादी गणराज्य सिहत सभी संबद्ध देशों से पाटन होने के इतिहास का खुला दावा किया है। तथापि, प्राधिकारी ने विगत जांच में स्वत: यह निर्णय दिया है कि चीन जनवादी गणराज्य से कोई पाटन नहीं हुआ है। सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम और पाटन-रोधी करार की धारा 9 (3) के अनुसार वर्तमान मामले में ऐसा कोई संघटक निहित नहीं है जिसके आधार पर पाटन-रोधी शुल्क को पूर्व व्यापी प्रभाव से लागू किए जाने पर विचार किया जा सके।
- (4) भारत में मांग और पूर्ति के बीच व्यापक अंतर विद्यमान है। निचले स्तर तक के उपभोक्ताओं के लिए शुल्क लगाया जाना नुकसान दायक है।
- (5) पाटन-रोधी शुल्क लागू किए जाने के बाद पीटीए के घरेलू उत्पादकों ने पीटीए की कीमत बढा दी है।
- (6) घरेलू उद्योग द्वारा घाटे होने का दावा करने के बावजूद भारत में पीटीए की उत्पादन क्षमता में अत्यधिक विस्तार किया गया है।
- (7) पीटीए के घरेलू उत्पादक, पीएक्स के आयातों पर शून्य शुल्क होने और पीटीए के आयातों पर 5 प्रतिशत सीमा-शुल्क होने के कारण पर्याप्त संरक्षण प्राप्त कर रहे हैं।
- (8) सस्ते आयातों ओर मानव निर्मित फाईबर और फेब्रिक्स के निर्यातों में कमी होने के कारण घरेलू मानव निर्मित फाईबर विनिर्माताओं का क्षमता उपयोग घट गया है और उनका मार्जिन संकुचित हो गया है। एमएमएफ फाईबर उद्योग विदेशी मुद्रासंग्रहीत कर रहा है और विशेषकर महिला बल के लिए व्यापक रोजगार सुजित कर रहा है।
- (9) घरेलू उद्योग ने यह प्रमाणित किया है कि मलेशिया से आयात न्यूनतम से अधिक हैं और वे पाटित कीमतों पर किए गए हैं। हितबद्ध पक्षकारों द्वारा ऐसी परिकल्पना की गई है कि इस जांच को समाप्त कर दिया जाएगा।

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन

- 29. जांच की कार्रवाई के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा प्रासंगिक पाए गए विविध निवेदन निम्नानुसार हैं:-
- (1) याचिकादाताओं ने वर्तमान जांच को शुरू करने और निर्धारण करने के लिए पर्याप्त संबद्ध सूचना उपलब्ध करा दी है। निर्दिष्ट प्राधिकारी घरेलू उद्योग के गोपनीय आंकडों के आधार पर सूचना की परिशुद्धता और पर्याप्तता के बारे में स्वयं संतुष्ट हो गए हैं। जांच शुरू करने का निर्दिष्ट प्राधिकारी का निर्णय गोपनीय आंकडों पर आधारित है।
- (2) सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 9 क (3) का उल्लेख उत्पाद के पाटन होने के इतिहास से संबद्ध है और किसी देश से पाटन होनेसे नहीं है। विगत जांच में यह प्रमाणित हो गया है कि उत्पाद के पाटन होने का इतिहास रहा है और घरेलू उद्योग का यह दावा कि पाटन-रोधी शुल्क को पूर्वव्यापी प्रभाव से लागू किया जाए वैध और कानूनी है। याचिकादाताओं का निर्दिष्ट प्राधिकारी से अनुरोध है कि वह पाटन-रोधी शुल्क को पूर्वव्यापी प्रभाव से लागू किए जाने पर विचार करें।

प्राधिकारी द्वारा जांच

30. प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों के इस तर्क के संबंध में कि आवेदक द्वारा प्रस्तुत किए गए भ्रामक आंकडों के कारण जांच की शुरूआत करना कानूनी रूप से ठीक नहीं है और प्राधिकारी द्वारा आंकडों का अनुचित मूल्यांकन किया गया है, निराधार है। प्राधिकारी द्वारा वर्तमान जांच की शुरूआत याचिकादाताओं द्वारा प्रस्तुत किए गए आंकडों की परिशुद्धता और पर्याप्तता तथा पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध में विद्यमान होने के बारे में प्रथम दृष्टया स्वयं संतुष्ट होने पर की गई है।

- 31. इस तर्क के संबंध में कि प्रारंभिक जांच परिणाम से पहले कोई सुनवाई नहीं करना प्राकृतिक न्याय का उल्लंघन करना है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि नियमावली के अंतर्गत ऐसा कोई प्रावधान नहीं है जो कि ऐसा अधिदेश देता है कि प्रारंभिक जांच परिणाम जारी करने से पहले सुनवाई किए जाने की आवश्यकता है। वास्तव में नियमावली के अनुसार प्राधिकारी के लिए यह अनिवार्य नहीं है कि वह हितबद्ध पक्षकारों को सुनवाई का अवसर प्रदान करें। इसके बावजूद प्राधिकारी ने सभी ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों को 4 फरवरी, 2016 को एक सार्वजनिक सुनवाई में अपने मौखिक विचार प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया था। जिन पक्षकारों ने अपने मौखिकविचार प्रस्तुत किए थे उनसे अनुरोध किया गया था कि सार्वजनिक सुनवाई में मौखिक रूप से व्यक्त किए अपने विचारों को लिखित रूप में भी प्रस्तुत करें। इसके साथ पक्षकारों को अपने प्रत्युत्तर प्रस्तुत करने का भी अवसर प्रदान किया गया था।
- 32. इस तर्क के संबंध में कि भारत में मांग और पूर्ति के बीच व्यापक अंतर विद्यमान है और चूंकि पीटीए के आयात करना अपिरहार्य है, निचले स्तर तक के उपभोक्ताओं के लिए शुल्क लगाया जाना नुकसान दायक है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि ऐसा कोई कानूनी प्रावधान नहीं है जो कि घरेलू उद्योग को ऐसा अधिदेश देता है कि वह देश में समग्र मांग को पूरा करे। इसके अतिरिक्त पाटन-रोधी शुल्क लगाने का उद्देश्य आयातों की रोकथाम करना नहीं है।
- 33. पाटन रोधी शुल्क को पूर्वव्यापी प्रभाव से लागू करने के अनुरोध के संबंध में सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 9 क (3) में उल्लिखित व्यवस्था निम्नानुसार है:-

यदि केन्द्रीय सरकार का जांच अधीन पाटित वस्तु के संबंध में यह विचार है कि –

- (1) पाटन का ऐसा इतिहास रहा है जिसके कारण क्षति हुई है अथवा यह कि आयातक को इस बात की जानकारी थी अथवा होनी चाहिए कि निर्यातक पाटन की पद्धतियां अपना रहा है अथवा अपना रहा था और यह कि ऐसे पाटन से क्षति होगी, और
- (2) अपेक्षाकृत अल्प अविध में आयातित किसी वस्तु के अत्यिधिक पाटन किए जाने के कारण क्षति हुई है, जो कि समय के आलोक में और पाटित आयातित वस्तु की मात्रा और अन्य परिस्थितियों में लगाए जाने वाले पाटन-रोधी शुल्क के उपचारी प्रभाव को गंभीर रूप से कम करने की संभावना रखते हैं, तो
 - ऐसी स्थिति में केन्द्रीय सरकार, सरकारी राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना द्वारा उाप-धारा (2) के अंतर्गत पाटन-रोधी शुल्क को लागू करने की तारीख से पूर्व तारीख से पूर्वव्यापी प्रभाव से पाटन-रोधी शुल्क लागू कर सकती है, लेकिन ऐसा ऐसी उप-धारा के अंतर्गत अधिसूचना की तारीख से नब्बे दिनों के बाद नहीं किया जाएगा और इस समय लागू किसी भी विधि में निहित किसी भी प्रावधान के होने के बावजूद ऐसा शुल्क ऐसी दर पर और ऐसी तारीख से देय होगा जो कि अधिसूचना में विनिश्चित किया गया है।
- 34. वर्तमान मामले में पूर्वव्यापी प्रभाव से शुल्क लगाना इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए यथोचित नहीं है कि यह मामला व्यापक पाटन का नहीं हैं। याचिकादाता ने सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 9 क (3) के अंतर्गत निर्धारित आवश्यकताओं के आधार पर शुल्क को पूर्वव्यापी प्रभाव से लागू करने का दावा सिद्ध नहीं किया है।
- 35. इस तर्क के संबंध में कि पीटीए के घरेलू उत्पादकों ने पाटन-रोधी शुल्क लगाए जाने के बाद पीटीए की कीमतें बढा दी हैं, प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटन-रोधी उपाय करने का मुख्य उद्देश्य पाटन की अनुचित व्यापारिक प्रक्रिया की तुलना में घरेलू उद्योग को सामानान्तर व्यापारिक कार्य-क्षेत्र प्रदान करना है।
- 36. इस निवेदन के संबंध में कि घरेलू उद्योग द्वारा अपने आवेदन पत्र में घाटे होने के दावे करने के बावजूद भी भारत में पीटीए की क्षमता का अत्यधिक विस्तार हुआ है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटन-रोधी नियमावली के अनुबंध-2 में घरेलू उद्योग की क्षित का निर्धारण करने के मार्गदर्शी सिद्धातों का स्पष्ट उल्लेख किया गया है। इस अनुबंध में प्राधिकारी के लिए यह अपेक्षित है कि वह पूंजी निवेश जुटाने की घरेलू उद्योग की क्षमता सहित घरेलू उद्योग के विभिन्न आर्थिक प्राचलों की जांच

करें। इस प्रकार यदि विद्यमान घरेलू उद्योग के पास उत्पादन क्षमता का विस्तार करने के लिए पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता है, तो उसे क्षति का विश्लेषण करने का एक भाग माना जा सकता है। तथापि, समग्र क्षति का विश्लेषण करने के लिए किसी विशिष्ट क्षति प्राचल को निर्णायक नहीं माना जा सकता है।

- 37. इस निवेदन के संबंध में कि पीटीए के घरेलू उत्पादक प्रमुख कच्चे माल अर्थात् पीएक्स पर शून्य सीमा-शुल्क होने और पीटीए के आयातों पर 5 प्रतिशत सीमा-शुल्क होने के कारण पर्याप्त संरक्षण प्राप्त कर रहे हैं, प्राधिकारी नोट करते हैं कि कच्चे माल के आयातों पर विद्यमान सीमा-शुल्क, विदेशी निर्यातकों को पाटित कीमतों पर संबद्ध वस्तुओं का निर्यात करने के लिए प्राधिकृत नहीं करते हैं।
- 38. हितबद्ध पक्षकारों ने यह निवेदन किया है कि सस्ते आयातों और मानव निर्मित फाईबरों और फेब्रिक्स ने क्षमता उपयोग को कम कर दिया है और उसने एमएमएफ के घरेलू विनिर्माताओं के मार्जिन को संकुचित कर दिया है। उन्होंने आगे यह तर्क भी दिया है कि एमएमएफ फाईबर उद्योग, विदेशी मुद्रा संग्रहीत कर रहा है और विशेष कर महिला बल के लिए यह व्यापक रोजगार मृजित कर रहा है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटन-रोधी शुल्कों का सामान्य उद्देश्य पाटन की अनुचित पद्धितयों के कारण घरेलू उद्योग को होने वाली क्षित को दूर करना है, ताकि भारतीय बाजार में ऐसी खुली और उचित प्रतिस्पर्द्धात्मक स्थिति को बहाल किया जा सके जो कि देश के सामान्य हित में होगी। पाटन-रोधी उपाय करने का प्रयोजन किसी भी तरीके से संबद्ध देशों से आयातों को प्रतिबंधित करना नहीं है और इसलिए ये उपभोक्ताओं को उत्पादों की उपलब्धता को प्रभावित नहीं करेंगे। यह माना गया है कि पाटन-रोधी शुल्क को लागू करने से निचले स्तर के उत्पादों की लागत प्रभावित हो सकती है। तथापि, पाटन-रोधी उपायों से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्द्धा कम नहीं होगी क्योंकि कमतर शुल्क नियम के सिद्धांत के अनुसार पाटन-रोधी शुल्क लगाया जाना ऐसी आवश्यक राशि तक सीमित होता है जिससे कि घरेलू उद्योग की क्षित को दूर किया जा सके। जहां तक एमएमएफ के सस्ते आयातों का संबंध है, एमएमएफ के घरेलू उत्पादक विधि के अंतर्गत उपलब्ध उपाय का लाभ उठा सकते हैं।

च. बाजार अर्थव्यवस्था प्रतिपादन (एमईटी), सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन

निर्यातकों, आयातकों, प्रयोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन

- 39. इस जांच के दौरान उत्पादकों, निर्यातकों, आयातकों, अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा प्रासंगिक पाए गए विभिन्न निवेदन निम्नानुसार हैं :-
- (1) प्राधिकारी को गैर-प्रतिवादी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए पाटन-रोधी करार के अनुबंध-2 पर विचार करना चाहिए।
- (2) बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण संबंधित देशों में प्रचलित कीमतके अनुसार किया जाना चाहिए। मेसर्ज एमसीसी पीटए द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना के आधार पर सामान्य मूल्य की संरचना करना विधि और स्थापित पद्धित के विपरीत है।
- (3) निर्यातक देश अथवा क्षेत्र से निर्यात तब पूरे होते हैं जब कि संबद्ध देश से वस्तुओं के निर्यात कर दिए जाते हैं। जैसे ही निर्यातक देश के सीमा-शुल्क के क्षेत्र से वस्तुओं को क्लीयर कर दिया जाता है, तो उनका निर्यात कर दिया जाता है।
- (4) ऐसे असंबंधित व्यापारियों ने जिन्होंने प्रतिवादी उत्पादकों/निर्यातकों को वस्तुओं के निर्यात किए हैं, प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत नहीं किए हैं, इस आधार पर विशिष्ट पृथक माजिन की मनाही करना सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975, पाटन-रोधी नियमावली और विश्व व्यापार संगठन करार के विपरीत है।
- (5) कारोबार में लगे सभी निर्यातकों/उत्पादकों के लिए यह अनिवार्य नहीं है कि वे निर्यातक की प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत करें। विधि प्राधिकारी को पूरा सहयोग करने वाले निर्यातकों/उत्पादकों को इस आधार पर निर्यात कीमत को खारिज करने की अनुमित नहीं देती है कि उनके कुछेक निर्यात कारोबार, ऐसे असंबंधित व्यापारियों के माध्यम से किए गए हैं, जिन्होंने प्राधिकारी को सहयोग नहीं दिया है।

- (6) यदि निर्यातक के पास उचित रूप से सूचना उपलब्ध है, तो उसके द्वारा प्रदत्त सूचना पर्याप्त है और प्राधिकारी निर्यातक को ऐसी किसी भी सूचना को प्रस्तुत करने के लिए बाध्य नहीं कर सकते हैं जो कि उसके नियंत्रण से बाहर है।
- (7) निर्यातक की प्रश्नावली के प्रपत्र के अनुसार निर्यातक को संबद्ध वस्तुओं के उत्पादक को प्रश्नावली का प्रपत्र अग्रेषित करना चाहिए। निर्यातक की प्रश्नावली का प्रपत्र और पाटन-रोधी नियमावली में ऐसा अधिदेश नहीं है कि आवेदक घरेलू उद्योग द्वारा सभी घरेलू उत्पादकों की सूचना प्रदान की जाए और न ही ऐसी अपेक्षा है कि निर्यातक सभी असंबंधित निर्यातकों के बारे में सूचना प्रदान करेंगे। ऐसी अपेक्षा किसी भी कानूनी प्रावधान द्वारा समर्थित नहीं है।
- (8) सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 9 क (ख) के अनुसार जांच प्राधिकारियों के लिए यह आवश्यक होता है कि वे प्रथम स्वतंत्र केता की कीमत के रूप में निर्यात कीमत संरचित करें चाहे वे भारत में अथवा भारत से बाहर अवस्थित हैं। भारतीय प्राधिकारी द्वारा इस संबंध में अपनाई गई पद्धति, विधि और अंतर्राष्ट्रीय पद्धतियों के विपरीत है। निर्दिष्ट प्राधिकारी इस तथ्य की ओर ध्यान दिए बिना कि असंबंधित व्यापारी ने निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत नहीं किए है, सामान्य मुल्य और पाटन मार्जिन का निर्धारण कर सकते हैं।
- (9) अधिनियम की धारा 9 क (1) और पाटन-रोधी नियमावली के नियम 6 (8) के अंतर्गत निर्धारित शर्त को पूरा किए बिना निर्यात कीमत को खारिज नहीं किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 9 क (6 क) के अनुसार पाटन के मार्जिन का निर्धारण, ऐसे निर्यातक अथवा उत्पादक द्वारा संबंधित सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के बारे में बना कर रखे गए रिकार्ड और प्रदत्त सूचना के आधार पर किया जाएगा।
- (10) संबद्ध देशों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण, पाटन-रोधी करार के अनुच्छेद 2.2.2 के अनुसार किया जाना चाहिए जिसमें ऐसी व्यवस्था है कि सामान्य मूल्य की संरचना करने के लिए लाभ के अनुमान, संबद्ध देश में उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा वसूल किए गए सामान्य लाभ पर आधारित होने चाहिए। ऐसे मामलों में जिनमें उत्पादक/निर्यात को घाटे हो रहे हैं, निर्दिष्ट प्राधिकारी सामान्य मूल्य की संरचना के लिए लाभ को जोड सकते हैं।
- (11) चीन जनवादी गणराज्य के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण, बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश में किसी भी प्रतिवादी उत्पादक के सामान्य मूल्य पर विचार करते हुए पाटन-रोधी नियमावलीके अनुबंध-1 के अनुसार किया जा सकता है। बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण पाटन-रोधी करार के अनुच्छेद 2.2.2 के अनुसार किया जाना चाहिए।
- (12) जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं की निर्यात कीमत में गिरावट परिष्कृत तेल की कीमत में कमी होने के कारण आई है। पीटीए की कीमत भी पीएक्स की कीमत का अनुसरण करती है, जो कि परिष्कृत तेल की कीमत पर निर्भर करती है।
- (13) प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य, कारखाना-गत निर्यात कीमत और पहुंच मूल्य का निर्धारण करने के आधार का प्रकटन नहीं किया है। अनिवार्य तथ्यों का प्रकटन नहीं करने से हितबद्ध पक्षकारों के दावे करने के अधिकार सीमित होते है।
- (14) प्राधिकारी ने पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के लिए विचारित कार्य-प्रणाली और प्रमाणों का प्रकटन नहीं किया है। इन्हें सार्वजनिक फाईल पर उपलब्ध कराया जा सकता है, ताकि आवश्यक निवेदन किए जा सकें।
- (15) पाटन-रोधी नियमावली के अनुसार सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण प्रतिवादी उत्पादक/निर्यातक द्वारा बना कर रखे गए रिकार्ड के आधार पर किया जाना चाहिए। ऐसी स्थिति में जिसमें लागत से कम कीमत पर निर्यातक की बिक्रियां, कुल घरेलू बिक्रियों के 20 प्रतिशत से अधिक होती हैं, वहां उन्हें सामान्य मूल्य का निर्धारण करते समय बाहर रखे जाने की आवश्यकता होती है, अन्यथा नहीं।
- (16) घरेलू उत्पादकों ने बाजार अर्थव्यवस्था वाले तृतीय देश में प्रचलित कीमतों के संबंध में प्रमाण प्रस्तुत नहीं किए हैं अथवा उक्त सूचना प्रदान नहीं कर सकने के कारण नहीं बताए हैं। घरेलू उत्पादकों को घरेलू बाजार में कीमत के संबंध में कोई प्रमाण प्रस्तुत करने के बजाय यह बताना चाहिए था कि वे उन देशों के घरेलू बाजारों में कीमत को प्राप्त करने में असमर्थ रहे हैं।

- (17) घरेलू उद्योग ने समान उत्पाद के घरेलू उत्पादन के मूल्य के बारे में सूचना प्रदान नहीं की है, जो कि घरेलू उत्पादकों द्वारा समान उत्पाद के लिए लगाया गया है। आवेदन पत्र में उत्पादन की परिकल्पित लागत के आधार पर सामान्य मूल्य का उल्लेख किया गया है। ऐसा प्रयास विधि की अपेक्षा के सपष्टतया असंगत है।
- (18) धारा 9 क (6 क) के अनुसार पाटन के मार्जिन का निर्धारण, सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत से संबंधित बना कर रखे गए रिकार्ड के आधार पर किया जाना चाहिए । धारा 9 क (6 क) के अपवाद स्वरूप अर्थात् उपलब्ध तथ्यों का अनुप्रयोग तभी लागू होता है जब उत्पादक/निर्यातक सूचना प्रदान नहीं करता है ।
- (19) निर्यातकों द्वारा सामान की सुपुर्दगी में लगने वाले समय की अनदेखी करते हुए मासिक आधार पर कीमतों की तुलना करने का प्रयास किया गया है। यह स्वीकार्य तथ्य है कि अंतर्राष्ट्रीय कीमत के आधार पर वार्ता से कीमतें तय की जाती है और सुपुर्दगी की समय सीमा के इस तरीके से कीमतों की तुलना और प्रभावित होगी।

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन

- 40. जांच की कार्रवाई के दौरान एमईटी, सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा प्रासंगिक पाए गए निवेदन निम्नानुसार हैं :-
- (1) चीन का कोई भी उत्पादक बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे को पूरा नहीं कर सकता है। विश्व व्यापार संगठन के किसी भी सदस्य ने संबद्ध मानदंड, जिसमें उप-पैरा 8 (3) में विनिश्चित मानदंड शामिल है, के अद्यतन व्यापक मूल्यांकन के आधार पर चीन के उत्पादकों को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा स्वीकृत नहीं किया है। किसी भी देश ने व्यापक मूल्यांकन करने की प्रक्रिया का अनुसरण करने और जांच करने के बाद चीन को बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश का दर्जा स्वीकृत नहीं किया है।
- (2) चीन जनवादी गणराज्य गैर-अर्थव्यवस्था वाला देश है और भारतीय प्राधिकारी और अन्य जांच प्राधिकारियों द्वारा अनेक जांच में ऐसा निर्णय लिया गया है। चीन जनवादी गणराज्य के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण, पाटन-रोधी नियमावली के अनुबंध-1 के अनुसार किया जाना चाहिए।
- (3) नियम ने उत्पादक और निर्यातक तथा सत्वों के बीच के अंतर को विशिष्ट रूप से स्पष्ट किया हुआ है तथा उत्पादक और निर्यातक दोनों पृथक पाटन मार्जिन का दावा करते हैं। तथापि, इसका यह अभिप्राय नहीं है कि यदि उत्पादक प्रत्युत्तर नहीं देता है, तो निर्यातक पाटन मार्जिन का हकदार हो जाता है।
- (4) नियम पृथक विशिष्ट पाटन मार्जिन के लिए स्पष्ट है और इसलिए यह पृथक सामान्य मूल्य और पृथक निर्यात कीमत की विद्यमानता को स्पष्ट करता है। पृथक सामान्य मूल्य से संबंधित उत्पादक के संबंध का स्पष्ट पता चलता है। इस प्रकार ऐसी किसी भी स्थित में जिसमें निर्यातक पृथक पाटन मार्जिन की मांग करता है, निर्यातक को संबंधित उत्पादक की ओर से प्रश्नावली का उत्तर सुनिश्चित करना होता है। इसके अतिरिक्त यदि ऐसे उत्पादक ने वस्तुओं को किसी अन्य माध्यम से बेचा होता है, तो पाटन मार्जिन का निर्धारण तब तक नहीं किया जा सकता है, जब तक कि उत्पादक की सभी बिक्रियां अंतत: भारत को निर्यात नहीं कर दी जाती हैं और उन्हें पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के लिए शामिल नहीं कर लिया जाता है।
- (5) प्रश्नावली का आंशिक उत्तर देने से पाटन मार्जिन का आसानी परिचालन किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त संबंधित पक्षकार से सहयोग प्राप्त करने के लिए पाटन मार्जिन के लिए ऐसी चालाकी के परिचालन को आसानी से असमर्थता का जामा पहनाया जा सकता है। प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत करने में आने वाली वैध कठिनाई और दुर्भावना के बीच भिन्नता और विशिष्टता स्थापित करने का कोई तरीका नहीं है।
- (6) ऐसी स्थिति में जिसमें उत्पादक और निर्यातक की कानूनी पहचान भिन्न होती है, वहां निर्यात कीमत ऐसी कीमत होती है जिस पर निर्यातक द्वारा वस्तु को भारत में निर्यात किया गया है। हितबद्ध पक्षकार की ऐसी अवधारणा होती है कि उक्त निर्यातक द्वारा जिस कीमत पर सामग्री की खरीद की गई होती है, वह उस कीमत से कम नहींहोती है जिस पर भारतीय आयातक के लिए वस्तुओं की बीजक बनाई गई होती है। तथापि, ऐसी अवधारणा का कोई आधार

नहीं है। अंतत: जिस कीमत पर भारतीय आयातक के लिए बीजक बनाई जाती है, वह वास्तविक रूप से उस कीमत से भिन्न होती है, जिस पर निर्यातक के लिए वस्तुओं की बीजक बनाई गई होती है।

- (7) पाटन मार्जिन का निर्धारण करने से वर्जित करने वाली आवश्यक और पर्याप्त सूचना का उपलब्ध नहीं होना, ऐसी स्थिति से भिन्न है, जिसमें सभी पहलुओं पर सूचना उपयुक्त नहीं हो सकती है। ऐसी स्थिति में जहां भारतीय ग्राहक को बेची गई वस्तुओं की बीजक स्वतः उपलब्ध नहीं होती है, वहां प्राधिकारी निर्यात कीमत का निर्धारण करने में बाधित होते हैं। यह अवधारणा मात्र है कि उत्पादक जिस कीमत पर वस्तुओं को अंतर्राष्ट्रीय बाजार में निर्यात को बेचता है, वह उस कीमत का निर्धारण करने के लिए पर्याप्त होती है, जिस कीमत पर ऐसा स्वतंत्र व्यापारी, वस्तुओं को भारत में निर्यात करता है। भारतीय ग्राहक के लिए जिस कीमत पर वस्तुओं की बीजक बनाई गई थी, उसमें निर्यात कीमत शामिल होती है और जब तक ऐसा पक्षकार द्वारा प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत नहीं कर दिया जाता है, तब तक निर्यात कीमत, पर्याप्त और परिशुद्ध रूप से स्थापित नहीं होती है। चूंकि यह सूचना पृथक पाटन मार्जिन का समग्र निर्धारण करने के लिए जरूरी होती है, इसलिए ऐसी सूचना प्राप्त नहीं होने की स्थिति में यह निष्कर्ष निकाला जाना चाहिए कि उत्पादक द्वारा निर्यात कीमत प्रमाणित नहीं की गई है और इसलिए पाटन मार्जिन का निर्धारण नहीं किया जा सकता है।
- (8) हितबद्ध पक्षकार का तर्क इस तर्क के समान है कि केवल सामग्री का वास्तविक प्रवाह पर्याप्त है। निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए उत्पाद का मात्र वास्तविक प्रवाह अपर्याप्त होता है। दस्तावेजों का प्रचुर होना भी समान रूप से महत्वपूर्ण होता है। वास्तव में दस्तावेजों के प्रचुर होने से निर्यात कीमत का निर्धारण करने में उनकी महत्ता बढ जाती है, चूंकि यह ऐसी कीमत होती है जो कि पाटन और क्षित मार्जिन का निर्धारण करने का आधार बनती है। इस प्रकार निर्यातक को ऐसी कीमत को प्रमाणित करना होता है, जिस पर भारतीय ग्राहकों के लिए वस्तुओं की बीजक बनाई गई होती है। जब तक ऐसी कीमत को प्रमाणित नहीं कर दिया जाता है, तब तक निर्यात कीमत का दावा अधुरा होता है।
- (9) धारा 9 (क) 1 (ख) के संदर्भ में याचिकादाता का निवेदन है कि यह अत्यधिक अनुचित है। यदि निर्यात कीमत को ऐसी कीमत माना जाता है, जिस पर वस्तुएं भारत में निर्यात की गई हैं, तो ऐसी कीमत को ऐसी कीमत को दर्शाए बिना प्रमाणित नहीं किया जा सकता है, जिस पर भारतीय ग्राहकों के लिए वस्तुओं की बीजक बनाई गई होती है। वास्तव में कंपनी विचाराधीन उत्पाद की निर्यातक नहीं है। कंपनी ताईवान में विचाराधीन उत्पाद की केवल उत्पादक कंपनी है, जिसकी वस्तुएं ताईवान, हांगकांग, जापान, कोरिया में एक निर्यातक द्वारा भारत को निर्यात की गई हैं। ताईवान, हांगकांग, जापान, कोरिया और किसी अन्य देश में ऐसे निर्यातक ने भारतीय ग्राहकों के लिए वस्तुओं की बीजक बनाई हैं, जिसने संबंधित उत्पादक के साथ भारतीय बाजार में पाटन करना शुरू किया है। अन्य शब्दों में उत्पादक और निर्यातक दोनों ही पाटन स्थापित करने वाले हैं। इस प्रकार ऐसी स्थिति उत्पन्न होती है जिसमें प्रश्नावली के प्रस्तुत उत्तर में "कोई निर्यात कीमत" निर्दिष्ट नहीं की गई है। निर्यात कीमत तभी प्रमाणित की जा सकती है, जब कि निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत करें और ऐसी कीमत निर्दिष्ट करें जिस पर वस्तुओं की बीजक बनाई गई हैं।
- (10) प्राधिकारी को निर्यातक प्रश्नावली के ऐसे उत्तरों को अस्वीकार कर देना चाहिए जिनमें उत्पादकों/निर्यातकों ने भारत को समस्त निर्यातकों के व्यापक बिकी माध्यमों का उल्लेख नहीं किया है। व्यापारिक कंपनी का एक स्नोत से वस्तुओं के निर्यात के संबंध में निर्यातक की प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत करने और अन्य स्नोत से वस्तुओं के निर्यात के संबंध में प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत नहीं करने के रवैये को सहयोगी नहीं माना जा सकता है।
- (11) विशिष्ट पृथक पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ "निर्यात कीमत" और "उत्पादक की कीमत" का महत्व होता है। निर्यात कीमत और विशिष्ट पृथक पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के लिए व्यापारी का उत्तर बहुत महत्वपूर्ण होता है।
- (12) प्रारंभिक जांच परिणाम में निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा निर्धारित किया गया पाटन मार्जिन अत्यधिक कम है।

- (13) निर्यातकों द्वारा दावा की गईं पीएक्स लागतों को विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन और बिक्री की सहयोजित लागत का उचित परिचयाक नहीं माना जा सकता है।
- (14) संबद्ध देशों के घरेलू बाजार में संबंधित उत्पाद की कीमत का प्रमाण प्राप्त करने के लिए प्रयास किए गए थे। इस पर विचार करने के पर्याप्त कारण हैं कि इन देशों में उत्पादक, उत्पादन की लागत अथवा घरेलू कीमतों से अधिक कीमतों पर विचाराधीन उत्पाद को नहीं बेच सकते थे क्योंकि वे अत्यधिक ऊंची हैं। इस प्रकार यह प्रमाण मिलता है कि निर्यातक देशों के घरेलू बाजार में बिक्री कीमत, इस अविध के दौरान सामान्य व्यापार कार्य के उपयुक्त नहीं हो सकती है।
- (15) निर्यातक देशों के घरेलू बाजार में प्रचलित कीमतें इस कारण से सामान्य व्यापार कार्य के उपयुक्त नहीं हो सकती हैं, क्योंकि उक्त कीमत से घरेलू बाजार में उत्पादन की लागत भी वसूल नहीं हो पाती है। अधिक पीएक्स कीमतें, कम उत्पाद कीमतें होने तथा इस क्षेत्र में चीन और अन्य देशों में अतिरिक्त क्षमताएं विद्यमान होने की स्थिति में इस क्षेत्र के पीटीए के उत्पादकों को अत्यधिक वित्तीय घाटे हो रहे हैं।
- (16) इन विदेशी उत्पादकों के लिए पेरेक्सीलेने से पीटीए की परिवर्तन लागत के न्यूनतम 140 अमरीकी डालर प्रति मीटर टन होने के साथ-साथ जांच अवधि के दौरान पीटीए और पेरेक्सीलेने की प्रचलित कीमतों को ध्यान में रखते हुए निर्यातक भारत को निर्यात करते समय उत्पादन की अपनी लागत को भी वसूल नहीं कर सकते थे। इस प्रकार यदि घरेलू बाजार में बिक्री की कीमतें तुलनीय होती हैं अथवा वे भारत में निर्यात कीमत से कम होती हैं, तो इससे यह पता चलता है कि निर्याताकों को वित्तीय घाटे हो रहे हैं।

प्राधिकारी द्वारा जांच

- इस तर्क के संबंध में कि प्रतिवादी निर्यातकों को ऐसे असंबंधित निर्यातकों/व्यापारियों जिन्होंने सीमा-शुल्क टैरिफ 41. अधिनियम,1975, पाटन-रोधी नियमावली और विश्व व्यापार संगठन के पाटन-रोधी करार का उल्लंघन करते हुए प्रतिवादी उत्पादकों/निर्यातकों को वस्तुएं निर्यात की हैं, के द्वारा निर्यातक की प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत नहीं करने के आधार पर उन्हें विशिष्ट पृथक पाटन मार्जिन देने से मनाही की गई है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि कोई भी कानून ऐसे दोषियों को प्रोत्साहन नहीं देता है, जो सहयोग नहीं करते हैं और इस प्रकार प्राधिकारी को ऐसी सूचना से वंचित रखते हैं, जिसके आधार पर वह यथोचित निर्णय लेने में सक्षम होते हैं। वर्तमान जांच में ऐसे अनेक निर्यातकों/व्यापारियों ने जिनमें आपस में संबंध रखने वाले शामिल हैं, जो कि जांचअवधि के दौरान भारत को पर्याप्त निर्यात कारोबार करने में लगे हुए थे, निर्यातक की प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत नहीं किए हैं। यह आश्चर्यजनक है कि उनमें से कुछेक ने एक उत्पादक की वस्तुओं के निर्यात के संबंध में निर्यातक की प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तृत करते समय उसी देश में अन्य संबंधित उत्पादकों के स्रोतों से प्राप्त की गई वस्तुओं के संबंध में निर्यातक की प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत नहीं किए हैं। प्राधिकारी ने प्रारंभिक जांच परिणाम में इस संबंध में विस्तार से उल्लेख किया है। प्रारंभिक जांच परिणाम के बाद की स्थिति में ऐसे संबंधित व्यापारी/निर्यातक संपूर्ण सूचना प्रस्तृत कर सकते थे। जहां तक कि ऐसे प्रतिवादी उत्पादकों ने भी जिन्होंने वर्तमान जांच में विशिष्ट पृथक मार्जिन का दावा किया है, जांच अवधि के दौरान भारत को पर्याप्त निर्यात कारोबार में लगे होने के बावजूद भी संपूर्ण सूचना के साथ निर्यातक की प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत नहीं किए हैं। प्राधिकारी द्वारा पर्याप्त अवसर प्रदान किए जाने के बावजूद भी जांच अवधि के दौरान पर्याप्त निर्यात कारोबार में लगे हुए अनेक पक्षकारों ने संपूर्ण सूचना के साथ निर्यातक की प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत नहीं किए हैं। निर्यातकों से पूर्ण सहयोग प्राप्त नहीं होने के कारण पाटन मार्जिन का सार्थक रूप से निर्धारण करने में प्राधिकारी का कार्य-क्षेत्र सीमित हो जाता है। इसलिए निर्यात कारोबार में लगे होने वाले उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा प्रस्तृत की गई पूरी सूचना के बिना प्राधिकारी के लिए विशिष्ट पृथक मार्जिन का निर्धारण किया जाना न तो व्यवहारिक और न ही वांछनीय होता है।
- 42. पाटन का निर्धारण करने के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण करना प्रासंगिक होता है। यदि कोई उत्पादक पूरा सहयोग नहीं देता है और प्राधिकारी के समक्ष प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों माध्यमों से अपनी संपूर्ण बिक्रियों के बारे में संपूर्ण सूचना प्रस्तुत नहीं करता है, तो ऐसी स्थिति में न तो सामान्य मूल्य और नहीं निर्यात कीमत का निर्धारण किया जाना प्रासंगिक होता है, चूंकि ऐसे मामलों में विशिष्ट पृथक मार्जिन का निर्धारण किया जाना असंगत होता है।

- 43. इस तर्क के संबंध में कि जांच अविध के दौरान अपरिष्कृत तेल की कीमतें कम होने के कारण संबद्ध वस्तुओं की निर्यात कीमत में गिरावट हुई है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि पीटीए वास्तव में अपरिष्कृत तेल का उत्पाद नहीं है। इसलिए पीटीए की कीमत में उतार-चढाव के लिए इसे जिम्मेदार माना जाना सही नहीं है। तथापि, पीएक्स की कीमतों में व्यापक उतार-चढाव होने के परिणामस्वरूप पीटीएकी कीमतों में उतार-चढाव हुआ है, प्राधिकारी वर्तमान जांच में मासिक-वार विश्लेषण करना उपयुक्त समझते हैं।
- 44. इस तर्क के संबंध में कि प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य, कारखाना-गत कीमत और पहुंच मूल्य कानिर्धारण करने के आधार का प्रकटन नहीं किया है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्रारंभिक जांच परिणाम के साथ-साथ इस अंतिम जांच परिणाम में संबद्ध भागों में जांच के इन सभी आधार भूत तत्वों का निर्धारण करने की कार्य-प्रणाली के बारे में पर्याप्त रूप से स्पष्टकीकरण कर दिया गया है।
- 45. इस तर्क के संबंध में कि याचिकादाताओं ने तृतीय देश की बाजार अर्थव्यवस्था में प्रचलित कीमतों के बारे में प्रमाण प्रस्तुतनहीं किए हैं, प्रारंभिक जांच परिणाम में यह पहले ही नोट किया गया है कि घरेलू उद्योग अपने उत्तम प्रयास करने के बावजूद भी उक्त सूचना प्राप्त नहीं कर सका है। उसने आगे यह भी निवेदन किया है कि इस पर विचार करने के पर्याप्त कारण हैं कि इन देशों में उत्पादक उत्पादन की लागत से अधिक कीमतों पर विचाराधीन उत्पाद को बेच नहीं सकते थे अथवा उनकी घरेलू कीमतें बहुताधिक थीं जिसके परिणामस्वरूप वे इस अविध के दौरान वे सामान्य व्यापारिक कारोबार भी नहीं कर सकते थे। तथापि, प्रतिवादी ऐसी सूचना प्रस्तुत करने में विफल रहे हैं।
- 46. प्राधिकारी नोट करते हैं कि विगत तीन वर्षों में भारत और विश्व व्यापार संगठन के अन्य देशों द्वारा पाटन-रोधी जांच में चीन जनवादी गणराज्य को एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है। इसलिए चीन जनवादी गणराज्य को एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है, बशर्ते कि नियमावली के अनुसार निर्यातक देश अथवा किसी विशिष्ट निर्यातक द्वारा ऐसी अवधारणा का खंडन नहीं कर दिया जाता है।
- 47. पाटनरोधी नियमावली अनुबंध-1 के पैरा-8 के अनुसार गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की परिकल्पना का उस स्थिति में खंडन किया जा सकता है, यदि चीन का निर्यातक, पैरा 8 के उप पैरा (3) में विनिर्दिष्ट मानदंडों के आधार पर सूचना और पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करता है और इसके विपरीत तथ्यों को सिद्ध करता है। चीन जनवादी गणराज्य से संबद्ध वस्तु के सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों के लिए बाजार अर्थव्यवस्था के निरूपण संबंधी प्रश्नावली के उत्तर में पैरा 8 के उप पैरा (3) में किए गए उल्लेख के अनुसार आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करना अपेक्षित है, ताकि निर्दिष्ट प्राधिकारी निम्नलिखित मानदंडों पर विचार कर सकें कि क्या:-
 - (क) कच्ची सामग्रियों सिहत कीमत; लागत और निविष्टि तथा श्रम लागत, उत्पादन, बिक्रियां और निवेश के बारे में चीन जन.गण. में संबंधित फर्मों का निर्णय ऐसे बाजारी संकेतों के अनुसार किया जाता है जिसमें आपूर्ति और मांग परिलक्षित होती है और इस बारे में राज्य का अधिक हस्तक्षेप नहीं होता है और क्या प्रमुख निविष्टियों की लागत में बाजार मूल्य पर्याप्त रूप से परिलक्षित होता है और क्या प्रमुख निविष्टियों की लागत में बाजार मूल्य पर्याप्त रूप से परिलक्षित होते हैं;
 - (ख) इस प्रकार की फर्मों की उत्पादन लागत और वित्तीय स्थिति विशेषकर परिसंपत्तियों के मूल्यह्रास, अन्य बट्टे-खातों, वस्तु विनिमय-व्यापार और ऋणों की प्रतिपूर्ति के माध्यम से भुगतान के संदर्भ में पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाली प्रणाली से हुई महत्वपूर्ण विकृतियों के अध्यधीन है;
 - (ग) इस प्रकार की फर्में दिवालियापन और संपत्ति कानूनों के अध्यधीन हैं जो फर्मों के प्रचालन की कानूनी निश्चितता और स्थिरता की गारंटी देते हैं; और
 - (घ) विनिमय दर का परिवर्तन ब्याज की दर पर किया जाता है।

- 48. प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान जांच की शुरूआत के अनुसरण में चीन के निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने केवल निर्यातक की प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत किए हैं और किसी ने गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की अवधारणा का खंडण नहीं किया है:-
 - (क) क्सिआंग्लू पेट्रोकेमिकल कंपनी लिमिटिड, चीन जनवादी गणराज्य
 - (ख) क्सिआंग्लू पेट्रोकेमिकल (झांग्झोऊ) कंपनी लिमिटिड, चीन जनवादी गणराज्य
 - (ग) बीपी झुहाई केमिकल कंपनी लिमिटिड, चीन जनवादी गणराज्य
 - (घ) हेंगली पेट्रोकेमिकल (दलियान) कंपनी लिमिटिड, चीन जनवादी गणराज्य
- 49. प्राधिकारी आगे यह नोट करते हैं कि चीन के निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने बाजार अर्थव्यवस्था प्रश्नावली के उत्तर के साथ-साथ निर्यातक की प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत किए हैं और गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की अवधारणा का खंडण किया है:-
 - (क) हेईनान यिशेंग पेट्रोकेमिकल कंपनी लिमिटिड
 - (ख) झेझियांग यिशेंग पेट्रोकेमिकल कंपनी लिमिटिड
 - (ग) निंगबो हेंगेई ट्रेडिंग कंपनी लिमिटिड
 - (घ) येशिंग दहुआ पेट्रोकेमिकल कंपनी लिमिटिड
- 50. उपलब्ध सूचना के अनुसार प्राधिकारी नोट करते हैं कि हेईनान यिशेंग पेट्रोकेमिकल कंपनी लिमिटिड, झेझियांग यिशेंग पेट्रोकेमिकल कंपनी लिमिटिड, निंगबो हेंगेई ट्रेडिंग कंपनी लिमिटिड और येशिंग दहुआ पेट्रोकेमिकल कंपनी लिमिटिड संबंधित कंपनियां हैं और ये संबद्ध वस्तुओं का उत्पादन/बिक्रियां करने के काम पर लगी हुई हैं। जबिक झेझियांग यिशेंग पेट्रोकेमिकल कंपनी लिमिटिड, हेईनान यिशेंग पेट्रोकेमिकल कंपनी लिमिटिड और येशिंग दहुआ पेट्रोकेमिकल कंपनी लिमिटिड, पीटीए की उत्पादक/निर्यातक कंपनियां हैं, निंगबो हेंगेई ट्रेडिंग कंपनी लिमिटिड एक व्यापारिक कंपनी है। झेझियांग यिशेंग पेट्रोकेमिकल कंपनी लिमिटिड, झेझियांग हेंगेई की सहायक कंपनी है, हेंगेई पेट्रोकेमिकल कंपनी लिमिटिड, जो कि राज्य के स्वामित्वाधीन एक कंपनी है, के पूर्ण स्वामित्वाधीन कंपनी है।
- 51. कंपनी द्वारा प्रस्तुत की गई लेखा परीक्षक की रिपोर्ट के अनुसार, झेजियांग यिसेंग पैट्रोकेमिकल कंपनी लिमिटेड की स्थापना 2003 में चीन की एक विदेशी संयुक्त उद्यम कंपनी के रूप में की गई थी, जो झेजियांग हेंगई ग्रुप कंपनी लिमिटेड, चीन जन. गण. और हांगकांग डेवलपमेंट इंवेस्टमेंट कंपनी लिमिटेड से वित्तपोषित थी और निगंबो म्युनिसिपल पीपल्स गवर्नमेंट से अनुमोदित थी। यह कहा गया है कि समग्र समूह की वास्तविक रूप से मूल कंपनी झेजियांग हेंगई ग्रुप कंपनी लिमिटेड है।
- 52. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि कंपनियों ने पिछले वर्षों के दौरान स्वामित्व नामे में कई परिवर्तन किए हैं, जिनका ब्यौरा प्रतिवादी कंपनियों ने प्रस्तुत नहीं किया है। इसके अलावा, समग्र समूह की वास्तविक रूप से मूल कंपनी झेजियांग हेंगई ग्रुप कंपनी बताई गई है, जिसने एम ई टी का उत्तर दाखिल नहीं किया है। बेव आधारित सूचना के अनुसार, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि झेजियांग हेंगई ग्रुप कंपनी लिमिटेड 18 अक्तूबर, 1994 को स्थापित की गई थी। हेंगई का प्रमुख कारोबार पी टी ए (प्योरिफाइड टेराफ्थेलिक एसिड) का निर्माण, पोलिस्टर स्पाइनिंग और केमिकल फाइबर इलास्टिसाइजिंग का है। इसके अलावा, झेजियांग रोंगशेंग होल्डिंग ग्रुप, जो एक शेयरधारक भी है, जिसकी स्थापना 1989 में की गई थी और वह अपनी सहायक कंपनियों के माध्यम से संबद्ध वस्तुओं में शामिल है, उसकी निगंबो, डालियन और हैनान में स्थित पीटीए उत्पादन सहित 10 से अधिक सहायक कंपनियां हैं। इसके अलावा, बेव आधारित सूचना के अनुसार, यिशेंग दाहुआ पैट्रोकेमिकल कंपनी लिमिटेड, जो वर्तमान जांच में संगत प्रतिवादी ग्रुप कंपनियों में से एक है, की स्थापना हेंगई ग्रुप रोंगशेंग ग्रुप और राज्य के स्वामित्व वाले उद्यम दाहुआ ग्रुप द्वारा की गई थी।

53. प्राधिकारी ने चीन की प्रतिवादी कंपनियों, जिन्होंने एम ई टी प्रत्युत्तर दाखिल किए हैं, द्वारा प्रदान की गई सूचना का संज्ञान लिया है, जिनमें उन्होंने पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-। के पैरा 8 में यथा उल्लिखित अवधारणा और उनकी कंपनी को बाजार अर्थव्यवस्था प्रश्नावली में उल्लिखित अवधारणा का खंडन करने की मांग की है। तथापि, प्रतिवादी कंपनियां राज्य के स्वामित्व और नियंत्रण तथा लागत व कीमतों पर इसके प्रभाव और कंपनी के कारोबारी निर्णयों, समय-समय पर स्वामित्व में परिवर्तन, परिसंपत्तियों के मूल्यांकन इत्यादि के साथ पर्याप्त साक्ष्य प्रदान करने में विफल रही है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि प्रतिवादी कंपनियों ने अपने प्रत्युत्तर में अपनी होल्डिंग/ग्रुप कंपनियों के संबंध में और अपने बाजार अर्थव्यवस्था दावे को प्रमाणित करने संबंधी अन्य संगत सूचना के संबंध में पर्याप्त ब्यौरे प्रदान नहीं किए हैं। प्रारंभिक जांच परिणाम के बाद भी उपरोक्त कंपनियों, जिन्होंने बाजार अर्थव्यवस्था का दावा किया है, ने प्राधिकारी की गैर-बाजार अवधारणा का खंडन करने के लिए दस्तावेजी सबूत के साथ पर्याप्त सबूत प्रस्तुत नहीं किए हैं। इसके अलावा, चीन की उपरोक्त कंपनियां प्राधिकारी के समक्ष पूर्ण निर्यात संबंधी सूचना के समर्थन में दस्तावेज प्रदर्शित करने में विफल रही हैं। उपरोक्त स्थिति को देखते हुए, प्राधिकारी चीन की उपरोक्त कंपनियों को बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रदान नहीं करते।

छ. सामान्य मूल्य का निर्धारण

छ.1 चीन जन. गण. में उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण

- 54. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि चीन जन. गण. से किसी भी उत्पादक/निर्यातक को नियमावली के अनुबंध-। के पैरा 6 के अनुसार चीन में सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए बाजार अर्थव्यवस्था स्थिति के अंतर्गत प्रचालन करते हुए नहीं पाया गया है। इन परिस्थितियों में, प्राधिकारी नियमावली के अनुबंध-। के पैरा 8 को लागू करने की स्थिति में नहीं है और उसे नियमावली के अनुबंध-। के पैरा 7 के अनुसार कार्यवाही करनी होती है।
- 55. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-। के पैरा 7 में यह प्रावधान है कि :

"गैर- बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयात के मामले में, उचित लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए भारत में समान उत्पाद के लिए वास्तविक रूप से भुगतान किया गया अथवा भुगतान योग्य, आवश्यकतानुसार पूर्णतया समायोजित कीमत सहित, सामान्य मूल्य का निर्धारण तीसरे देश की बाजार अर्थव्यवस्था में कीमत अथवा परिकलित मूल्य के आधार पर अथवा भारत सहित ऐसे किसी तीसरे देश से अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहां यह संभव नहीं हैं, या किसी अन्य उचित आधार पर किया जाएगा।"

- 56. इन नियमों के अनुसार, चीन जन. गण. में सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से किसी भी आधार पर निर्धारित किया जा सकता है:
 - (क) एक बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में कीमत के आधार पर, अथवा
 - (ख) एक बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में निर्मित मूल्य, अथवा
 - (ग) ऐसे किसी तीसरे देश से भारत सहित किन्हीं अन्य देशों के लिए कीमत
 - (घ) यदि उपरोक्त विकल्पों के आधार पर सामान्य मूल्य निर्धारित नहीं किया जा सकता, तो निर्दिष्ट प्राधिकारी तर्क संगत लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए विधिवत समायोजित समान उत्पाद के लिए वास्तव में किए गए भुगतान अथवा भारत में किए जाने वाले भुगतान सहित किसी अन्य तर्कसंगत आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण कर सकता है।
- 57. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि तीसरे देश की लागत और कीमतों के आधार पर सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए घरेलू बिक्रियों अथवा तीसरे देश की निर्यात बिक्रियों, तथा साथ ही तीसरे देश में ऐसे उत्पादकों के उत्पादन और सहयोग की लागत के संबंध में पूर्ण और समग्र आंकड़े अपेक्षित हैं। न तो घरेलू उद्योग द्वारा अथवा प्रतिवादी निर्यातकों द्वारा इन बाजारों में प्रचलित कीमतों और लागतों के संबंध में ऐसी कोई सूचना प्रदान की गई और न ही किसी

सार्वजनिक रूप से उपलब्ध सूचना के द्वारा पता चल सका और न ही चीन की प्रतिवादी कंपनियों ने इस अवस्था में एक उपयुक्त बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के संबंध में समर्थनकारी दस्तावेजों के साथ कोई दावा किया।

58. अतः प्राधिकारी पाटन रोधी नियमावली के अनुबंध- । के पैरा 7 के दूसरे परन्तुक के अनुसार, उपलब्ध तथ्यों पर भरोसा करते हुए किसी अन्य तर्कसंगत आधार पर चीन जन. गण. के लिए सामान्य मूल्य का निर्माण करने के लिए कार्यवाही आरंभ करता है। कच्ची सामग्री की कीमतों के व्यापक उतार-चढ़ाव के कारण, प्राधिकारी व्यापार विश्लेषण की सामान्य प्रक्रिया के प्रयोजन के लिए लागत और कीमतों का माह-वार विश्लेषण करना उचित मानते हैं। तद्नुसार, विक्री, सामान्य व प्रशासनिक लागत व लाभ *** यूएस डॉलर/ मी.टन को शामिल करने के लिए विधिवत समायोजित, उत्पादन की निर्मित लागतों के आधार पर चीन जन. गण. के लिए विचाराधीन उत्पाद के भारित औसतन सामान्य मूल्य का निर्धारण किया गया है।

छ.2 ईरान, इंडोनेशिया, मलेशिया और ताइवान में उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण

- 59. धारा 9क (1) (ग) के अधीन, किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य से तात्पर्य है :
 - (i) व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की तुलनीय कीमत जब वह उप धारा (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार यथा निर्धारित निर्यातक देश या क्षेत्र में खपत के लिए नियत हो, अथवा
 - (ii) जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रकिया में समान वस्तु की कोई बिक्री न हुई हो अथवा जब निर्यातक देश या क्षेत्र की बाजार विशेष की स्थिति अथवा उसकी घरेलू बाजार में कम बिक्री मात्रा के कारण ऐसी बिक्री की उचित तुलना न हो सकती हो तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा :-
 - (क) समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उसका निर्यात उप-धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से किया गया हो; अथवा
 - (ख) उप-धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथा निर्धारित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत एवं लाभ हेतु उचित वृद्धि के साथ उद्गम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत:

परंतु यदि उक्त वस्तु का आयात उदगम वाले देश से भिन्न किसी देश से किया गया है और जहां उक्त वस्तु को निर्यात के देश से होकर केवल यानांतरण किया गया है अथवा ऐसी वस्तु का उत्पादन निर्यात के देश में नहीं होता है, अथवा निर्यात के देश में कोई तुलनीय कीमत नहीं है, वहां सामान्य मूल्य का निर्धारण उद्गम वाले देश में उसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा।

ताइवान

- 60. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जांच प्रारंभ करने संबंधी अधिसूचना जारी होने के परिणामस्वरूप ताइवान से निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने निर्यातक प्रश्नावली उत्तर दाखिल किए हैं :
 - क. ओरिएंटल पैट्रोकेमिकल (ताइवान) कंपनी लिमिटेड (ओपीटीसी), ताइवान (उत्पादक)
 - ख. फोर्मोसा केमिकल्स एंड फाइबर कारपोरेशन (एफसीएफसी), ताइवान (उत्पादक)
 - ग. चाइना अमेरिकन पैट्टोकेमिकल्स कंपनी लिमिटेड (सीएपीसीओ), ताइवान (उत्पादक)
 - **घ.** मिथाइल कंपनी लिमिटेड, ताइवान (ओरिएंटल पैट्रोकेमिकल ताइवान कंपनी लिमिटेड, ताइवान से)
 - ङ. इटोचू ताइवान कारपोरेशन, ताइवान (ओरिएंटल पैट्रोकेमिकल ताइवान कंपनी लिमिटेड, ताइवान से)

- च. डाइनोविक प्रा. लिमिटेड, सिंगापुर (फोर्मोसा केमिकल्स एंड फाइबर कारपोरेशन, ताइवान से)
- छ. मित्सुई एंड कंपनी लिमिटेड, जापान (ओरिएंटल पैट्रोकेमिकल ताइवान कंपनी लिमिटेड, ताइवान से)
- ज. एस. के. नेटवर्क्स कंपनी लिमिटेड, कोरिया (ओरिएंटल पैट्रोकेमिकल ताइवान कंपनी लिमिटेड, ताइवान से)

सहयोगी निर्यातकों का सामान्य मूल्य

फोर्मोसा केमिकल्स एंड फाइबर कारपोरेशन (एफसीएफसी), ताइवान का सामान्य मूल्य

- 61. निर्यातक प्रश्नावली उत्तर से प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि फोर्मोसा केमिकल्स एंड फाइबर कारपोरेशन (एफसीएफसी), ताइवान संबद्ध वस्तुओं की एक उत्पादक/निर्यातक है। निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर में उपलब्ध सूचना के अनुसार, जांच की अवधि के दौरान, ताइवान के घरेलू बाजार में, फोर्मोसा केमिकल्स एंड फाइबर कारपोरेशन (एफसीएफसी) ने संबद्ध वस्तुएं वास्तविक उपभोक्ताओं को सीधे बेची हैं। घरेलू बाजार में, जांच की अवधि के दौरान, एफसीएफसी ने एनटीडी *** से कुल इनवॉयस मूल्य के लिए *** मी. टन संबद्ध वस्तुओं की बिक्री की थी, जिसमें से एनटीडी *** मूल्य की *** मी. टन की बिक्री इसके संबद्ध पक्षकारों को और एनटीडी *** मूल्य की *** मी. टन की बिक्री असंबद्ध पक्षकारों को की गई थी।
- 62. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि फोर्मोसा केमिकल्स एंड फाइबर कारपोरेशन (एफसीएफसी) की घरेलू बिक्री पर्याप्त मात्रा में है। एफसीएफसी के माह- वार उत्पादनों की लागत का निर्धारण निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर में उपलब्ध सूचना के आधार पर किया गया था। तद्नुसार, एफसीएफसी की सभी घरेलू बिक्रियों के सौदों के संबंध में सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए विचार किया गया है। वर्तमान जांच में, कच्चे माल की कीमतों के व्यापक उतार-चढ़ाव के कारण प्राधिकारी सामान्य व्यापार प्रक्रिया के प्रयोजन के लिए कीमत और लागत का माह-वार विश्लेषण करना उपयुक्त समझते हैं। एफसीएफसी के लिए सामान्य मूल्य की गणना करने के लिए 80/20 जांच की गई हैं और ऐसे महीनों के लिए, जिनमें कि 80% से अधिक लाभ अर्जित हुआ है, उन महीनों की घरेलू बिक्री की औसत कारखाना बाह्य कीमत सामान्य मूल्य मानी गई है और उन महीनों में, जिनमें कि 80% से कम लाभ अर्जित हुआ है, सामान्य मूल्य की गणना करने के लिए केवल लाभ अर्जन बिक्री की मात्रा पर विचार किया गया है। ऐसे कुछ ही महीने हैं, जिनमें घरेलू बाजार में कोई भी नकारात्मक लाभ अर्जन बिक्री हुई है, इन महीनों के लिए सामान्य मूल्य लागत + एसजीए+लाभ के आधार पर निकाला गया है। एफसीएफसी द्वारा छूट, देश के अंदर माल-भाड़ा तथा मासिक आधार पर ऋण लागत के संबंध में समायोजनों का दावा किया गया है और उनके लिए अनुमित प्रदान की गई है। तद्नुसार, मासिक विश्लेषण के आधार पर भारित औसत सामान्य मूल्य की गणना एफसीएफसी के लिए *** यूएस डॉलर/मी. टन आधार पर की गई है।

चाइना अमेरिकन पैट्रोकेमिकल कंपनी, ताइवान का सामान्य मूल्य

- 63. वर्तमान जांच प्रारंभ होने के उपरांत चाइना अमेरिकन पैट्रोकेमिकल कंपनी (सीएपीसीओ), ताइवान द्वारा अपनी संबद्ध व्यापार कंपनी बीपी एशिया लिमिटेड (बीपीएएल), हांगकांग के साथ निर्यातक प्रश्नावली उत्तर दाखिल किया गया था। इसकी संगत कंपनी, पीटी बीपी पैट्रोकेमिकल्स, इंडोनेशिया और बीपी झुहाई केमिकल कंपनी लिमिटेड, चीन जन. गण. द्वारा भी वर्तमान जांच में निर्यातक प्रश्नावली उत्तर दाखिल किया गया है। परिणामस्वरुप संबंधित उत्पादकों निर्यातकों ने संशोधित आंकड़े दाखिल किए है।
- 64. जांच की अविध के दौरान, चाइना अमेरिकन पैट्रोकेमिकल कंपनी (सीएपीसीओ) ने ताइवान के घरेलू बाजार में ***
 मी. टन संबद्ध वस्तुओं की बिक्री की है। वर्तमान जांच में, कच्चे माल की कीमतों के व्यापक उतार-चढाव के कारण, प्राधिकारी ने सामान्य व्यापार प्रक्रिया के प्रयोजन के लिए लागत और कीमत का माह- वार विश्लेषण करना उपयुक्त समझा है। घरेलू बाजार में कुल बिक्रियों में से केवल 1.55% घरेलू बिक्रियां ही लाभ योग्य पाई गई हैं, इसलिए इन्हें सामान्य व्यापार प्रकिया के दौरान की बिक्रियां न होने के रूप में माना गया है। तद्नुसार, केवल लागत + एसजीए + संबंधित माह का लाभ ही सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए माना गया है। निर्यातक ने देश के अंदर लाने-ले जाने के संबंध में समायोजन का दावा किया है, जिसके लिए अनुमित प्रदान कर दी गई है। व्यापार कंपनी (ट्रेडिंग कंपनी) की

घरेलू बिक्री कीमत के संबंध में निर्यातक द्वारा किसी अन्य व्यय का दावा नहीं किया गया है। तद्नुसार, सीएपीसीओ, ताइवान के लिए भारित औसत सामान्य मूल्य *** यूएस डॉलर/मी. टन आकलित किया गया है।

ओरिएंटल पैट्रोकेमिकल (ताइवान) कंपनी लिमिटेड का सामान्य मूल्य

- 65. निर्यातक प्रश्नावली उत्तर से प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि ओरिएंटल पैट्रोकेमिकल (ताइवान) कंपनी लिमिटेड (ओपीटीसी), ताइवान से संबद्ध वस्तुओं की एक उत्पादक कंपनी है। जैसा कि निर्यातक प्रश्नावली उत्तर में कहा गया है, जांच की अविध के दौरान, ताइवान के घरेलू बाजार में ओपीटीसी ने दो चैनलों के माध्यम से संबद्ध वस्तुओं की बिक्री की है अर्थात (क) घरेलू बाजार में वास्तविक उपभोक्ताओं को सीधे, जो संबंधित उत्पाद की खरीद डाउनस्ट्रीम उत्पादों के उत्पादन के लिए करते हैं और (ख) व्यापारी, जो संबंदित उत्पाद की खरीद वास्तविक उपभोक्ताओं को बिक्री करने के लिए करते हैं।
- 66. जहां तक भारत को निर्यात के संबंध है, जैसा कि निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर में उल्लेख किया गया है, जांच की अविध के दौरान, ओपीटीसी ने भारत को संबद्ध वस्तुओं की बिक्री पूरी तरह से ट्रेडिंग संस्थाओं के माध्यम से की है, जिनका विवरण इस अंतिम जांच परिणाम के संगत भागों में दिया गया है। यद्यपि, संबंधित उत्पाद ओपीटीसी द्वारा सीधे भारत को भेजा गया है, लेकिन वाणिज्यिक इनवॉयस ट्रेडिंग कंपनियों के माध्यम से किए गए हैं। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जांच की अविध के दौरान ओपीटीसी द्वारा भारत को *** मी. टन संबंधित उत्पाद के निर्यात से कुल दावे में से केवल 33% निर्यात दावा ओपीटीसी और निर्यात में शामिल अन्य ट्रेडिंग कंपनियों द्वारा निर्यातक प्रश्नावली उत्तर दाखिल करके प्राधिकारी के समक्ष लाया गया है और शेष निर्यात अप्रस्तुत ही रहा है।
- 67. सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण पाटन मार्जिन के निर्धारण के लिए संगत है। किसी ऐसे उत्पादक के मामले में, जो पूरी तरह सहयोग नहीं करता और प्राधिकारी के समक्ष प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष, दोनों चैनलों के माध्यम से की गई अपनी बिक्रियों को प्रकट नहीं करता, वहां न तो सामान्य मूल्य का निर्धारण और न ही निर्यात कीमत का निर्धारण संगत है, क्योंकि ऐसे मामलों में व्यक्तिगत मार्जिन का निर्धारण असंगत होता है। इस प्रकार से, उपरोक्त स्थिति को देखते हुए, बिना पूरी सूचना दाखिल किए, ओरिएंटल पैट्रोकेमिकल (ताइवान) कंपनी लिमिटेड, ताइवान के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण करना न तो व्यावहारिक है और न ही अपेक्षित है।

ताइवान से असहोयगी निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य

68. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि ताइवान से किसी अन्य उत्पादक/निर्यातक ने वर्तमान जांच में प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया है। ताइवान में सभी असहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए प्राधिकारी ने उपलब्ध बेहतर सूचना के आधार पर भारित औसत सामान्य मुल्य *** युएस डॉलर/मी. टन निर्धारित किया है।

<u>इंडोनेशिया</u>

पीटी बीपी पैट्रोकेमिकल्स, इंडोनेशिया (बीपीपीआई) का सामान्य मूल्य

- 69. वर्तमान जांच की शुरूआत के उपरांत पीटी बीपी पैट्रोकेमिकल्स, इंडोनेशिया (बीपीपीआई) ने हांगकांग में इसकी संगत ट्रेडिंग कंपनी, नामतः बीपी एशिया लिमिटेड, हांगकांग (बीपीएएल) ने निर्यातक प्रश्लावली का उत्तर दाखिल किया है। इसकी एक अन्य संगत कंपनी नामतः चाइना अमेरिकन पैट्रोकेमिकल्स कंपनी लिमिटेड (सीएपीसीओ), ताइवान और बीपी जुहाई केमिकल्स कंपनी लिमिटेड, चीन जन. गण. द्वारा भी वर्तमान जांच में निर्यातक प्रश्लावली उत्तर दाखिल किए गए हैं।
- 70. जांच की अविध के दौरान, पीटी बीपी पैट्रोकेमिकल्स, इंडोनेशिया (बीपीपीआई) ने घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तुओं की *** मी. टन बिक्री की है। वर्तमान जांच में, कच्चे माल की कीमतों के व्यापक उतार-चढ़ाव के कारण, प्राधिकारी ने सामान्य व्यापार प्रक्रिया के प्रयोजन के लिए कीमत और लागत का माह-वार विश्लेषण करना उपयुक्त समझा है। घरेलू बाजार में कुल बिक्रियों में से केवल ***% घरेलू बिक्रियां ही, लाभ योग्य पाई गई हैं। तद्नुसार, बीपीपीआई के केवल लाभ योग्य घरेलू बिक्रियों के सौदे ही सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए उपयुक्त समझे गए हैं। निर्यातक ने देश के भीतर लाने-ले जाने के संबंध में समायोजनों का दावा किया है, जिसे अनुमित प्रदान कर दी गई है। निर्यातक द्वारा ट्रेडिंग कंपनी की घरेलू बिक्री कीमत के संबंध में किसी भी अन्य व्यय का दावा नहीं किया गया है। तद्नुसार, उपरोक्त उत्पादकों/निर्यातकों के लिए भारित औसत सामान्य मूल्य की गणना *** यूएस डॉलर/मी. टन के रूप में की गई है।

इंडोनेशिया से असहयोगी निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य

71. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि इंडोनेशिया से किसी अन्य का निर्यातक/उत्पादक ने वर्तमान जांच में उत्तर नहीं दिया है। इंडोनेशिया में सभी असहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों के लिए प्राधिकारी ने उपलब्ध बेहतर सूचना के आधार पर भारित औसत सामान्य मूल्य का निर्धारण *** यूएस डॉलर/मी. टन के रूप में किया है।

<u>मलेशिया</u>

<u>रेक्रोन एसडीएन बीएचडी, मलेशिया का सामान्य मूल्य</u>

72. जैसा कि निर्यातक प्रश्नावली उत्तर में उल्लेख किया गया है, मलेशिया से रेक्नोन एसडीएन बीएचडी, मलेशिया संबंधित उत्पाद का एक उत्पादक/निर्यातक है। जैसा कि निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर में उल्लेख किया गया है, रेक्नोन मलेशिया ने संबंधित उत्पाद की बिक्री घरेलू बाजार में तथा साथ ही भारत और अन्य देशों से सीधे और वितरकों/ट्रेडर्स के माध्यम से भी की है। कंपनी द्वारा दाखिल किए गए निर्यातक प्रश्नावली उत्तर की जांच करते समय, प्राधिकारी ने यह नोट किया कि लागत और क्षति से संबंधित कई महत्वपूर्ण सूचनाएं और साथ ही संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन व बिक्री आदि में लगी संबद्ध संस्थाओं के ब्यौरे भी उपलब्ध नहीं कराए गए हैं। रेक्नोन मलेशिया एसडीएन, बीएचडी, मलेशिया को यह अनुरोध करते हुए कमी के संबंध में पत्र भेजा गया था कि अपेक्षित सूचना भेजी जाए। लेकिन, प्राधिकारी द्वारा जारी किए गए पत्र के उत्तर में रेक्नोन मलेशिया ने अपेक्षित सूचना निर्धारित समय के भीतर प्रस्तुत करने में अपनी असमर्थता प्रकट की थी और यह सूचित किया था कि वे आगे की सूचना यथा समय और प्रारंभिक जांच परिणाम जारी होने के बाद प्रस्तुत करेंगे। इसके अल्वा, उन्होंने यह भी सूचित किया कि प्राधिकारी दाखिल प्रश्नावली उत्तर के आधार पर स्वयं ही प्रारंभिक जांच पर विचार करे अथवा उपलब्ध बेहतर सूचना, जहां कहीं भी आवश्यक हो, के अनुसार विचार करे। तथापि, प्रारंभिक जांच के बाद भी रेक्नोन मलेशिया एसडीएन बीएचडी ने संगत सूचना प्रस्तुत नहीं की। परिणामस्वरूप, और उपरोक्त स्थिति को देखते हुए, पूरी जानकारी उपलब्ध न होने पर प्राधिकारी रेक्नोन मलेशिया, एसडीएन, मलेशिया के लिए सामान्य मुल्य का निर्धारण नहीं करते।

मलेशिया से असहयोगी निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य

73. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि मलेशिया से किसी भी अन्य निर्यातक/उत्पादक ने वर्तमान जांच में उत्तर नहीं दिया है। मलेशिया में सभी सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों के लिए प्राधिकारी ने उपलब्ध बेहतर सूचना के आधार पर भारित औसत सामान्य मूल्य का निर्धारण *** यूएस डॉलर/मी. टन के रूप में किया है।

<u>ईरान में उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण</u>

74. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि ईरान से किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने वर्तमान जांच में उत्तर नहीं दिया है। अतः ईरान में सभी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए प्राधिकारी ने उपलब्ध बेहतर सूचना के आधार पर भारित औसत सामान्य मूल्य का निर्धारण *** यूएस डॉलर/मी. टन के रूप में किया है।

निर्यात कीमत

चीन जन गण में निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण

- 75. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि चीन के निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने वर्तमान जांच में निर्यातक प्रश्नावली उत्तर दाखिल किया है:
 - क. बी.पी. जुहाई केमिकल कंपनी लिमिटेड, चीन जन. जण.
 - ख. झेजियांग यिशेंग पैट्रोकेमिकल कंपनी लिमिटेड
 - ग. हैनन यिशेंग पैट्रोकेमिकल कंपनी लिमिटेड
 - घ निंगबो हेंगई ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड
 - ङ. यिशेंग डाहुआ पैट्रोकेमिकल कंपनी लिमिटेड
 - च. जियांग्लू पैट्रोकेमिकल्स कंपनी लिमिटेड, चीन जन. जण.

- छ. जियांग्लू पैट्रोकेमिकल्स (झांगजोंग) कंपनी लिमिटेड, चीन जन. जण.
- ज. बी.पी. जुहाई केमिकल कंपनी लिमिटेड, चीन जन. जण.
- झ. हेंगली पैट्रोकेमिकल (डालियन) कंपनी लिमिटेड, चीन जन. जण.

बीपी जुहाई केमिकल कंपनी लिमिटेड, चीन जन. गण. (बीपीजेड)

76. वर्तमान जांच की शुरुआत करने के उपरांत बीपी जुहाई केमिकल कंपनी लिमिटेड चीन जन. गण. (बीपीजेड) ने अपनी अन्य संगत कंपनियों नामतः चाइना अमेरिका पैट्रोकेमिकल कंपनी लिमिटेड (सीएपीसीओ), ताइवान, पीटी बीपी पैट्रोकेमिकल्स, इंडोनेशिया और बीपी एशिया लिमिटेड, हांगकांग (बीपीएएल) के साथ निर्यातक प्रश्नावली उत्तर दाखिल किया है। निर्यातक प्रश्नावली उत्तर से और बाद में बीपी जुहाई केमिकल कंपनी लिमिटेड, चीन जन. गण. द्वारा दाखिल की गई संशोधित सूचना से प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि बीपीजेड, चीन जन. गण. ने जांच की अविध के दौरान अपनी संगत कंपनी बीपीएएल, हांगकांग के माध्यम से *** यूएस डॉलर से कुल इनवॉयस मूल्य की *** मी. टन संबद्ध वस्तुओं का भारत को निर्यात किया था। निर्यातक प्रश्नावली उत्तर में उपलब्ध सूचना के अनुसार, बीपीजेड की भारत को निर्यात संबंधी बिक्रियां सीएफआर के आधार पर थी और 90 दिनों के एलसी की शर्तों पर हैं। बीपीजेड, चीन जन. गण. और बीपीएएल, हांगकांग द्वारा देश के भीतर लाने व ले जाने, समुद्री माल-भाड़ा, बंदरगाह हैंडलिंग प्रभार तथा किमिशन के संबंध में दावा किए गए समायोजनों पर विचार करने के बाद प्राधिकारी ने बीपी जुहाई केमिकल कंपनी लिमिटेड, चीन जन. गण. और बीपी एशिया लिमिटेड, हांगकांग के लिए कारखाना बाह्य निर्यात कीमत का निर्धारण *** यूएस डॉलर/मी. टन के रूप में किया है।

<u>झेजियांग यिशेंग पैट्रोकेमिकल कंपनी लिमिटेड, हैनन यिशेंग पैट्रोकेमिकल कंपनी लिमिटेड, यिशेंग डाहुआ पैट्रोकेमिकल कंपनी</u> लि., निंगबो हेंगई ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड

- 77. निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर में उपलब्ध सूचना से प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि झेजियांग यिशेंग पैट्रोकेमिकल कंपनी लिमिटेड, चीन जन. गण., हैनन यिशेंग पैट्रोकेमिकल कंपनी लिमिटेड, यिशेंग डाहुआ पैट्रोकेमिकल कंपनी लिमिटेड और निंगबो हेंगई ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड संबद्ध संस्थाएं हैं। जबिक झेजियांग यिशेंग पैट्रोकेमिकल्स कंपनी लिमिटेड, हैनन यिशेंग पैट्रोकेमिकल कंपनी लिमिटेड और यिशेंग डाहुआ पैट्रोकेमिकल कंपनी लिमिटेड संबद्ध उत्पाद की उत्पादक/निर्यातक हैं, निंगबो हेंगई ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड एक ट्रेडिंग कंपनी है।
- 78. निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर में उपलब्ध सूचना से प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जांच की अविध के दौरान झेजियांग यिशेंग पैट्रोकेमिकल कंपनी लिमिटेड ने भारत को कुल *** मी. टन संबंधित उत्पाद का निर्यात किया, जिसमें से *** मी. टन भारत को सीधे निर्यात किया गया और शेष *** मी. टन विभिन्न निर्यातकों/ट्रेडर्स के माध्यम से निर्यात किया गया था। ट्रेडिंग संस्थाओं के माध्यम से किए गए सौदों और संबंधित ट्रेडिंग संस्थाओं की उत्तर देने की स्थिति का ब्यौरा इस प्रकार है:

क्रम सं.	ट्रेडर का नाम	निर्यात की मात्रा (एमटी)	टिप्पणियां
1	***, कोरिया	***	निर्यातक प्रश्नावली उत्तर दाखिल किया गया
2	***, कोरिय <u>ा</u>	***	निर्यातक प्रश्नावली उत्तर दाखिल किया गया
3	***, हांगकांग	***	निर्यातक प्रश्नावली उत्तर दाखिल किया गया
4	***, कोरिय <u>ा</u>	***	निर्यातक प्रश्नावली उत्तर दाखिल नहीं किया गया
5	***, कोरिय <u>ा</u>	***	निर्यातक प्रश्नावली उत्तर दाखिल नहीं किया गया
6	***, शंघाई, चीन	***	निर्यातक प्रश्नावली उत्तर दाखिल नहीं किया गया
7	***, हांगकांग	***	निर्यातक प्रश्नावली उत्तर दाखिल नहीं किया गया

- 79. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि झेजियांग यिशेंग द्वारा जांच की अवधि के दौरान भारत को *** मी. टन संबंधित उत्पाद के कुल निर्यातों में से केवल *** मी. टन उत्पाद ही झेजियांग यिशेंग पैट्रोकेमिकल कंपनी लिमिटेड, चीन जन. गण. और सहकारी ट्रेडिंग संस्थाओं द्वारा दाखिल निर्यातक प्रश्नावली उत्तरों के रूप में प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किया गया है और शेष *** मी. टन, जिसमें कंपनी द्वारा कुल निर्यातों का 43% शामिल है, प्रस्तुत नहीं किया गया।
- 80. हैनन यिशेंग पैट्रोकेमिकल कंपनी लिमिटेड, चीन जन. गण. द्वारा दाखिल निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर में उपलब्ध सूचना से प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि कंपनी ने जांच की अविध के दौरान केवल एक चैनल अर्थात ***, कोरिया, जिसने कि निर्यातक प्रश्नावली उत्तर दाखिल किया है, के माध्यम से भारत को *** मी. टन संबद्ध उत्पाद का निर्यात किया है। निर्यात प्रश्नावली उत्तर के अनुसार हैनन यिशेंग ने जांच की अविध के दौरान भारत को कोई प्रत्यक्ष निर्यात नहीं किया है।
- 81. यिशेंग दाहुआ पैट्रोकेमिकल कंपनी लिमिटेड, चीन जन. गण. द्वारा दाखिल निर्यातक प्रश्नावली उत्तर में उपलब्ध सूचना से, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि कंपनी ने दो चैनलों के माध्यम से, अर्थात सीधे और ट्रेडिंग संस्थाओं के माध्यम से भारत को संबंधित उत्पाद का निर्यात किया है। जांच की अवधि के दौरान निर्यात प्रश्नावली उत्तर में उपलब्ध सूचना के अनुसार,, यिशेंग दाहुआ ने भारत को *** मी. टन संबंधित उत्पाद का सीधे और *** मी. टन का ***, कोरिया के माध्यम से निर्यात किया है, जिसने कि निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर भी दाखिल किया है।
- 82. निंगबो हेंगयी ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड, चीन जन. गण. द्वारा दाखिल किए गए निर्यातक प्रश्नावली उत्तर से प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि इस कंपनी ने जांच की अवधि के दौरान भारत को संबंधित उत्पाद का कोई निर्यात नहीं किया है।
- 83. चीन के उपरोक्त संगत उत्पादकों और कुछ शामिल ट्रेडिंग संस्थाओं द्वारा दाखिल किए गए निर्यातक प्रश्नावली उत्तर में उपलब्ध सूचना से प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि चीन के उपरोक्त संगत उत्पादकों द्वारा किए गए कुल निर्यातों में से 43% निर्यात को प्रस्तुत नहीं किया गया है। ***, कोरिया और ***, शंघाई को चीन की उपरोक्त संगत कंपनियों द्वारा उत्पादित संबद्ध उत्पाद पर्याप्त मात्रा में निर्यात किया गया है। लेकिन यद्यपि उन्होंने यिशिंग दाहुआ द्वारा उत्पादित *** मी. टन संबंधित उत्पाद और हेनिन यिशिंग द्वारा उत्पादित *** मी. टन संबंधित उत्पाद के पर्याप्त निर्यातों के संबंध में निर्यातक प्रश्नावली उत्तर में उपलब्ध सूचना में उसने केवल यिशिंग दाहुआ से प्राप्त ***, कोरिया द्वारा दाखिल आंशिक निर्यातक प्रश्नावली उत्तर में उपलब्ध सूचना में उसने केवल यिशिंग दाहुआ से प्राप्त *** मी. टन संबद्ध उत्पाद का निर्यात करने का दावा किया है। लेकिन यिशिंग दाहुआ ने अपने उत्तर में ***, कोरिया के माध्यम से केवल *** मी. टन निर्यात घोषित किया है। इससे भी यह पता चलता है कि ***, कोरिया ने जांच की अवधि के दौरान या तो चीन की प्रतिवादी कंपनियों या चीन के अन्य उत्पादकों से प्राप्त संबद्ध उत्पाद और भी अधिक मात्रा में निर्यात किया है, जिसे प्राधिकारी के समक्ष नहीं लाया गया है।
- 84. उपरोक्त स्थिति से प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि ***, कोरिया और ***, शंघाई, संगत ट्रेडिंग कंपनियों ने चीन की संगत कंपनियों से प्राप्त संबंधित उत्पाद का निर्यात किया है। लेकिन संगत ट्रेडिंग कंपनियों ने कुछ सौदों के संबंध में निर्यातक प्रश्नावली उत्तर दाखिल करने को तरजीही दी है। जबिक अधिक मात्रा वाले शेष सौदों को प्राधिकारी के समक्ष न लाने को तरजीह दी है। चीन की संगत कंपनियों और ट्रेडिंग कंपनियों का ऐसा व्यवहार अनुचित लाभ प्राप्त करने की स्पष्ट इच्छा के साथ प्राधिकारी की जांच से आगे निर्यातों की मात्रा को अधिक रखने का जान-बूझकर किया गया प्रयास प्रतीत होता है।
- 85. प्रारंभिक जांच परिणाम के उपरांत भी चूककर्ता संस्थाओं ने अपेक्षित सूचना और निर्यातक प्रश्नावली उत्तर दाखिल नहीं किए। परिणामस्वरूप उपरोक्त स्थिति को देखते हुए प्राधिकारी व्यक्तिगत निर्यात कीमत निर्धारित नहीं की है और झेजियांग यिशिंग पैट्रोकेमिकल कंपनी लिमिटेड, हैनिन यिशिंग पैट्रोकेमिकल कंपनी लिमिटेड, यिशिंग दाहुआ पैट्रोकेमिकल कंपनी लिमिटेड और निंगबो हेंगली ट्रेडिंग कंपनी, चीन जन. गण. तथा संबंधित प्रतिवादी निर्यातकों/ट्रेडिंग संस्थाओं के संबंध में व्यक्तिगत मार्जिन प्रदान नहीं करता।

हेंगली पैट्रोकेमिकल (डालियान) कंपनी लिमिटेड, चीन जन. गण.

86. निर्यातक प्रश्नावली उत्तर में, हेंगली पैट्रोकेमिकल (डालियान) कंपनी लिमिटेड, चीन जन. गण., उत्पादक/निर्यातक ने यह दावा किया कि उन्होंने केवल जांच की अवधि के दौरान ही सीधे भारत को संबद्ध उत्पाद का उत्पादन व निर्यात किया है। लेकिन प्रत्युत्तर में उपलब्ध सौदों के ब्यौरे से प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि उन्होंने भारत को जांच की अवधि के दौरान सीधे और साथ ही हियोसंग कारपोरेशन, कोरिया के माध्यम से भी निर्यात किया है। निर्यातक प्रश्नावली उत्तर में उपलब्ध ब्यौरों से प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि हेंगली ने जांच की अवधि के दौरान कुल *** मी. टन मात्रा में भारत से निर्यात किया है जिसमें से *** मी. टन का निर्यात हियोसंग कारपोरेशन, कोरिया, एक ट्रेडिंग कंपनी के माध्यम से किया था। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि वर्तमान जांच में, हियोसंग कारपोरेशन, कोरिया ने झेजियांग यिशेंग पैट्रोकेमिकल कंपनी लिमिटेड, चीन जन, गण, नामक चीन के अन्य उत्पादक से प्राप्त संबद्ध उत्पाद के अपने निर्यात के संबंध में निर्यातक प्रश्नावली उत्तर दाखिल किया है। अन्य स्रोतों से प्राप्त वस्तुओं के निर्यात के संबंध में निर्यातक प्रश्नावली उत्तर दाखिल न करके एक स्नोत से वस्तुओं के निर्यात के संबंध में निर्यातक प्रश्नावली उत्तर दाखिल करने का किसी ट्रेडिंग संस्था की व्यवहार उचित नहीं ठहराया जा सकता और संबंधित उत्पादकों की इच्छा के बिना नहीं हो सकता। संबंधित उत्पादकों/निर्यातकों का ऐसा व्यवहार अनुचित लाभ लेने के स्पष्ट उद्देश्य से अपने भारी मात्रा में निर्यातों को प्राधिकारी की जांच से दूर रखने के लिए जान-बूझकर किया गया प्रयास प्रतीत होता है। चुककर्ता निर्यातक/ट्रेडर ने प्रारंभिक जांच परिणाम जारी होने के बाद 6 महीने से भी अधिक का समय बीत जाने के बावजूद अपेक्षित सूचना के साथ निर्यातक प्रश्नावली उत्तर दाखिल नहीं किया। तथापि, इतनी विलंब की अवस्था में और इस जांच की अंतिम अवस्था में दिनांक 31.05.2016 को हियोसंग कारपोरेशन, कोरिया ने निर्यातक प्रश्नावली उत्तर दाखिल की है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पाटनरोधी जांच चंकि एक समयबद्ध जांच प्रक्रिया होती है. इसलिए हियोसंग कारपोरेशन, कोरिया द्वारा इतनी विलंब से दाखिल किए गए निर्यातक प्रश्नावली उत्तर को स्वीकार नहीं किया जा सकता। इसके परिणामस्वरूप और उपरोक्त स्थिति को देखते हुए, प्राधिकारी हेंगली पैट्रोकेमिकल (डालियन) कंपनी लिमिटेड, चीन जन. गण. के लिए व्यक्तिगत निर्यात मृल्य निर्धारित नहीं कर सकता है और उसे व्यक्तिगत मार्जिन प्रदान नहीं करता।

जियांग्लू पैट्रोकेमिकल कंपनी लिमिटेड, चीन जन. गण. और जियांग्लू पैट्रोकेमिकल (झांगझोऊ) कंपनी लिमिटेड, चीन जन. गण.

- 87. निर्यातक प्रश्नावली उत्तर में उपलब्ध सूचना से प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जियांग्लू पैट्रोकेमिकल (झांगझोऊ) कंपनी लिमिटेड, चीन जन. गण. और जियांग्लू पैट्रोकेमिकल कंपनी लिमिटेड, चीन जन. गण. संबद्ध उत्पादक हैं। जांच की अविध के दौरान, दोनों ही कंपनियों ने वितरकों के माध्यम से भारत को संबंधित उत्पाद का निर्यात किया है।
- 88. जियांग्लू पैट्रोकेमिकल (झांगझोऊ) कंपनी लिमिटेड, चीन जन. गण. द्वारा दाखिल निर्यातक प्रश्नावली उत्तर में उपलब्ध सूचना से प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि कंपनी ने जांच की अवधि के दौरान ***, कोरिया के माध्यम से *** मी. टन संबद्ध उत्पाद का निर्यात किया। यद्यपि, *** ने झेजियांग यिशेंग पैट्रोकेमिकल कंपनी लिमिटेड नामक एक अन्य उत्पादक से प्राप्त संबद्ध उत्पाद के निर्यात के संबंध में निर्यातक प्रश्नावली उत्तर दाखिल किया है, लेकिन उसने झियांग्लू पैट्रोकेमिकल (झांगझोऊ) कंपनी लिमिटेड, चीन जन. गण. से प्राप्त संबद्ध उत्पाद के निर्यात के संबंध में निर्यातक प्रश्नावली उत्तर दाखिल नहीं करने को तरजीह दी।
- 89. इसी प्रकार जियांग्लू पैट्रोकेमिकल्स कंपनी लिमिटेड, चीन जन. गण. ने भी जांच की अवधि के दौरान ***, कोरिया (*** मी. टन), ***, कोरिया (*** मी. टन), ***, कोरिया (*** मी. टन) के माध्यम से भारत को *** मी. टन संबद्ध उत्पाद का निर्यात किया। यद्यपि, ***, कोरिया ***, कोरिया और ***, कोरिया ने झेजियांग यिशेंग पैट्रोकेमिकल कंपनी लिमिटेड, चीन जन. गण. से प्राप्त संबद्ध उत्पाद के अपने निर्यातों के संबंध में निर्यातक प्रश्नावली उत्तर दाखिल किया है, लेकिन उन्होंने जियांग्लू पैट्रोकेमिकल्स कंपनी लिमिटेड, चीन जन. गण. से प्राप्त संबद्ध उत्पाद के अपने निर्यातों के संबंध में निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर दाखिल न करने को तरजीह दी। इसके अलावा, ***, कोरिया, जिसने झेजियांग यिशेंग पैट्रोकेमिकल कंपनी लिमिटेड, चीन जन. गण. और जियांग्लू पैट्रोकेमिकल कंपनी लिमिटेड, चीन जन. गण., दोनों से प्राप्त संबद्ध उत्पाद का निर्यात किया है, ने किसी भी स्रोत से प्राप्त संबद्ध उत्पाद के संबंध में निर्यातक प्रश्नावली उत्तर दाखिल नहीं किया है।

- 90. एक ट्रेडिंग कंपनी द्वारा एक स्रोत से प्राप्त वस्तुओं के निर्यात के संबंध में निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर दाखिल करने और दूसरे स्रोत से प्राप्त वस्तुओं के निर्यात के संबंध में निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर दाखिल न करने का व्यवहार उचित नहीं ठहराया जा सकता और संबंधित उत्पादकों की मिली भगत के बिना नहीं हो सकता। संबंधित उत्पादकों एवं निर्यातकों द्वारा ऐसा व्यवहार अनुचित लाभ प्राप्त करने की स्पष्ट इच्छा से बड़ी मात्रा में निर्यातों को प्राधिकारी की जांच से बाहर रखने के लिए जान-बूझकर किया गया प्रयास लगता है।
- 91. प्राधिकारी द्वारा प्रदान किए गए अवसरों के बावजूद, जांच की अविध के दौरान भारत को संबद्ध वस्तुओं के पर्याप्त निर्यात सौदों में शामिल चूककर्ता निर्यातकों/ट्रेडरों ने अपेक्षित सूचना के साथ निर्यातक प्रश्नावली उत्तर दाखिल नहीं किया। प्रारंभिक जांच परिणाम के बाद भी स्थिति वही रही और चूककर्ता ट्रेडरों/निर्यातकों ने अपेक्षित सूचना और निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर दाखिल नहीं किए। परिणामस्वरूप, और उपरोक्त स्थिति को देखते हुए प्राधिकारी जियांग्लू पैट्रोकेमिकल (झांगझोऊ) कंपनी लिमिटेड, चीन जन. गण. और जियांग्लू पैट्रोकेमिकल कंपनी लिमिटेड, चीन जन. गण. के लिए व्यक्तिगत निर्यात कीमत का निर्धारण नहीं करता और उन्हें व्यक्तिगत मार्जिन प्रदान नहीं करता।

चीन जन. गण. से असहयोगी निर्यातक

92. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि चीन जन. गण. से किसी अन्य उत्पादक/निर्यातक से वर्तमान मामले में प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया गया है। चीन जन. गण. में सभी असहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए प्राधिकारी ने उपलब्ध सूचना के आधार पर, निर्यात कीमत *** यूएस डॉलर/मी. टन निर्धारित की है।

ताइवान में निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण फोर्मीसा केमिकल्स एंड फाइबर कारपोरेशन (एफसीएफसी), ताइवान

- 93. निर्यातक प्रश्नावली उत्तर में उपलब्ध सूचना के अनुसार, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि फोर्मोसा केमिकल्स एंड फाइबर कारपोरेशन (एफसीएफसी), ताइवान संबद्ध वस्तुओं का एक उत्पादक/निर्यातक है। जांच की अवधि के दौरान, जैसा कि निर्यातक प्रश्नावली उत्तर में उल्लेख किया गया है, एफसीएफसी के पास निर्यातों के दो चैनल हैं, अर्थात प्रत्यक्ष निर्यात और ट्रेडिंग संस्थाओं के माध्यम से किए गए निर्यात।
- 94. निर्यातक प्रश्नावली उत्तर में प्रस्तुत की गई सूचना से प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जांच की अवधि के दौरान, एफसीएफसी ने एनटीडी *** इनवॉयस मूल्य के लिए *** मी. टन संबद्ध वस्तुओं का प्रत्यक्ष निर्यात किया है। एफसीएफसी ने वाणिज्यिक इनवॉयस के द्वारा कई अन्य निर्यातकों के माध्यम से भी संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है, लेकिन वस्तुएं सीधे भेजी हैं, जैसा कि नीचे ब्यौरा दिया गया है:

क्रम सं.	ट्रेडर का नाम	निर्यात की मात्रा (एमटी)	इनवॉयस मात्रा	टिप्पणियां
1	***, ताइवान	***	एनटीडी ***	निर्यातक प्रश्नावली दाखिल नहीं
2	***, जापान	***	एनटीडी ***	प्रारंभिक जांच के बाद, निर्यातक प्रश्नावली दाखिल
3	***, ताइवान	***	एनटीडी ***	निर्यातक प्रश्नावली दाखिल
4	***, ताइवान	***	एनटीडी ***	निर्यातक प्रश्नावली दाखिल

- 95. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जांच की शुरूआत के उपरांत, निर्यातक प्रश्नावली उत्तर ***, ताइवान और *** द्वारा दाखिल किए गए हैं। प्रारंभिक जांच परिणाम के उपरांत ***, जापान ने भी निर्यातक प्रश्नावली उत्तर दाखिल किया है जबिक ***, ताइवान एक चूककर्ता बना रहा। इसलिए, ***, ताइवान द्वारा निर्यात की गई मात्रा पर प्राधिकारी द्वारा विचार नहीं किया गया है।
- 96. इस प्रकार, *** मी. टन संबद्ध वस्तुओं के कुल निर्यात में से एफसीएफसी द्वारा और शामिल अन्य ट्रेडिंग संस्थाओं द्वारा *** मी. टन के लिए प्रश्नावली उत्तर दाखिल किए गए हैं, जो भारत को किए गए कुल निर्यात का 84% होता है। एफसीएफसी की निर्यात बिक्री प्रत्यक्ष और इसकी असंगत ट्रेडिंग कंपनियों के माध्यम से एफओबी/सीएफआर आधार

पर और एलसी शर्त आधार पर हैं। प्रत्यक्ष बिक्री के लिए कमीशन का भुगतान किया गया है और घरेलू तथा निर्यात बिक्रियों की पैकिंग शर्तों में कोई अंतर नहीं है। एफसीएफसी ने कमीशन, माल-भाड़े/समाशोधन शुल्क, अंतर्राष्ट्रीय बीमा, आंतरिक माल-भाड़ा, समाशोधन और हैंडलिंग लोडिंग तथा अनुषंगी व्यय, व्यापार संवर्धन शुल्क, हार्बर सेवा शुल्क, पैकिंग व्यय और बैंक प्रभारों/डिस्काउंट ब्याज/मोल-भाव के संबंध में मासिक आधार पर समायोजन का दावा किया है और इसके लिए निवल निर्यात कीमत के निर्धारण के लिए प्राधिकारी द्वारा अनुमित प्रदान की गई है। तद्नुसार, भारित औसत कारखाना बाह्य निर्यात कीमत की गणना *** यूएस डॉलर/मी. टन के रूप में की गई है।

चाइना अमेरिकन पैट्रोकेमिकल कंपनी लिमिटेड, ताइवान

- 97. वर्तमान जांच शुरू होने के उपरांत चाइना अमेरिकन पैट्रोकेमिकल कंपनी लिमिटेड (सीएपीसीओ), ताइवान के साथ-साथ उसकी संबद्ध ट्रेडिंग कंपनी बीपी एशिया लिमिटेड (बीपीएएल), हांगकांग द्वारा निर्यातक प्रश्नावली उत्तर दाखिल किया गया था। इसकी अन्य संगत कंपनियों नामतः पीटी बीपी पैट्रोकेमिकल्स, इंडोनेशिया और बीपी जुन्हेई केमिकल कंपनी लिमिटेड, चीन जन. गण. द्वारा वर्तमान जांच में निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर भी दाखिल किया गया है। जैसा कि निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर में उल्लेक किया गया है, जांच की अविध के दौरान, सीएपीसीओ द्वारा भारत को कोई प्रत्यक्ष निर्यात नहीं किया गया था और संबद्ध उत्पाद की समग्र मात्रा का निर्यात इसकी संगत ट्रेडिंग कंपनी बीपी एशिया लिमिटेड (बीपीएएल), हांगकांग के माध्यम से किया गया है। जैसा कि सीएपीसीओ द्वारा दावा किया गया है, जांच की अविध के दौरान उसने बीपीएएल, हांगकांग के माध्यम से भारत को कुल *** यूएस डॉलर के निर्यात मूल्य की *** मी. टन संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया था।
- 98. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि चाइना अमेरिकन लिमिटेज (सीएपीसीओ), ताइवान की बीपी एशिया लिमिटेड (बीपीएएल), हांगकांग के माध्यम से निर्यात बिक्री 90 दिनों की एलसी शर्तों के साथ सीएफआर आधार पर हैं। प्राधिकारी द्वारा विचार किए गए दावा समायोजन आंतरिक माल-भाड़ा, समुद्री माल-भाड़ा, पोर्ट हैंडलिंग प्रभार, और मासिक आधार पर कमीशन, जहां लागू है, के संबंध में है और तद्नुसार कारखाना बाह्य भारित औसतन निवल निर्यात कीमत का निर्धारण *** यूएस डॉलर/मी. टन के रूप में की गई है।

ओरिएंटल पैट्रोकेमिकल (ताइवान) कंपनी लिमिटेड, ताइवान

99. निर्यातक प्रश्नावली उत्तर से प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि ओरिएंटल पैट्रोकेमिकल (ताइवान) कंपनी लिमिटेड (ओपीटीसी), ताइवान से संबद्ध वस्तुओं की एक उत्पादक है। जहां तक भारत में निर्यातों का संबंध है, जांच की अवधि के दौरान, जैसा कि निर्यातक प्रश्नावली उत्तर में उल्लेख किया गया है, ओपीटीसी के पास निर्यात का केवल एक चैनल है, अर्थात ट्रेडर के माध्यम से। जबिक संबंधित उत्पाद ओपीटीसी द्वारा सीधे भारत को भेजा गया है, लेकिन वाणिज्यिक इनवायस ट्रेडिंग कंपनियों के माध्यम से निम्नलिखित अनुसार किया गया है:

क्रम सं.	ट्रेडर का नाम	निर्यात की मात्रा (एमटी)	टिप्पणियां
4.		माना (९म८ा)	
1	***, ताइवान	***	*** मीट्रिक टन सीधे, *** मीट्रिक टन *** के माध्यम से और
			*** मीट्रिक टन *** के माध्यम से निर्यात किया गया।
2	***, जापान	***	
3	***, कोरिया	***	
4	*** ताइवान	***	*** मीट्रिक टन सीधे और *** मीट्रिक टन ***, हांगकांग के
			माध्यम से निर्यात किया गया।
5	***., ताइवान	***	
6	***., ताइवान	***	

100. सबसे पहले प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि यद्यपि निर्यातक प्रश्नावली उत्तर ***, ताइवान, ***, कोरिया और ***, ताइवान द्वारा दाखिल किया गया है लेकिन अन्य ट्रेडिंग कंपनियां, जो ओरिएंटल पैट्रोकेमिकल (ताइवान) कंपनी

लिमिटेड (ओपीटीसी) द्वारा जांच की अवधि के दौरान भारत को किए गए संबद्ध उत्पाद के निर्यातों के माध्यम में शामिल है, उन्होंने निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर दाखिल नहीं किया है। निर्यातक प्रश्नावली उत्तर में प्रस्तुत की गई सूचना से प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि ***, ताइवान के माध्यम से किए गए *** मी. टन निर्यातों में से *** मी. टन का आगे निर्यात *** के माध्यम के किया गया और *** मी. टन निर्यात, ताइवान के माध्यम से किया गया। यद्यपि ***, ताइवान ने निर्यातक प्रश्नावली उत्तर दाखिल किया है, अन्य उप- ट्रेडिंग कंपनियां, जो सौदों में शामिल हैं, नामतः *** और *** ने वर्तमान जांच में निर्यातक प्रश्नावली उत्तर दाखिल नहीं किए हैं और इसीलिए ऐसे अप्रस्तुत सौदों पर विचार नहीं किया जा सकता। इस प्रकार से ***, ताइवान के माध्यम से ओपीटीसी द्वारा किए गए संबद्ध वस्तुओं के कुल निर्यात, जिनके लिए निर्यातक प्रश्नावली उत्तर दाखिल किया गया है, *** मी. टन है।

- 101. इसके अलावा, निर्यातक प्रश्नावली में उपलब्ध सूचना से प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जांच की अविध के दौरान, ओरिएंटल पैट्रोकेमिकल (ताइवान) कंपनी लिमिटेड (ओपीटीसी) ने *** मी. टन संबद्ध उत्पाद का निर्यात ***, ताइवान के माध्यम से किया गया है, जिसमें से *** मी. टन निर्यात *** द्वारा सीधे और *** मी. टन निर्यात एक अन्य निर्यातक कंपनी ***, हांगकांग के माध्यम से किया गया है, जिसने वर्तमान पांच में निर्यातक प्रश्नावली उत्तर दाखिल नहीं किया है। इसके अलावा, यद्यपि ***, जापान वाणिज्यिक सौदों में शामिल है, इसलिए ***, जापान ने प्रश्नावली उत्तर दाखिल किया है, जिसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। अतः ऐसे अप्रस्तुत सौंदों पर भी विचार नहीं किया जा सकता।
- 102. निर्यातक प्रश्नावली उत्तर में उपलब्ध सूचना से तथा दाखिल की गई उपरोक्त स्थिति को देखते हुए प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जांच की अवधि के दौरान भारत को ओरिएंटल पैट्रोकेमिकल (ताइवान) कंपनी लिमिटेड (ओपीटीसी) द्वारा *** मी. टन संबद्ध उत्पाद के निर्यात के कुल दावे में से केवल *** मी. टन, जिसमें दावा किए गए कुल निर्यात का केवल 33% शामिल है, को ओपीटीसी द्वारा और निर्यातों में शामिल अन्य ट्रेडिंग कंपनियों द्वारा प्राधिकारी के समक्ष लाया गया है और शेष निर्यातों को प्रस्तुत नहीं किया गया है। उपरोक्त स्थिति को देखते हुए निर्यातों और ओपीटीसी द्वारा दावा की गई निर्यात कीमत पर ओपीटीसी के प्रतिनिधि के रूप में विचार नहीं किया जा सकता।
- 103. ओरिएंटल पैट्रोकेमिकल (ताइवान) कंपनी लिमिटेड (ओपीटीसी) और शामिल निर्यातकों द्वारा दाखिल की गई निर्यातक प्रश्नावली के उत्तरों की जांच की गई थी और किमयों के संबंध में पत्र जारी किए गए थे। प्राधिकारी द्वारा अवसर प्रदान किए जाने के बावजूद संबंधित निर्यातकों ने निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर और जांच की अविध के दौरान ओपीटीसी द्वारा भारत को किए संबंधित उत्पाद के निर्यातों से संबंधित पूरी सूचना दाखिल नहीं की गई और प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत नहीं की गई। प्रारंभिक जांच परिणाम के बाद भी चूककर्ता निर्यातकों/ट्रेडरों ने अपेक्षित निर्यातक प्रश्नावली उत्तर और जांच की अविध के दौरान भारत को ओपीटीसी के संबद्ध उत्पाद के निर्यातों के संबंध में पूरी सूचना दाखिल नहीं की।
- 104. उपरोक्त स्थिति को देखते हुए, जांच की अवधि के दौरान, ओरिएंटल पैट्रोकेमिकल (ताइवान) कंपनी लिमिटेड (ओपीटीसी) द्वारा भारत को संबद्ध उत्पाद के निर्यातों का पर्याप्त मात्रा के संबंध में पूरी सूचना उपलब्ध न होने के कारण प्राधिकारी ओपीटीसी के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण नहीं करते और उसे व्यक्तिगत मार्जिन प्रदान नहीं करते।

ताइवान से असहयोगी निर्यातक

105. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि ताइवान से किसी अन्य उत्पादक/निर्यातक ने वर्तमान जांच में प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया है। ताइवान में सभी असहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए प्राधिकारी ने उपलब्ध बेहतर सूचना के आधार पर निवल निर्यात कीमत का निर्धारण *** यूएस डॉलर/मी. टन के रूप में किया है।

इंडोनेशिया की निर्यात कीमत

मैसर्स पीटी बीपी पैट्रोकेमिकल्स इंडोनेशिया

106. वर्तमान जांच शुरू करने के उपरांत पीटी बीपी पैट्रोकेमिकल्स, इंडोनेशिया ने अपनी संबद्ध ट्रेडिंग कंपनी बीपी एशिया लिमिटेड, हांगकांग के साथ निर्यातक प्रश्नावली उत्तर दाखिल किया है। इसकी अन्य संबद्ध कंपनियों नामतः चाइना अमेरिकन पैट्रोकेमिकल कंपनी लिमिटेड (सीएपीसीओ), ताइवान और बीपी जुन्हाई केमिकल कंपनी लिमिटेड, चीन जन, गण, द्वारा वर्तमान जांच में निर्यातक प्रश्नावली उत्तर दाखिल किया गया है।

107. जांच की अविध के दौरान पीटी बीपी पैट्रोकेमिकल्स, इंडोनेशिया द्वारा दाखिल की गई निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर के अनुसार *** यूएस डॉलर मूल्य के कुल इनवॉयस के लिए *** मी. टन संबद्ध वस्तुओं का निर्यात बीपी एशिया लिमिटेड, हांगकांग के माध्यम से किया गया था। प्रस्तुत की गई सूचना से प्राधिकारी नोट करते हैं कि निर्यात बिक्रियां सीएफआर आधार पर थीं और 90 दिनों की एलसी शर्तों पर हैं। प्राधिकारी द्वारा विचार किए गए दावा समायोजन आंतरिक यातायात, समुद्री माल-भाड़ा, पोर्ट हैंडलिंग प्रभार, मासिक आधार पर लागू कमीशन के संबंध में हैं और तद्नुसार कारखाना बाह्य भारित औसत निवल निर्यात कीमत का निर्धारण *** यूएस डॉलर/मी. टन के रूप में किया गया है।

इंडोनेशिया से असहयोगी निर्यातक

108. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि इंडोनेशिया से किसी अन्य उत्पादक/निर्यातक ने वर्तमान जांच में प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया है। इंडोनेशिया में सभी असहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए प्राधिकारी ने उपलब्ध बेहतर सूचना के आधार पर भारित औसतन निवल निर्यात कीमत *** यूएस डॉलर/मी. टन के रूप में निर्धारित की है।

मलेशिया की निर्यात कीमत

रेक्रॉन मलेशिया एसडीएन बीएचडी, मलेशिया

जैसा कि निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर में उल्लेख किया गया है, मलेशिया से रेक्रॉन मलेशिया एसडीएन बीएचडी, 109. मलेशिया संबद्ध उत्पाद की एक उत्पादक/निर्यातक है। जैसा कि निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर में उल्लेख किया गया है, रेक्रॉन मलेशिया ने भारत को संबद्ध उत्पाद की बिक्री सीधे और साथ ही वितरकों/टेडरों, दोनों के माध्यम से की है। कंपनी द्वारा दाखिल की गई निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर की जांच करते समय प्राधिकारी ने यह नोट किया है कि लागत और क्षति के संबंध में कई महत्वपूर्ण सूचना और साथ ही संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन और बिक्री में शामिल संबद्ध संस्थाओं की ब्यौरे आदि भी उपलब्ध नहीं कराए हैं। रेक्रॉन मलेशिया एसडीएन, बीएचडी, मलेशिया को अपेक्षित सूचना प्रस्तुत करने का अनुरोध करते हुए कमी संबंधी पत्र जारी किया गया था। लेकिन प्राधिकारी द्वारा जारी किए गए किमयों से संबंधित पत्र के उत्तर में रेक्रॉन मलेशिया ने निर्धारित समय के भीतर अपेक्षित सूचना प्रस्तृत करने में अपनी असमर्थता व्यक्त की है और यह सुचित किया है कि वे यथा समय और प्रारंभिक जांच परिणाम जारी होने के बाद आगे की सूचना उपलब्ध करा देंगे। उन्होंने यह भी सूचित किया है कि प्राधिकारी स्वयं ही प्रश्नावली उत्तर के आधार पर अथवा उपलब्ध बेहतर सूचना को आवश्यकतानुसार उपयोग में लाकर प्रारंभिक जांच परिणामों पर विचार कर सकते हैं। तथापि, प्रारंभिक जांच परिणाम के उपरांत प्राधिकारी द्वारा प्रदान किए गए अवसरों के बावजूद रेक्रॉन मलेशिया ने पूरी सूचना उपलब्ध नहीं कराई। इसके परिणामस्वरूप और उपरोक्त स्थिति को देखते हुए पुरी सुचना उपलब्ध न होने के कारण प्राधिकारी रेक्रॉन मलेशिया एसडीएन, बीएचडी, मलेशिया के लिए निवल निर्यात कीमत का निर्धारण नहीं करते।

मलेशिया से असहयोगी निर्यातकों की निर्यात कीमत

110. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि मलेशिया से किसी अन्य उत्पादक/निर्यातक ने वर्तमान जांच में प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया है। मलेशिया में सभी असहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए प्राधिकारी ने उपलब्ध बेहतर सूचना के आधार पर *** यूएस डॉलर/मी. टन के रूप में भारित औसतन निवल निर्यात कीमत का निर्धारण किया है।

ईरान की निर्यात कीमत

111. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि ईरान से किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने वर्तमान जांच में निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर दाखिल नहीं किया है। अतः ईरान में सभी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए प्राधिकारी उपलब्ध बेहतर सूचना के आधार पर *** युएस डॉलर/मी. टन के रूप में भारित औसतन निवल निर्यात कीमत का निर्धारण करते हैं।

पाटन मार्जिन

112. उपरोक्तानुसार निर्धारित किए गए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत पर विचार करते हुए पाटन मार्जिन की गणना इस प्रकार की गई है :

क्रम सं.	निर्यात का माध्यम	उत्पादक का नाम	निर्यातक	सामान्य मूल्य यूएस \$/एमटी	निवल निर्यात मूल्य यूएस \$/एमटी	पाटन मार्जिन यूएस \$/एमटी	पाटन मार्जिन %	पाटन मार्जिन रेंज %
		1	l	। चीन जन. गण	•	<u> </u>		
1	चीन जन गणभारत	बीपी जुन्हाई केमिकल कंपनी लिमिटेड, चीन जन. गण.	बीपी एशिया लि., हांगकांग	***	***	***	***	20-30
2	कोई भी	सभी अन्य	सभी अन्य	***	***	***	***	20- 30
		उत्पादन	निर्यातक	<u> </u>				
	इंडोनेशिया-	बीटी बीपी	बीपी	इ डानाशया ***	***	***	***	40.00
4	भारत	षाटा बापा पैट्रोकेमिकल्स , इंडोनेशिया	एशिया लि., हांगकांग	***	***	***	***	10-20
5	कोई भी	सभी अन्य	सभी अन्य	***	***	***	***	25-35
		उत्पादन	निर्यातक	212212				
6	ताइवान-	चाइना	बीपी	ता इवान ***	***	***	***	20-30
O .	भारत	अमेरिकन पैट्रोकेमिकल कंपनी लिमिटेड, ताइवान	एशिया लि., हांगकांग					20 00
7	ताइवान- भारत	फोर्मोसा केमिकल्स एंड फाइबर कारपोरेशन, ताइवान	फोर्मोसा केमिकल्स एंड फाइबर कारपोरेश न, ताइवान	***	***	***	***	5-15
8	ताइवान- भारत	फोर्मोसा केमिकल्स एंड फाइबर कारपोरेशन, ताइवान	डाइनोवि क प्रा. लि., सिंगापुर, मिथाइल कंपनी लिमिटेड, ताइवान, इटोचू कारपोरेश न, जापान	***	***	***	***	5-15
9	कोई भी	सभी अन्य उत्पादन	सभी अन्य निर्यातक	***	***	***	***	10-20
	l		ı	ईरान		1	ı	
10	कोई भी	सभी अन्य	सभी अन्य	***	***	***	***	5-15

क्रम सं.	निर्यात का माध्यम	उत्पादक का नाम	निर्यातक	सामान्य मूल्य यूएस \$ /एमटी	निवल निर्यात मूल्य यूएस \$/एमटी	पाटन मार्जिन यूएस \$/एमटी	पाटन मार्जिन %	पाटन मार्जिन रेंज %
		उत्पादन	निर्यातक					
				मलेशिया				
11	कोई भी	सभी अन्य उत्पादन	सभी अन्य निर्यातक	***	***	***	***	15-25

ज. क्षति और कारणात्मक संबंध

निर्यातकों, आयातकों, उपयोक्ताओं तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

- 113. इस जांच की अवधि के दौरान उत्पादकों/ निर्यातकों/ आयातकों/ अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं और प्राधिकारी द्वारा उन्हें संगत समझा गया है :
- ं. आरआईएल और आईओसीएल 100% क्षमता से अधिक प्रचालन कर रहे हैं, जबिक एमसीपीएल 76% क्षमता से प्रचालन कर रही है और अपनी मौजूदा दोषपरक प्रौद्योगिकी के कारण नुकसान का सामना कर रही है। इसके अलावा, एमसीपीएल के प्रौद्योगिकी कार्यान्वयन के मामले से लेकर भौगोलिक नुकसानों तक अपने प्रतिस्पर्द्धात्मक नुकसान हैं।
- ण्मसीपीएल को क्षिति होने का एकमात्र कारण इसकी उत्पादन की दोषपरक प्रौद्योगिकी होना है जिसके कारण यह बहुत ही कम दर पर क्षमता के उपयोग पर प्रचलित हो रही है और व्यवहार्य नहीं है। ऐसे कारण से हुई क्षिति कथित पाटन आयात सहित किसी अन्य कारण से नहीं हो सकती। प्राधिकारी क्षिति विश्लेषण के लिए बीआईएफआर के समक्ष एमसीसीपीटीए द्वारा दाखिल याचिका की मांग कर सकते हैं।
- iii. डीजीएडी ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि क्या इंडियन ऑयल कारपोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) के आंकड़ों पर विचार किया गया है या नहीं।
- iv. ऐसी क्षति, जिसका सामना एमसीपीएल कर रही है, वह पीएक्स की कमी, प्राथमिक कच्ची सामग्री, पीएक्स की कीमत में वृद्धि के कारण हो सकती है। तथापि, यह कीमत बढ़ोत्तरी पीटीए के समान नहीं थी, जिसके परिणामस्वरूप आवेदक घरेलू उत्पादकों के लिए कम मार्जिन मिला है।
- v. प्राधिकारी को घरेलू उत्पादकों, जो लाभ कमा रहे हैं, के बीच परस्पर प्रतिस्पर्द्धा की जांच करने की जरूरत है, जबिक एमसीसीपीटीए घाटे में चल रही है। एमसीसीपीटीए को हानि का कारण आरआईएल और आईओसीएल के बीच परस्पर प्रतिस्पर्द्धा का होना और एमसीसीपीटीए की दोषपरक उत्पादन प्रौद्योगिकी का होना है।
- vi. अग्रिम लाइसेंस के तहत आयातों को घरेलू उद्योग पर आयातों के प्रभाव और वर्तमान जांच में निष्कर्षों के न्यायोचित विश्लेषण के लिए अलग किया जाएगा।
- vii. मात्रात्मक मानदंडों जैसे उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्रियों और बाजार अंश के कारण घरेलू उद्योग के निष्पादन में सुधार आया है। लाभप्रदता, नकदी प्रवाह के कारण घरेलू उद्योग का निष्पादन और आरओसीए संबद्ध देश के अलावा अन्य कारकों के कारण से है।
- viii. संबद्ध देशों से आयातों और घरेलू उद्योग को क्षति के बीच कोई कारणात्मक संबंध नहीं है। अन्य देशों से पर्याप्त रूप से अधिक आयात होने से घरेलू उद्यग को क्षति होने कारण पाटनरोधी शुल्क आकर्षित हो रहा है। संबद्ध देश की आयात कीमतों अन्य देशों और पाटनरोधी शुल्क को आकर्षित करने वाले देश की आयात कीमतों से अधिक हैं। घरेलू उद्योग के समक्ष हुई कोई भी क्षति स्वयं की तैयार की गई है।

- ix. घरेलू उद्योग को कोई कीमत अथवा मात्रात्मक क्षति नहीं हुई है। कीमतों में कटौती कच्चे माल की कीमतों और अंतर्राष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतों में कटौती के अनुसार है।
- x. कीमत की कटौती अनुमानतः अपर्याप्त है और वर्तमान जांच में कोई कीमत ह्रास नहीं है। घरेलू उद्योग को कोई कीमत क्षति नहीं हुई है। एमसीसीपीटीए संयंत्रों की उपरि लागत जापान से उच्च स्तरीय प्रबंधन को उच्च पारिश्रमिक देने के कारण बहुत ही अधिक है।
- xi. प्राधिकारी केवल घरेलू उद्योग की क्षति जांच को सीमित करने की बजाय समस्त घरेलू उत्पादकों के लिए विभिन्न आर्थिक मापदंडों में वास्तविक और संभावित गिरावट की जांच करें।
- xii. निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा यह पूर्ण रुप से स्पष्ट कर दिया गया है कि ऋण अवधि और माल-भाड़ा प्रभारों में अंतर एनआईपी के भाग के रूप में शामिल नहीं है। यह प्रतीत होता है कि घरेलू उद्योग पहुँच मूल्य के निर्धारण और क्षति मार्जिन के निर्धारण के संबंध में कानूनी प्रावधानों से सहमत नहीं है।
- xiii. प्रतिवादी सहमत हैं कि पीटीए संयंत्र का संचालन उच्च दर पर किए जाने की आवश्यकता है ताकि वह व्यवहार्य रहे। यह भी नोट किया जाता है कि एमसीसीपीटीए का दूसरा पीटीए संयंत्र उच्च प्रचालन दरों पर संचालित नहीं हो रहा है और यही क्षति का कारण है। अन्य घरेलू उत्पादकों के पीटीए संयंत्र भी उच्च दरों पर संचालित हो रहे हैं और लाभ में चल रहे हैं। प्राधिकारी को एमसीसीपीटीए को हुए नुकसान के कारणों की जांच करने के लिए आईओसीएल के निष्पादन पर विचार करना चाहिए।
- xiv. घरेलू उद्योग ने पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए एक कारण के रूप में अत्यधिक क्षमता का दावा किया है। यह कहा जाता है कि आवेदकों ने भारी क्षिति और सामग्री क्षिति, दोनों का दावा किया है, जो एक साथ नहीं हो सकते। घरेलू त्पादक ने चीन जन. गण. के अलावा, किसी देश में क्षमताओं की मौजूदगी का दावा नहीं किया है। इसके अलावा, केवल उत्पादन क्षमता की मौजूदगी अपने आप ही संबद्ध देश से पाटन के संबंध में जांच परिणाम को समाप्त करने के लिए पर्याप्त नहीं है।
- xv. अधिक्य उत्पादन क्षमता के संबंध में घरेलू उद्योग के अनुरोध वर्तमान जांच के प्रयोजन से संगत नहीं है। पाटनरोधी जांच पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध की मौजूदगी की जांच करके की गई है, घरेलू उद्योग ने अधिक्य उत्पादन क्षमता की मौजूदगी के उनके दावे का समर्थन नहीं किया है।
- xvi. घरेलू उत्पादकों के उत्पादन और बिक्री की मात्रा में पर्याप्त रूप से वृद्धि हुई है और उनकी उत्पादन समस्याओं के कारण आगे वृद्धि नहीं हो सकी है। अतः आवेदक घरेलू उत्पादकों की मात्रा से किसी भी तरह से आयातों पर प्रभाव नहीं पड़ा है।
- xvii. उत्पादन क्षमताओं और घरेलू उद्योग की बिक्रियों में वृद्धि स्वयं ही यह प्रमाणित करती है कि भारत में उद्योग पर पीटीए बाजार के लिए बहुत ही तीव्र संभावनाएं सामने आ रही हैं। कोई भी तर्कसंगत कारोबारी गृह वाणिज्यिक उत्पादन के लिए सुविधाओं की स्थापना करने पर विचार नहीं करेगा, यदि वह वास्तव में भारी क्षति का सामना कर रहा है अथवा भारी क्षति होने की संभावना है।
- xviii. ईरान और इंडोनेशिया से आयात आवेदक घरेलू उत्पादकों द्वारा प्रस्तुत सारांश के तहत 4% से भी कम है। यदि कच्चे आंकड़ों का विश्लेषण किया जाता है तो दोनों देशों से आयात की मात्रा 3% से कम होगी, अर्थात गिरावट होगी जिसमें जांच को तुरंत बंद करना होगा।
- xix. घरेलू उद्योग ने घरेलू उद्योग पर संचित प्रभावों का आकलन करने से पूर्व आयातित उत्पादों के बीच प्रतिस्पर्द्धा की स्थितियों और आयातित उत्पादों और समान घरेलू उत्पाद के बीच प्रतिस्पर्द्धा की स्थितियों की जांच नहीं की है।

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

- 114. घरेलू उद्योग ने क्षति एवं आकस्मिक संपर्क के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए हैं और प्राधिकारी ने उन्हें संगत माना है :
 - i. प्राधिकारी द्वारा निर्धारित क्षति मार्जिन कम है । प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग और विदेशी आपूर्तिकर्ताओं तथा क्षति मार्जिन के निर्धारण के लिए भाड़े की लागत के बीच ऋण अवधि में अंतर पर विचार नहीं किया है ।
 - णी टी ए संयंत्र चूंिक पैट्रो रसायनिक संयंत्र हैं अत: उन्हें उच्च प्रचालनात्मक दरों पर चलाये जाने की अपेक्षा होती है । यदि संयंत्रों को उच्च दर पर प्रचालित नहीं किया जाता है तो वे अर्थक्षम नहीं होते हैं । पाटन का प्रभाव जरूरी नहीं कि मात्रा की दृष्टि से स्पष्ट दिखाई दे परंतु प्रतिकूल कीमत प्रभाव के संबंध में वे पाए जाएंगे ।
 - iii. पाटित आयातों में समन्वित दृष्टि से तथा भारत में उत्पादन और खपत के सापेक्ष दोनों दृष्टि से महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है । आयातों से घरेलू कीमतों में कमी आ रही है । परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग उसके अनुरूप तथा लागत वृद्धि की सीमा तक अपनी कीमतें नहीं बढ़ा पा रहा है ।
 - iv. आयातों से घरेलू कीमतें काफी मात्रा में प्रभावित एवं कुप्रभावित हो रही हैं क्योंकि घरेलू उद्योग आयात कीमतों के अनुरूप अपनी कीमतें रखने के लिए मजबूर है। पाटित आयातों के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को घाटा देने वाली कीमतों पर अपने उत्पाद को बेचने के लिए मजबूर हुआ है।
 - v. घरेलू उद्योग ने भारी क्षति का दावा नहीं किया है। इसके अतिरिक्त, भारित क्षति का बने रहना यह मानने के लिए पूर्वापेक्षा नहीं है कि घरेलू उद्योग को क्षति हुई है। मात्रा और कीमत की क्षति के नाते यदि दोनों में से एक भी रहती है तो प्राधिकारी क्षति के जांच परिणाम को रिकॉर्ड करेंगे।
 - vi. यदि एक देश से अधिक देशों से उत्पाद के आयात पाटनरोधी नियमों के अनुबंध-2 के तहत निर्धारित शर्तों के अनुसार पाटनरोधी जांचों में साथ-साथ रखे जा रहे हैं तो ऐसे आयातों के प्रभाव का मूल्यांकन निर्दिष्ट प्राधिकारी संचयी रूप से कर सकते हैं।
 - vii. घरेलू उद्योग के निष्पादन में उत्पादन और क्षमता उपयोग की दृष्टि से सुधार हुआ है। उत्पादन और क्षमता उपयोग में सुधार होने के बावजूद घरेलू उद्योग के सामने हानियों, नकद हानियों और निवेश पर ऋणात्मक आय की समस्या आ रही है। इस प्रकार, उत्पादन एवं क्षमता उपयोग में सकारात्मक सुधारों से उसके वित्तीय निष्पादन में सुधार लाने में घरेलू उद्योग को सहायता नहीं मिली है। कीमत संबंधी मानदंडों में कमी के कारण उत्पादन और क्षमता उपयोग में सुधार की बात बहुत दूर हो गई है। घरेलू उद्योग का मालसूची स्तर भी बढ़ गया है।
 - viii. थाइलैंड और कोरिया के संबंध में हाल में की गई जांचों में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा यह बात रखी गई है कि लाभप्रदता, नकद प्रवाह और घरेलू उद्योग के लिए निवेश पर आय में कमी नए संयंत्र में अधिकतम स्तरों पर उत्पाद को उत्पादित करने के लिए एमसीपीआई की असमर्थता के कारण आई थी। इसीलिए याचिकाकर्ताओं ने एम सी पी आई के दो संयंत्रों के लिए लाभ, नकद प्रवाह और निवेश पर आय को अलग-अलग निर्धारित किया है।
 - ix. संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं का पाटन भी घरेलू उद्योग को क्षति का कारण है।
 - x. संबद्ध देशों से आयात और अतिरिक्त क्षमता की मौजूदगी से भी घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति का खतरा बना हुआ है ।
 - xi. घरेलू उद्योग ने मात्रात्मक क्षति का दावा नहीं किया है । घरेलू उद्योग ने घरेलू उद्योग पर पाटन के प्रतिकूल कीमत प्रभाव का दावा किया है ।

- xii. एमसीपीआई के नए संयंत्र के लिए लाभ, नकद प्रवाह और निवेश पर आय ह्रासमान रूप में दर्शाएंगे, भले ही नए संयंत्र को सामान्य रूप में रखा जाए (यदि उस संयंत्र ने उस स्तर पर उत्पादन किया होता जिस स्तर पर पुराने संयंत्र ने उत्पादन किया है)।
- xiii. यह मानने योग्य बात है कि आर आई एल और आई ओ सी एल को क्षित नहीं हो रही है। वास्तव में आर आई एल की सूचना प्राधिकारी के रिकॉर्ड में है और उससे बहुत ही स्पष्ट रूप से सिद्ध होता है कि कंपनी को क्षित हुई है। जहां तक आर आई एल और आई ओ सी एल के लिए संयंत्र प्रचालनीय दरों का संबंध है, याचिकाकर्ताओं ने मात्रा की क्षिति का दावा नहीं किया है। पाटनरोधी शुल्क के लिए अनुरोध इन आधारों पर आधारित नहीं है कि एम सी पी आई देश में पाटन के कारण उत्पादन नहीं कर पा रहा है। याचिकाकर्ताओं ने आयातों के प्रतिकूल कीमत प्रभावों का दावा किया है।
- xiv. निर्दिष्ट प्राधिकारी को कानून के तहत परिभाषित घरेलू उद्योग से संबंधित आंकड़ों पर विचार करते हुए घरेलू उद्योग को हुई क्षति निर्धारित करने की अपेक्षा है। आई ओ सी एल के संबंध में रिकॉर्ड में कोई साक्ष्य नहीं है और इसीलिए निर्दिष्ट प्राधिकारी उस पर विचार नहीं कर सकते। घरेलू उद्योग अपने उत्पाद का कीमत निर्धारण आयात कीमतों पर विचार करते हुए करता है न कि आई ओसी एल द्वारा पेश की गई कीमतों के आधार पर।
- xv. जांच अवधि के दौरान मांग, आपूर्ति की स्थिति को देखते हुए परस्पर प्रतिपर्धाओं का सहारा लेने की कोई आवश्यकता नहीं थी । घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत आयातों के पहुंच मूल्य से कम है ।
- xvi. घरेलू उद्योग ने पहले ही सिद्ध कर दिया है कि यहां तक कि यदि दूसरे संयंत्र का कार्यनिष्पादन सामान्य रखा जाए तो घरेलू उद्योग को फिर भी क्षति हो रही है। इसके अतिरिक्त, यह भी स्पष्ट किया जाता है कि पाटन को क्षति का एकमात्र कारण माने जाने की आवश्यकता नहीं है। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने अनुबंध-3 के आधार पर पहले ही एन आई पी निर्धारित कर दिया है।
- xvii. बी आई एफ आर की रिपोर्ट कंपनी की रूग्णता के संबंध में है निक कंपनी की गिरती हुई स्थिति के संबंध में। वर्तमान मामला निष्पादन में गिरावट के संबंध में है निक कंपनी की रूग्णता के संबंध में। कंपनी के निष्पादन में गिरावट और रूग्णता दोनों अलग-अलग मानदंड हैं।
- xviii. एक स्थान पर एसोसिएशन ने यह विरोध जताया है कि एम सी पी आई तकनीकी समस्याओं के कारण उत्पादन नहीं कर पाया, दूसरे स्थान पर एसोसिएशन ने यह बात रखी है कि एम सी पी आई, पी एक्स की कमी के कारण नुकसान उठा रहा है। एसोसिएशन ने सभी प्रकार के भ्रामक और विरोधाभासी विवरणों का सहारा लिया है। एम सी पी आई को पी एक्स की कमी के कारण नुकसान नहीं हो रहा है। यह सिद्ध नहीं किया गया है कि कच्ची सामग्री उपलब्ध न होने के कारण घरेलू उद्योग को क्षति कैसे हो रही है।
- xix. प्राधिकारी एवं जांच प्राधिकारी वैश्विक रूप से जांच अवधि में घरेलू उद्योग के वास्तविक निष्पादन की निरंतर जांच करते आ रहे हैं। केवल एक ही स्थिति में ऐसा है जहां जांच अवधि में वास्तविक निष्पादन यह नहीं दर्शाता कि घरेलू उद्योग को क्षति हुई है जिसकी प्राधिकारी विभिन्न आर्थिक मानदंडों के संबंध में संभावित स्थिति की जांच करेंगे।
- xx. देश में वर्तमान क्षमताएं देश के उत्पादों के लिए वर्तमान एवं संभावित मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त हैं। अच्छे क्षमता उपयोग के बावजूद आर आई एल के निष्पादन में लाभ, निवेश पर आय और नकद प्रवाह जैसे मानदंडों के संबंध में गिरावट आई है।
- xxi. जब संबद्ध देश की कीमत में गिरावट आई है तो उसकी मात्रा बढ़ गई है और जब कीमत बढ़ गई है तो मात्रा कम हो गई है । वर्तमान संबद्ध देशों और पाटनरोधी शुल्क लगाने वाले देशों के बीच आयातों के हिस्से में परिवर्तन

अपने आप में यह सिद्ध करता है कि वस्तुओं के पाटित हो जाने के बावजूद ग्राहक कम कीमत वाले उत्पाद को लेते हैं।

- xxii. अच्छी तुलना के सिद्धांतों की भी यह मांग होती है कि घरेलू उद्योग की कीमत की तुलना उसी स्तर पर विदेशी उत्पादों की कीमत से की जाए। इस निमित्त भी यह महत्वपूर्ण है कि घरेलू उद्योग की कीमत और आयातित उत्पाद की कीमत पर उसी ऋण अविध में विचार किया जाए। इसके अतिरिक्त घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत की तुलना घरेलू उद्योग के मामले में निहित भाड़े की लागत को शामिल करने के बाद आयातों की पहुंच कीमत से की जानी चाहिए।
- xxiii. याचिकाकर्ता समय मान के लिए समायोजनों पर विवाद नहीं करता । याचिकाकर्ता प्राधिकारी से अनुरोध करता है कि समय मान के आधार पर समायोजन किए जाएं और कीमतों की कमी एक माह के लिए आयातों की बीजक कीमत से उसी माह के लिए घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से तुलना करके कीमत कम करते हुए निर्धारित की जाए ।
- xxiv. वेतन और मजदूरी के निमित्त प्रति एम टी लागत जांच अवधि के दौरान हानि के विरूद्ध बहुत कम है। किसी भी स्थिति में यह विभिन्न कंपनियों के समग्र निष्पादन में अंतर के लिए आधार हो सकता है। पिछले कुछ वर्षों में घरेलू उद्योग के निष्पादन में गिरावट के लिए भी यह एक आधार हो सकता है। समान संगठन संरचना में घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में गिरावट आई है।
- xxv. याचिकाकर्ताओं ने न तो मजदूरी और वेतनों के निमित्त क्षति का दावा किया है और न ही नियमों में ऐसा विनिर्दिष्ट है कि घरेलू उद्योग को क्षति सभी मानदंडों के संबंध में स्पष्ट होनी चाहिए।
- xxvi. एम सी पी एल को पिछली जांच के आधार वर्ष के दौरान हानियां नहीं हो रही थीं। उत्पाद के पाटन से कंपनी के निष्पादन में गिरावट आई है। इस संयंत्र का वाणिज्यिक उत्पादन शुरू होने से विचाराधीन उत्पाद का अत्यधिक पाटन हुआ है। पी एक्स और पी टी ए के बीच डेल्टा में गिरावट से भारी पाटन होने पर पी टी ए की लाभप्रदता में वैश्विक रूप से गिरावट आई है।
- xxvii. वर्तमान जांच पी टी ए के आयातों के विरूद्ध है । पैराक्सिलिन की कीमत पी टी ए की कच्ची सामग्री होने के नाते तथा अकेला संबंधित उत्पाद होने के नाते संगत हैं तथा निर्धारक कारक हैं । कच्चे तेल और नेप्था की बाजार कीमतें वर्तमान जांच से संबद्ध नहीं हैं । केवल पाटन का तथ्य ही संगत है ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

- 115. क्षति और आकस्मिक संपर्क तथा प्राधिकारी द्वारा माने गए संगत तथ्यों के संबंध में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों की जांच की गई है और निम्नलिखित रूप में इनका समाधान किया गया है।
- ं. जहां तक इस अनुरोध का संबंध है कि एम सी पी आई को अपने संयंत्र में तकनीकी समस्याओं के कारण हानि हई है जोकि क्षित का प्रमुख कारण है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह एक तथ्य है कि एम सी पी आई को उनके संयंत्र में तकनीकी समस्याओं के कारण हानि हुई है परंतु उसे क्षित का एकमात्र कारण नहीं कहा जा सकता । इसके अतिरिक्त, एम सी पी आई ने लाभ, नकद प्रवाह, निवेश पर आय आदि जैसे मानदंडों पर आयात के प्रतिकूल प्रभावों का दावा किया है । साथ ही, एन आई पी निर्धारित करते समय ऐसे कारकों के प्रभाव को ध्यान में रखा गया है ।
- ii. जहां तक इस अनुरोध का संबंध है कि एम सी पी आई को पी एक्स की कमी, प्राथमिक कच्ची सामग्री, पी एक्स की कीमत में वृद्धि होने के कारण क्षति हो रही है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग को हुई क्षति का

किया गया दावा मात्रात्मक प्रभाव के कारण नहीं है । अत: घरेलू उद्योग द्वारा संबद्ध वस्तुओं के उत्पादों पर प्रभाव डालने वाली प्रमुख कच्ची सामग्री की कमी संगत नहीं है ।

- iii. जहां तक इस अनुरोध का संबंध है कि पी टी ए की कीमतों में कमी कच्ची सामग्री तथा अंतर्राष्ट्रीय कच्चे माल की कीमतों में कमी के अनुरूप है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि पी एक्स, न कि नेप्था संबद्ध वस्तुओं के लिए प्रमुख कच्ची सामग्री है।
- iv. जहां तक इस बात का संबंध है कि मै0 एम सी सी पी टी ए इंडिया कॉर्प प्रा. लि. ने अन्य घरेलू उत्पादकों की तुलना में अपना संयंत्र एक हानिप्रद स्थान पर स्थापित किया है और इसी कारण वे अन्य घरेलू उत्पादकों के साथ प्रतिस्पर्धा करने में विफल रहे हैं, प्राधिकारी नोट करते हैं कि संयंत्र का स्थान और उसके संबद्ध लाभ/हानियां क्षित के विश्लेषण के लिए पाटनरोधी कानून के तहत संगत नहीं हैं। संबद्ध देशों से संबद्ध सामानों के पाटन के कारण हुई क्षित वर्तमान अंतिम जांच परिणाम सिद्ध कर दी गई है।
- v. जहां तक इस बात का संबंध है कि घरेलू उद्योगों के बीच परस्पर प्रतिस्पर्धा के कारण एम सी पी आई को नुकसान हो रहा है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि उनकी इस बात में दम नहीं है। जांच की अवधि के दौरान कुछ भी संगत तथ्य यह सिद्ध करने के लिए प्राधिकारी के समक्ष नहीं लाया गया कि घरेलू उद्योग को क्षति वास्तव में घरेलू उत्पादकों के बीच परस्पर प्रतिस्पर्धा के कारण है और पाटन के कारण नहीं है।
- vi. जहां तक इस बात का संबंध है कि एम सी पी एल ने उसे औद्योगिक एवं वित्तीय पुनर्गठन बोर्ड को एक रूग्ण कंपनी के रूप में सूचित किया था, प्राधिकारी नोट करते हैं कि बी आई एफ आर की रिपोर्ट कंपनी की रूग्णता के संबंध में होती है न कि पाटन के कारण कंपनी के निष्पादन में गिरावट के संबंध में होती है।
- vii. विरोधी पक्षकारों ने यह बात रखी है कि घरेलू उद्योग ने विभिन्न कारकों में संभावित गिरावट स्थापित नहीं की है। इस संबंध में यह नोट किया जाता है कि केवल एक ही स्थिति में जहां क्षति अवधि में वास्तविक निष्पादन घरेलू उद्योग को क्षति नहीं दर्शाता, प्राधिकारी से अपेक्षा है कि वे विभिन्न आर्थिक मानदंडों के संबंध में संभावित स्थिति की जांच करे।
- viii. जहां तक इस अनुरोध का संबंध है कि आर आई एल और आई ओ सी एल 100 से अधिक उत्पादन क्षमता पर प्रचालन कर रहे हैं और उनसे उससे अधिक आपूर्ति की आशा नहीं की जाती, एम सी पी एल जोकि दोषपूर्ण उत्पादन प्रौद्योगिकी का प्रयोग कर रहा है, भी अपना उत्पादन नहीं बढ़ा सकता । पाटनरोधी शुल्क का आशय आयातों पर रोक लगाना नहीं है । प्रयोक्ता क्षेत्र घरेलू उद्योग की क्षमता से आगे अच्छी बाजार कीमत पर संबद्ध सामानों का आयात हमेशा जारी रख सकता है । निर्दिष्ट प्राधिकारी से अपेक्षा है कि वे क्षति के मूल्यांकन के लिए घरेलू उद्योग पर विचार करे और अन्य घरेलू उत्पादकों पर विचार न करें । इसके अतिरिक्त, घरेलू उद्योग ने लाभ, नकद प्रवाह, निवेश पर आय आदि जैसे मानदंडों के संबंध में आयातों के प्रतिकूल प्रभाव का दावा किया है।
- ix. जहां तक इस अनुरोध का संबंध है कि आवेदकों ने केवल एम सी पी एल की कीमतों के आधार पर कीमतें कम करने का दावा किया है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान जांच में आवेदक घरेलू उत्पादक एमसीपीएल हैं जोकि पाटनरोधी नियमों के तहत एक घरेलू उद्योग है। अत: पाटनरोधी नियमों के तहत निर्धारित प्रावधानों की दृष्टि से प्राधिकारी से अपेक्षा है कि वे जांच करें और केवल घरेलू उद्योग के संबंध में क्षति निर्धारित करें।
- प्र. जहां तक क्षिति विश्लेषण में आई ओ सी एल के आंकड़ों पर विचार न किए जाने से संबंधित अनुरोध का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि 1 जून, 2016 को आई ओ सी एल ने जांच अविध के दौरान उत्पादन, बिक्री और विचाराधीन उत्पाद की लाभप्रदता से संबंधित कुछ आंकड़े प्रदान किए हैं। जहां तक आई ओ सी एल द्वारा किए गए दावे का संबंध है, उन्होंने जांच अविध के दौरान विचाराधीन उत्पाद की बिक्री पर भारी हानियां उठाई हैं।

इस प्रकार, आईओसीएल द्वारा प्रस्तुत किए गए आंकड़े यह दर्शाते हैं कि संबद्ध देशों से संबद्ध सामानों के पाटन से क्षतिकारक प्रभाव पड़े हैं।

- xi. जहां तक इस अनुरोध का संबंध है, कि अग्रिम लाइसेंस के तहत आयात को घरेलू उद्योग पर आयातों के प्रभाव और वर्तमान जांच में निष्कर्षों के साफ एवं न्यायपूर्ण विश्लेषण के लिए अलग कर दिया जाए, प्राधिकारी नोट करते हैं कि शुल्क छूट योजना के तहत किए गए आयातों को घरेलू बाजार में कीमत पर प्रभाव डालने वाली वस्तु के रूप में विचार नहीं किया जा सकता। किसी भी अग्रिम लाइसेंस/प्राधिकार धारक को यह विकल्प है कि वह शुल्क रहित आधार पर निवेश आयात करे अथवा अग्रिम निमुक्तिं आदेश की व्यवस्था का प्रयोग करते हुए देशी स्रोतों से उसकी खरीद करे। क्षति विश्लेषण का उद्देश्य घरेलू उद्योग के संबंध में पाटित आयातों के प्रभाव की जांच करना और उन्हें हासिल करना है। अत: क्षति विश्लेषण के उद्देश्य के लिए सभी शुल्क रहित आयातों को अलग करना तर्कसंगत नहीं होगा।
- xii. जहां तक इस बात संबंध है कि संबद्ध देशों से आयातों और घरेलू उद्योग को हुई क्षित के बीच कोई आकस्मिक संपर्क नहीं है और घरेलू उद्योग को हुई क्षिति अपने ही कारण है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान अंतिम जांच परिणाम में विश्लेषित आंकड़े स्वत: स्पष्ट हैं और पर्याप्त रूप से यह दर्शाते हैं कि घरेलू उद्योग को हुई क्षित ज्यादातर संबद्ध देशों से संबद्ध सामानों के आयातों के कारण है।
- xiii. जहां तक इस बात का संबंध है कि ईरान और इंडोनेशिया से आयात 3 प्रतिशत से कम है अर्थात न्यूनतम है जिसमें जांच को तुरंत समाप्त करने की आवश्यकता है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह वास्तविक रूप में सही नहीं है। ईरान और इंडोनेशिया से आयात न्यूनतम स्तर से अधिक है। घरेलू उद्योग द्वारा लेन-देनवार अगोपनीय आयात आंकड़े प्रस्तुत किए गए हैं और सार्वजनिक जीवन में उपलब्ध करा दिए गए हैं।
- xiv. जहां तक विरोधी हितबद्ध पक्षकारों की इस बात का संबंध है कि एनआईपी के परिकलन के लिए ऋण लागत और भाड़े की लागत से संबंधित समायोजनों, जैसा कि घरेलू उद्योग द्वारा अनुरोध किया गया है, की अनुमित नहीं दी जा सकती, प्राधिकारी नोट करते हैं कि एन आई पी की गणना करने के लिए विस्तृत दिशा निर्देश पाटनरोधी नियमों के अनुबंध-3 के तहत निर्धारित किए गए हैं और वर्तमान जांच में एन आई पी निर्धारित करते समय उनको अपनाया गया है।

संचयी मूल्यांकन

- 116. पाटनरोधी नियमों के अनुबंध-II (iii) और विश्व व्यापार संगठन करार (डब्ल्यू टी ओ) के अनुच्छेद 3.3 में यह प्रावधान है कि यदि कहीं ऐ देश से अधिक देशों से उत्पाद का आयात साथ-साथ किया जा रहा हो और उसे पाटनरोधी जांचों में रखा जा रहा हो, तो प्राधिकारी ऐसे आयातों के प्रभाव का संचयी रूप से मूल्यांकन करेंगे, यदि वह यह निर्धारित करे कि :
- (क) प्रत्येक देश से आयातों के संबंध में स्थापित पाटन का मार्जिन निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में 2 प्रतिशत से अधिक अभिव्यक्त हो और प्रत्येक देश से आयात की मात्रा समान वस्तु के आयात के 3 प्रतिशत (या उससे अधिक) हो अथवा जहां अलग-अलग देशों से निर्यात 3 प्रतिशत से कम हो, सामूहिक रूप से आयात समान वस्तु के आयात के 7 प्रतिशत से अधिक बनता हो तथा
- (ख) आयातों के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन आयातित वस्तु और समान घरेलू वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की शर्तों के आलोक में उपयुक्त है।
- 117. घरेलू उद्योग ने अपने अनुरोध में यह तर्क दिया है कि एक से अधिक देशों से निर्यातक भारतीय बाजार में संबद्ध समानों का पाटन कर रहे हैं और प्रत्येक संबद्ध देश से पाटन के मार्जिन उपर्युक्त निर्धारित सीमाओं से अधिक हैं। उपर्युक्त प्रत्येक देश से आयात की मात्रा न्यूनतम की सीमाओं से अधिक है। अतः आयातों के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन उपयुक्त है क्योंिक संबद्ध देशों से निर्यात प्रत्यक्ष रूप से भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग द्वारा पेश किए गए समान वस्तुओं से प्रतिस्पर्धा करते हैं। अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि प्राधिकारी ने आयातित उत्पादों के बीच प्रतिस्पर्धा की शर्तों और समान घरेलू उत्पाद के बीच प्रतिस्पर्धा की शर्तों की जांच घरेलू उद्योग के संबंध में संचयी प्रभावों का मूल्यांकन करने के लिए कार्रवाई करने से पूर्व नहीं की है।

- 18. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह जांच चीन जनवादी गणराज्य, ईरान, इंडोनेशिया, मलेशिया और ताइवान से संबद्ध सामानों के तथाकथित पाटन के विरूद्ध शुरू की गई है। वर्तमान अंतिम जांच परिणाम में पाटन के मार्जिन का निर्धारण यह दर्शाता है कि यहां उल्लिखित संबद्ध देशों में से प्रत्येक देश से संबद्ध वस्तुओं के लिए पाटन के मार्जिन न्यूनतम से अधिक है। इसके अतिरिक्त, प्रत्येक संबद्ध देश से आयात की मात्रा भी निर्धारित सीमाओं से अधिक है। सीआईएफ कीमत रेंज और पहुंच मूल्य जिन पर संबद्ध देशों से सामान आयातित किए जा रहे हैं, स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं कि भारतीय बाजार में इन स्रोतों से आयातों के बीच परस्पर प्रतिस्पर्धा है। संबद्ध देशों से निर्यातक तथा घरेलू उत्पादक समान श्रेणी के ग्राहकों को समान उत्पाद की बिक्री कर रहे हैं और दोनों एक ही समान बाजार में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। उपभोक्ता दोनों का इस्तेमाल आपस में परिवर्तनीय आधार पर कर रहे हैं। उपर्युक्त स्थिति को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी यह मानते हैं कि आयातों के प्रभावों का संचयी मूल्यांकन इस मामले में उपयुक्त है और तद्नुसार, सभी पाटित स्रोतों से पाटित आयातों के प्रभावों का संचयी मूल्यांकन क्षिति और आकस्मिक संपर्कों की जांच करने के लिए वर्तमान जांच में किया गया है।
- 119. अनुबंध-॥ के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली के नियम-11 में किसी क्षित के निर्धारण में यह उपबंध है कि किसी क्षिति जांच में "... पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनके प्रभाव और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव सिहत सभी संगत कारकों को ध्यान में रखते हुए ..." ऐसे कारकों की जांच शामिल होगी जिनसे घरेलू उद्योग को हुई क्षित का पता चल सकता हो। कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय इस बात पर विचार करना आवश्यक है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से की कीमतों में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रूकावट आई है, जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती।"

घरेलू उद्योग पर पाटित आयात का मात्रा प्रभाव

(i) <u>मांग और बाजार हिस्सा</u>

120. भारतीय उत्पादकों और सभी स्नोतों से आयात के योग के रूप में प्राधिकारी ने वर्तमान जांच,112. भारत में उत्पादों की मांग और प्रत्यक्ष खपत के प्रयोजन से परिभाषित किया है। इस प्रकार निर्धारित की गई मांग नीचे तालिका में दी गई है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि विचाराधीन उत्पाद की मांग अवधि के दौरान बढ़ गई है।

विवरण	यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	पीओआई
मांग	एमटी	38,84,428	41,04,498	46,29,760	47,05,225
रूख	सूचक	100	106	119	121
संबद्ध देशों से आयात	एमटी	47,816	29,517	1,30,187	3,86,361
रूख	सूचक	100	62	272	808
शुल्क आकर्षित करने वाले अन्य देशों से आयात	एमटी	5,11,137	5,86,986	8,18,335	6,57,644
रूख	सूचक	100	115	160	129
अन्य देशों से आयात	एमटी	35,960	31,455	26,912	1,082
रूख	सूचक	100	87	75	3
घरेलू उद्योग की बिक्री	एमटी	6,78,787	8,32,250	10,45,520	10,36,246
रूख	सूचक	100	123	154	153
अन्य उत्पादकों की बिक्री	एमटी	26,10,727	26,24,290	26,08,805	26,23,892
रूख	सूचक	100	101	100	101

(ii) <u>मांग में बाजार हिस्सा</u>

121. विभिन्न स्रोतों से आयात और घरेलू उद्योग की बिक्री को ध्यान रखते हुए भारत में मांग में संबद्ध आयात के बाजार हिस्से की जांच की गई थी। संबद्ध देशों से पाटित आयात के हिस्से में पर्याप्त वृद्धि हुई है जबिक आधार वर्ष की तलना में पीओआई के दौरान घरेलू उद्योग के हिस्से में वृद्धि हुई है। यह उसी अवधि के दौरान पाटित आयात के हिस्से में वृद्धि और मांग में वृद्धि की तुलना में काफी कम है।

विवरण	यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	पीओआई
संबद्ध देशों से आयात	%	1.23%	0.72%	2.81%	8.21%
शुल्क आकर्षित करने वाले अन्य देशों से आयात	%	13.16%	14.30%	17.68%	13.98%
अन्य देशों से आयात	%	0.93%	0.77%	0.58%	0.02%
घरेलू उद्योग की बिक्री	%	17.47%	20.28%	22.58%	22.02%
अन्य उत्पादकों की बिक्री	%	67.21%	63.94%	56.35%	55.77%

आयात मात्रा और बाजार हिस्सा

122. संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयात की मात्रा नीचे दी गई है। उपरोक्त तालिका में यह अवलोकन किया गया है कि आधार वर्ष की तुलना में पीओआई के दौरान संबद्ध देशों से आयात में काफी वृद्धि हुई है।

विवरण	यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	पीओआई
मात्रा					
संबद्ध देश	एमटी	47,816	29,517	1,30,187	3,86,361
शुल्क आकर्षित करने वाले अन्य देश	एमटी	5,11,137	5,86,986	8,18,335	6,57,644
अन्य देश		35,960	31,455	26,912	1,082
कुल आयात	एमटी	5,94,913	6,47,958	9,75,434	10,45,087
आयात में बाजार हिस्सा					
संबद्ध देश	%	8.04	4.56	13.35	36.97
शुल्क आकर्षित करने वाले अन्य देश	%	85.92	90.59	83.89	62.93
अन्य देश	%	6.04	4.85	2.76	0.10

(iv) उत्पादन की दृष्टि से आयात का हिस्सा

123. प्राधिकारी नोट करते हैं कि निम्नलिखित तालिका से सिद्ध होता है कि भारत में उत्पादन की दृष्टि से संबद्ध देशों से आयात में वृद्धि हुई है।

विवरण	यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	पीओआई
संबद्ध देशों से आयात	एमटी	47,816	29,517	1,30,187	3,86,361
घरेलू उद्योग का उत्पादन	एमटी	6,80,710	8,42,597	10,34,602	10,47,777
घरेलू उद्योग के उत्पादन के दृष्टि से आयात	%	7%	4%	13%	37%

(v) <u>क्षमता और क्षमता उपयोग</u>

124. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की क्षमता और क्षमता उपयोग नीचे तालिका में दिया गया है। यह अवलोकन किया गया है कि आधार वर्ष की तुलना में पीओआई को दौरान घरेलू उद्योग की क्षमता उपयोगिता में वृद्धि हुई है।

विवरण	यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	पीओआई
क्षमता एमटी	एमटी	13,70,000	13,70,000	13,70,000	13,70,000
उत्पादन	एमटी	6,80,710	8,42,597	10,34,602	10,47,777
क्षमता उपयोगिता	%	50%	62%	76%	76%

(vi) <u>उत्पादन</u>

125. घरेलू उद्योग के उत्पादन आंकड़े निम्नलिखित तालिका में दिए गए हैं। यह अवलोकन किया गया है कि मांग में वृद्धि के कारण घरेलू उद्योग के उत्पादन में वृद्धि हुई है।

	यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	पीओआई
उत्पादन	एमटी	6,80,710	8,42,597	10,34,602	10,47,777
रूख	सूचक	100	124	152	154
मांग	एमटी	38,84,428	41,04,498	46,29,760	47,05,225
रूख	सूचक	100	106	119	121
मांग की दृष्टि से उत्पादन	%	18%	21%	22%	22%

(vii) बिक्री मात्रा

126. घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा निम्नलिखित तालिका में दी गई है। यह अवलोकन किया गया है कि आधार वर्ष की तुलना में पीओआई के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री में वृद्धि हुई है। संबद्ध देशों से पाटित आयात के हिस्से में पर्याप्त वृद्धि हुई है जबिक घरेलू उद्योग के हिस्से में आधार वर्ष की तुलना में पीओआई के दौरान वृद्धि हुई है। यद्यपि इसी अविध के दौरान पाटित आयात के हिस्से में वृद्धि और मांग में वृद्धि की तुलना में काफी कम है।

	यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	पीओआई
घरेलू बिक्री	एमटी	6,78,787	8,32,250	10,45,520	10,36,246
रूख	सूचक	100	123	154	153
मांग	एमटी	38,84,428	41,04,498	46,29,760	47,05,225
रूख	सूचक	100	106	119	121
मांग में घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा	%	17%	20%	23%	22%

घरेलू उद्योग पर पाटित आयात का कीमत प्रभाव

127. कीमतों पर पाटित आयात के प्रभाव के संबंध में नामजद प्राधिकारी को यह विचार करना अपेक्षित है कि भारत में इसी प्रकार के उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयात सेअत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा इस प्रकार के आयातों का प्रभाव अन्यथा पर्याप्त डिग्री अथवा कीमत वृद्धियों को रोकने के लिए कीमत को घटाता है, जो अन्यथा पर्याप्त डिग्री तक हुआ होगा। इस विश्लेषण के प्रयोजन के लिए बिक्री की भारित औसत लागत (सीओपी), भारित औसत निवल बिक्री प्राप्ति (एनएसआर) और घरेलू उद्योग की गैर-क्षित कीमत (एनआईपी) की संबद्ध देशों से आयात की उतराई की लागत से तुलना की गई है।

i. <u>कीमत कटौती</u>

128. निवल बिक्री प्राप्ति जावक माल भाड़े और करों को घटाने के पश्चात प्राप्त की गई है। आयात के उतराई मूल्य की गणना संबद्ध आयात के सीआईएफ मूल्य के लिए लागू उपकर सिहत 1 प्रतिशत सम्भाल प्रभार और लागू आधार सीमा शुल्क को जोड़कर की गई है। आयात के उतराई मूल्य की तुलना घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति से की गई थी और यह पता लगा था कि पीओआई के दौरान संबद्ध देशों से अत्यधिक कीमत कटौती थी। प्राधिकारी ने इसकी स्थापित प्रक्रिया के अनुसार संबद्ध सामान का उतराई मूल्य पत्तन बाह्य स्तर पर और घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति कारखना बाह्य स्तर निर्धारित की है।

	यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	पीओआई
संबद्ध देश				l	
अत्यधिक कीमत कटौती	रुपए/एमटी	***	***	(***)	***
अत्यधिक कीमत कटौती %	%	***	***	(***)	***
रेंज	%	0-10	0-10	(0-10)	0-10
चीन पीआर	•				
अत्यधिक कीमत कटौती	रुपए/एमटी	(***)	***	(***)	***
अत्यधिक कीमत कटौती %	%	(***)	***	(***)	***
रेंज	%	(15-25)	5-15	(0-10)	0-10
ईरान	·				
अत्यधिक कीमत कटौती	रुपए/एमटी	***	***	***	***
अत्यधिक कीमत कटौती %	%	***	***	***	***
रेंज	%	10-20	0-10	0-10	0-10
मलेशिया					
अत्यधिक कीमत कटौती	रुपए/एमटी	(***)	(***)	***	***
अत्यधिक कीमत कटौती %	%	(***)	(***)	***	***
रेंज	%	(10-20)	(0-10)	5-15	0-10
ताइवान					
अत्यधिक कीमत कटौती	रुपए/एमटी	***	***	(***)	***
अत्यधिक कीमत कटौती %	%	***	***	(***)	(***)
रेंज	%	0-10	0-10	(0-10)	0-10
इंडोनेशिया					
अत्यधिक कीमत कटौती	रुपए/एमटी	-	-	(***)	***
अत्यधिक कीमत कटौती %	%	-	_	(***)	(***)
रेंज	%	-	-	(0-10)	0-10

ii. कम विक्रय कीमत

129. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कम विक्रय कीमत क्षति के निर्धारण का एक महत्वपूर्ण सूचक है। गैर-क्षति कीमत की गणना और तुलना कम विक्रय कीमत की सीमा पर प्राप्त करने के लिए संबद्ध वस्तुओं के उतराई मूल्य से की गई है। गैर-क्षति कीमत पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-III के अनुसार पीओआई के दौरान विचाराधीन उत्पाद के लिए घरेलू उद्योग के उत्पादन की लागत को ध्यान में रखते हुए निर्धारित की गई है। भारित औसत एन आई पी और पहुंच मूल्य मासिक आयात मात्रा के आधार पर निकाली गई हैं। यह विश्लेषण दर्शाता है कि पीओआई के दौरान संबद्ध आयातों का उतराई मूल्य घरेलू उद्योग की गैर-क्षति कीमत से कम था जो नीचे दी गई तालिका से देखा जा सकता है।

विवरण	यूनिट	चीन	ईरान	मलेशिया	ताइवान	इंडोनेशिया	सभी
गैर-क्षति कीमत	रुपए/एमटी	***	***	***	***	***	***
उतराई मूल्य (पीओआई)	रुपए/एमटी	59216	51880	52850	56248	48065	55635
कम विक्रय कीमत	रुपए/एमटी	***	***	***	***	***	***
कम विक्रय	%	***	***	***	***	***	***
कम विक्रय	% रेंज	0-10	5-15	5-15	0-10	5-15	5-15

iii. <u>कीमत ह्वास/न्यूनीकरण</u>

130. प्राधिकारी ने इस बात की जांच की है कि क्या पाटित आयात का प्रभाव भारत में इसी प्रकार की वस्तुओं की कीमतों में मंदी थी अथवा कीमतों में वृद्धि को रोकने का था जो अन्यथा हुआ होता।

विवरण	यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	पीओआई
बिक्री की लागत	रुपए/एमटी	***	***	***	***
रूख	सूचक	100	109	113	94
विक्रय कीमत	रुपए/एमटी	***	***	***	***
रूख	सूचक	100	105	109	90
आयात का पहुंच मूल्य (सम्पूर्ण रूप से संबद्ध देश)	रुपए/एमटी	62,869	66,327	70,948	55,635
रूख	सूचक	100	106	113	88

131. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पूर्ववर्ती वर्षों की तुलना में पीओआई के दौरान विक्रय कीमत और आयातों की उतराई कीमत में गिरावट आई है। यह दर्शाता है कि पाटित आयात के कारण कीमतों में तेजी थी और घरेलू उद्योग लागतों में कमी लाने के लिए के अनुपात में उसकी कीमतों को नियंत्रित नहीं कर सका।

घरेलू उद्योग के आर्थिक मानदंड

i. <u>लाभ/हानि</u>

132. घरेलू उद्योग की लाभप्रदता निम्नलिखित तालिका में दी गई है। यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग ने सम्पूर्ण क्षति अवधि के दौरान क्षति वहन की है। आधार वर्ष की तुलना में पीओआई के दौरान घरेलू उद्योग की हानियों में काफी वृद्धि हुई है। आधार वर्ष की तुलना में पीओआई के दौरान नकद हानि के साथ-साथ निवेश पर ऋणात्मक प्रतिफल में भी वृद्धि हुई है।

विवरण	यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	पीओआई
लाभ	रुपए/लाख	(***)	(***)	(***)	(***)
रूख	सूचक	(100)	(180)	(220)	(192)
नकद लाभ	रुपए/लाख	(***)	(***)	(***)	(***)
रूख	सूचक	100	237	304	256
आरओसीई	%	(***)	(***)	(***)	(***)
रूख	सूचक	(100)	(191)	(243)	(236)

II. <u>नकद प्रवाह</u>

133. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के नकद प्रवाह की स्थिति पर पाटन के प्रवाह की जांच करने के लिए नकद लाभ में रूख की जांच की है। घरेलू उद्योग की नकद लाभ संबंधी सूचना निम्नलिखित तालिका में दी गई है। यह देखा गया है कि 2011-12 से घरेलू उद्योग के नकद लाभ में गिरावट आई है।

	यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	पीओआई
नकद लाभ	रुपए/लाख	(***)		(***)	(***)
प्रवृत्ति	सूचक	100	237	304	256

III. <u>मालसूची</u>

134. घरेलू उद्योग की मालसूची नीचे दी गई है। यह नोट किया गया है कि पूर्ववर्ती वर्ष के साथ-साथ आधार वर्ष की तुलना में पीओआई के दौरान घरेलू उद्योग के पास मालसूची में वृद्धि हुई है।

	यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	पीओआई
औसत स्टॉक	एमटी	***	***	***	***
रूख	सूचक	100	223	163	215

IV. <u>उत्पादकता</u>

135. प्राधिकारी नोट करते हैं कि आधार वर्ष की तुलना में पीओआई के दौरान घरेलू उद्योग की उत्पादकता में वृद्धि हुई है।

विवरण	यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	पीओआई
प्रतिकर्मधारी उत्पादकता	एमटी	***	***	***	***
प्रति दिवस उत्पादक	एमटी	***	***	***	***

V. <u>रोजगार एवं मजदूरी</u>

136. नीचे तालिका से यह देखा गया है कि आधार वर्ष की तुलना में पीओआई के दौरान रोजगार स्तर में गिरावट आई है। भुगतान की गई मजदूरी बढ़ी है।

विवरण	यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	पीओआई
रोजगार	संख्या	***	***	***	***
सूचक	रूख	100	99	99	99
मजदूरी	रुपए/लाख	***	***	***	***
रूख	सूचक	100	101	105	147

VI. पाटन का परिमाण

137. उस सीमा जो पाटित आयात घरेलू उद्योग को क्षति का कारण हो सकता है, 129. सूचक के रूप में पाटन का परिमाण दर्शाता है कि संबद्ध देशों के संबंध में निर्धारित पाटन मार्जिन डिमिनिमस से ऊपर है।

VII. <u>वृद्धि</u>

138. उपरोक्त तालिका से प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पादन, घरेलू बिक्री, लाभ/हानि, आरओआई आदि के संबंध में घरेलू उद्योग की वृद्धि 2010-11 में हासिल की गई वृद्धि की तुलना में पीओआई के दौरान कम गिरावट हुई है।

विवरण	यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	पीओआई
उत्पादन	%		23.78	51.99	53.92
घरेलू बिक्री मात्रा	%		22.61	54.03	52.66
बिक्री की लागत	%	-	8.75	12.62	(6.32)
विक्रय कीमत	%	-	4.75	9.47	(9.65)
लाभ/हानि प्रति यूनिट	%	-	(47.21)	(42.79)	(25.71)
नियोजित पूंजी पर प्रतिफल	%	-	(90.70)	(119.94)	(91.91)

VIII. पूंजी निवेश जुटाने की सक्षमता

139. यह नोट किया गया है कि देश में संबद्ध सामान की पर्याप्त मांग के बावजूद घरेलू उद्योग उत्पाद के संबंध में प्रतिकूल निष्पादन जारी रहने के कारण अपनी उत्पादन क्षमता नहीं बढ़ा सका है। इसके अतिरिक्त, संबद्ध देशों से संबद्ध सामान की पाटन के परिणामस्वरूप काफी वित्तीय हानियां उठा रहा है।

IX. घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

140. संबद्ध देशों और अन्य देशों से आयात कीमतों की जांच, लागत ढांचे में परिवर्तन, घरेलू बाजार में प्रतिस्पर्द्धा,132. पाटित आयात के अलावा अन्य कारक जो घरेलू बाजार में घरेलू कीमतों को प्रभावित कर सकते हैं, आदि दर्शाते हैं कि संबद्ध देशों से आयातित सामग्री की उतराई लागत घरेलू उद्योग की गैर-क्षित कीमत से कम है, भारतीय बाजार में काफी कम कीमत के कारण है। यह भी नोट किया गया है पीओआई सहित क्षित अविध के दौरान संबद्ध सामान के लिए मांग में पर्याप्त वृद्धि हुई थी और इसलिए यह घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाला एक कारक नहीं हो सकता। इस प्रकार घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाला प्रमुख कारक संबद्ध देशों से संबद्ध पाटित सामान का उतराई मूल्य है।

झ. सामग्री क्षति का निष्कर्ष

141. उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि संबद्ध देशों से संबद्ध सामान का पाटित आयात भारत में संबद्ध सामान के उत्पादन और खपत की दृष्टि से भी पूर्ण रूप से बढ़ा है। तथापि, संबद्ध देशों से संबद्ध सामान की आयात बाजार में घरेलू उद्योग की अत्यधिक कीमत कटौती और कम विक्रय कीमतें हैं। आयात घरेलू उद्योग की कीमतों में तेजी ला रहा था। घरेलू उद्योग पर पाटित आयात के परिणामी प्रभाव के संबंध में यह पाया गया है कि संबद्ध सामान के लिए मांग में काफी वृद्धि हुई है। तथापि, घरेलू उद्योग का उत्पादन और बिक्री मांग में वृद्धि के अनुपात में नहीं बढ़ा है। इसके फलस्वरूप घरेलू उद्योग ने मांग में वृद्धि की सीमा तक अपना बाजार हिस्सा नहीं बढ़ाया। पीओआई के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा वहन की हुई हानि में वृद्धि हुई है। नियोजित पूंजी पर प्रतिफल और नकद लाभ दोनों में पीओआई में ऋणात्मक वृद्धि हुई। कीमत प्राचलों के संबंध में वृद्धि घरेलू उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव दर्शाती है। इस प्रकार अनंतिम रूप से यह निष्कर्ष निकाला गया है कि घरेलू उद्योग को भारी क्षति हुई है।

ट. आकस्मिक लिंक और अन्य कारक

142. भारी क्षित के अस्तित्व की जांच किए जाने पर इसकी कम विक्रय कीमत और कीमत तेजी प्रभाव, पाटनरोधी भारतीय नियमावली और करार के अंतर्गत सूचीबद्ध अन्य सूचक प्राचलों की दृष्टि से घरेलू उद्योग की कीमतों पर पाटित आयात के प्रभाव की यह देखने के लिए जांच की गई है कि क्या कोई अन्य कारक, पाटित आयात के अलावा, ने घरेलू उद्योग को क्षिति पहुँचाने में योगदान किया है। तद्नुसार निम्नलिखित प्राचलों की जांच की गई है:

(क) तीसरे देशों से आयातों की मात्रा एवं कीमतें

143. जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से इतर देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों की मात्रा या तो नगण्य रही है या उन पर पहले से ही पाटनरोधी शुल्क लागू है। अत: अन्य देशों से आयातों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति होने पर विचार नहीं किया जा सकता है।

(ख) व्यापार बाधाकारी प्रथाएं और विदेशी एवं घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा

144. व्यापार बाधाकारी प्रथाओं और विदेशी एवं घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा के कारण घरेलू उद्योग को क्षति होने का कोई साक्ष्य नहीं है।

(ग) मांग में कमी या खपत के पैटर्न में परिवर्तन

145. प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि के दौरान और जांच अवधि के दौरान भी उत्पाद की मांग में अत्यधिक वृद्धि प्रदर्शित हुई। अत: प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि घरेलू उद्योग को क्षति मांग में कमी के कारण नहीं है ।

(घ) प्रौद्योगिकी का विकास

146. किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने प्रौद्योगिकी में ऐसे किसी भारी परिवर्तन को दर्शाने वाला कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती हो।

(ड.) घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन

147. घरेलू और निर्यात बाजार के लिए घरेलू उद्योग के निष्पादन को अलग-अलग किया गया है। अत: निर्यात निष्पादन में कोई संभावित गिरावट घरेलू उद्योग को क्षति का कारण नहीं है।

(च) घरेलू उद्योग की उत्पादकता

- 148. जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की उत्पादकता में वृद्धि हुई है। तथापि, उसकी लाभप्रदता में गिरावट की प्रवृत्ति आई है।
- 149. उपर्युक्त से प्राधिकारी अनंतिम रूप से यह निष्कर्ष निकालते हैं कि अन्य कारकों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति होने का कोई साक्ष्य नहीं है।

ठ. कारणात्मक संबंधों को स्थापित करने वाले कारक

- 150. क्षति अवधि में घरेलू उद्योग के निष्पादन के विश्लेषण से यह प्रदर्शित होता है कि क्षति अवधि में घरेलू उद्योग के निष्पादन में काफी गिरावट आई है। निम्नलिखित आधारों पर पाटित आयातों और घरेलू उद्योग को क्षति के बीच कारणात्मक संबंध स्थापित किया गया है:
 - संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों में सापेक्ष रूप से और भारत में संबद्ध वस्तु के उत्पादन और खपत की तुलना में भी वृद्धि हुई है।
 - ii. आयातों से घरेलू उद्योग की कीमतों का ह्रास हो रहा है।
 - iii. घरेलू उद्योग के घाटों में वृद्धि हुई है। लगाई गई पूंजी पर आय और नकद लाभों में लाभों के समान ही प्रवृत्ति रही। पाटित आयातों के कारण जांच अवधि के दौरान लगाई गई पूंजी पर आय और नकद लाभों में नकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई।
 - iv. पाटित आयातों के कारण लाभ, लगाई गई पूंजी पर आय और नकद प्रवाह के संबंध में घरेलू उद्योग के वित्तीय निष्पादन में गिरावट आई है।
- 151. अत: प्राधिकारी अनंतिम रूप से यह निष्कर्ष निकालते हैं कि संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को आर्थिक क्षति हुई है।

ड. क्षति की मात्रा तथा क्षति मार्जिन

152. प्राधिकारी ने यथासंशोधित नियमावली में निर्धारित सिद्धांतों और मासिक विश्लेषण के आधार पर घरेलू उद्योग के लिए गैर-क्षतिकारक कीमत का निर्धारण किया है। इस प्रकार निर्धारित गैर-क्षतिकारक कीमत की तुलना संबद्ध देशों से आयातों के पहुंच मूल्य से की गई है। भारित औसत क्षति मार्जिन निम्नलिखित रूप में हैं:

क्र . सं.	संबद्ध देश	उत्पादक	उत्पादक निर्यातक		पहुंच मूल्य अम.डॉ./मी.ट.	क्षतिमार्जिन अम.डॉ./मी.ट	क्षति मार्जिन %	क्षति मार्जिन रेंज (%)		
चीन '	जन. गण.									
1	चीन जन गण	बीपी झुहाई कैमिकल कंपनी लि., चीन जन.गण.	बीपी एशिया लि0, हॉगकांग	***	***	***	***	5-15		
2	कोई	अन्य कोई उत्पादक	अन्य कोई निर्यातक	***	***	***	***	5-15		
			<u> </u>	इंडोनेशिया						
3	इंडोनेशिया	पीटीबीपी पैट्रोकैमिकल्स, इंडोनेशिया	बीपी एशिया लि0, हॉंगकांग	***	***	***	***	5-15		
4	कोई	अन्य कोई उत्पादक	अन्य कोई निर्यातक	***	***	***	***	25-35		
	ताइवान									
5	ताइवान	चाइना अमेरिकन पैट्रोकैमिकल कं. लि. ताइवान	बीपी एशिया लि0, हॉंगकांग	***	***	***	***	10-20		

क्र. सं.	संबद्घ देश	उत्पादक	निर्यातक	क्षति रहित कीमत अम.डॉ./मी.ट.	पहुंच मूल्य अम.डॉ./मी.ट.	क्षतिमार्जिन अम.डॉ./मी.ट	क्षति मार्जिन %	क्षति मार्जिन रेंज (%)
	ताइवान	फार्मोसा कैमिकल्स एंड	फार्मोसा कैमिकल्स एंड फाइबर	***	***	***	***	
6		फाइबर कॉर्पोरेशन, ताइवान	कॉर्पोरेशन,					10-20
			ताइवान					
	ताइवान	फार्मोसा कैमिकल्स एंड	दिनोविक पीटीई	***	***	***	***	
		फाइबर कॉर्पोरेशन,	लि0, सिंगापुर,					
7		ताइवान	मिथाइल कं लि ,					10-20
			ताइवान, इटोचू					
			कॉर्पोरेशन, जापान					
8	कोई	अन्य सभी उत्पादक	अन्य कोई निर्यातक	***	***	***	***	25-35
				ईरान				
9	कोई	अन्य सभी उत्पादक	अन्य कोई निर्यातक	***	***	***	***	5-15
				मलेशिया				_
10	कोई	अन्य सभी उत्पादक	अन्य कोई निर्यातक	***	***	***	***	5-15

ढ. <u>प्रकटन पश्चात अभ्युक्तियां :</u>

निर्यातक/आयातक/अन्य हितबद्ध पक्षकार

- 153. निर्यातक/आयातक/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित पश्च: प्रकटीकरण टिप्पणियों की वृद्धि:
 - i. प्रकटीकरण विवरण पर टिप्पणी करने के लिए प्राधिकारी द्वारा दिया गया समय बहुत कम है।
 - ii. अनुच्छेद 3.3 जाँच शुरुआत के चरण से ही अनिवार्यत: सभी संबद्ध देशों से आयात के प्रभाव का संचयी आंकन करने के लिए अधिदेशित नहीं करता। प्राधिकारी को संबद्ध देशों की पृथक जाँच शुरू करनी चाहिए और उसके संबंध में घरेलू उद्योग निर्धारित करना चाहिए।
 - iii. आरआईएल "अनुचित व्यापार में भागीदार" नहीं है क्योंकि यह एक व्यापारी में परिवर्तित नहीं हुआ है अथवा अन्यथा व्यवहार किया है जो इसके अपवर्जन को अधिदेशित करता है।
 - iv. एमसीपीआई ने अपने संबद्ध निकाय द्वारा संबद्ध देशों से आयात नहीं किए जाने की पुष्टि की है। केवल विवरण को विश्वसनीय प्रमाण नहीं माना जा सकता।
 - v. एमसीपीआई द्वारा वहन की गई क्षति इसके दोषपूर्ण उत्पादन लाइन के कारण दर्शाती है, और आरआईएल तथा आईओसीएल जिन्होंने वहन की गई कोई क्षति नहीं दर्शाई है, दोनों के लिए केवल विषमता है। निर्दिष्ट प्राधिकारी को अपने निर्धारण यहाँ तक कि अपनी जाँच को समाप्त करने की लागत पर तथा एक और जाँच शुरू करने पर पुनर्विचार करना चाहिए।
 - vi. डीजीसीआईएंडएस द्वारा अनुरोध किए गए प्रपत्र में उपलब्ध नहीं कराए गए हैं। इसके अतिरिक्त, आईओसीएल डाटा उपलब्ध नहीं कराए गए हैं। विश्वसनीय आंकड़े, जिन पर इस प्रकार का महत्वपूर्ण निष्कर्ष निकाला जा रहा है, की जाँच के लिए पूरा अवसर अनिवार्यतः दिया जाए।

vii. मैसर्स हेंग्ली पेट्रोकेमिकल (डालियान) कंपनी लिमिटेड, चीन (हेंग्ली) और मैसर्स ह्योसंग कारपोरेशन, कोरिया (ह्योसंग) ने जाँच शुरू करने के पश्चात् समय-सीमा के भीतर और प्रारंभिक निष्कर्ष जारी होने से पूर्व प्रस्तुत किए हैं। तथापि, ह्योसंग ने प्रश्नावली उत्तर में गोपनीयता कारणों की वजह से हेंग्ली द्वारा विनिर्मित वस्तुओं के भारत को निर्यात का ब्यौरा शामिल नहीं किया। हेंग्ली के लिए वैयक्तिक पाटन मार्जिन का गैर-निर्धारण कानून के अनुसार नहीं है।

घरेलू उद्योग

- 154. घरेलू उद्योग द्वारा की गई पश्च: प्रकटीकरण टिप्पणियां निम्निखित हैं:
 - पाटनरोधी शुलक भूतलक्षी प्रभाव से लगाया जाना चाहिए। भूतलक्षी प्रभाव से पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए निर्धारित प्राचल वर्तमान मामले में पूरी तरह से लागू हैं।
 - णाटनरोधी शुल्क पाटन मार्जिन की पूरी सीमा तक लगाया जाना चाहिए और क्षित मार्जिन तक सीमित नहीं
 किया जाना चाहिए। अंतरिम पाटनरोधी शुल्क लगाने के बाद भी आयात की मात्रा काफी बढ़ी है।
 उपभोक्ताओं के निष्पादन में भी पर्याप्त सुधार हुआ है।
 - iii. पाटन मार्जिन उस समय तक निर्धारित नहीं किए जाने चाहिए और निर्धारित नहीं किए जा सकते जब तक कि उत्पादन से संबंधित सभी निकाय और संबद्ध उत्पाद की बिक्री प्राधिकारी के समक्ष यहाँ तक कि कुछ निकाय असंबद्ध हैं।
 - iv. जहाँ कहीं प्रश्नाविलयों के उत्तर काफी कम हैं उन्हें प्राधिकारी द्वारा अस्वीकृत कर दिया जाना चाहिए। उक्त सूचना उपलब्ध कराने का अवसर हो तो प्रश्नावली के पर्याप्त कमी वाले उत्तर को पूरा करने के लिए प्रयोग नहीं किया जा सकता।
 - v. एमसीपीआई की कार्यचालन पूंजी को चालू देयताओं से ब्याजयुक्त खरीद को बाहर किए बिना ऋणात्मक निर्धारित किया गया है। ब्याजयुक्त किसी ऋण सहित यदि वर्तमान देयताएं हैं तो उन्हें कार्यचालन पूंजी निर्धारित करने के लिए देयताओं से बाहर रखा जाना चाहिए।
 - vi. नियमों में अचल परिसंपत्तियों के पूनर्मुल्यांकन के प्रभाव को छोड़ देने का भी प्रावधान है। प्राधिकारी को परिसंपत्तियों के मूल मूल्य के आधार पर नियोजित पूंजी पर आय पर विचार करना चाहिए और परिसंपत्तियों की क्षति द्वारा उसे कम नहीं करना चाहिए।
 - vii. गैर-क्षित कीमत का निर्धारण अनुपयुक्त है और रिलायंस इंडस्ट्रीज बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी के मामले में उच्चतम न्यायालय द्वारा की गई व्याख्या के अनुसार पाटन कानून अभिप्राय और आशय के विरुद्ध हैं।
 - viii. निर्धारित क्षति मार्जिन इस कारण से कम बताया गया है कि एनआईपी और आयात कीमत के बीच तुलना अनुचित है क्योंकि दो आंकड़े एक स्तर पर नहीं हैं। घरेलू उद्योग और विदेशी उत्पादकों के बीच ऋण अवधि में अंतर है और क्षति मार्जिन निर्धारित करते समय इसे ध्यान में नहीं रखा गया है।
 - ix. पाटन का मार्जिन, उस कीमत जिस पर वस्तुओं का निर्यात किया गया है, को ध्यान में रखते हुए उससे अधिक होना चाहिए जो प्रकटीकरण विवरण में निर्धारित किया गया है और जाँच अवधि के दौरान वस्तुओं के उत्पादन की लागत के औचित्यपूर्ण स्तर और पैराक्सलीन के मूल्यांकन के लिए भी किया जाना चाहिए।
 - x. पीओआई के पश्चात् आयात कीमत में अत्यधिक गिरावट को ध्यान में रखते हुए शुल्क के रूप में संयोजन अनुशंसित करने की आवश्यकता है। प्राधिकारी एक बेंचमार्क निर्धारित कर सकते हैं और विनिर्दिष्ट कर

सकते हैं कि शुल्क की मात्रा, शुल्क की कितपय न्यूनतम मात्रा के अध्यधीन आयात के बेंचमार्क और उतराई कीमत के बीच अंतर होना चाहिए।

xi. शुल्क यूएस\$ की दृष्टि से लगाया जाना चाहिए क्योंकि रुपये में काफी तेजी से अवमूल्यन हो रहा है। भारतीय रुपये के अवमूल्यन में कच्ची सामग्रियों की लागत, निकायों और अन्य लागतों पर प्रभाव डाला है।

प्राधिकारी द्वारा जाँच

- 155. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा की गई पश्च: प्रकटीकरण टिप्पणियां उनके पूर्ववर्ती अनुरोधों की पुनरावृत्ति है। लागत की पुनरावृत्ति होते हुए भी प्राधिकारी संगत मानी गई निम्नलिखित टिप्पणियों की जाँच करता है:
 - इस अनुरोध के संबंध में कि प्रकटीकरण टिप्पणियों के लिए प्राधिकारी द्वारा दिया गया समय अपर्याप्त है,
 प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी जाँच समयबद्ध है और प्रकटीकरण विवरणों के संबंध में टिप्पणियां देने के लिए हितबद्ध पक्षकार की उचित समय दिया गया है।
 - ii. कितपय विरोधी हितबद्ध पक्षकारों का यह तर्क कि संबद्ध देशों की हैसियत से पृथक जाँच शुरू की जानी होगी और उसके संबंध में घरेलू उद्योग ने निर्धारित किया है कि, प्राधिकारी एक बार पुन: नोट करते हैं कि जब पाटनरोधी जाँच में एक से अधिक देश शामिल हैं और पाटित आयात घरेलू उद्योग को क्षिति के लिए कथित रूप से उत्तरदायी है। क्षिति विश्लेषण संचयी तरीके से किया जाना होगा।
 - iii. इस अनुरोध के संबंध में आरआईएल "अनुचित व्यापार में भागीदार" नहीं है क्योंकि यह एक व्यापारी में परिवर्तित नहीं हुआ है अथवा अन्यथा व्यवहार किया है जो इसके अपवर्जन को अधिदेशित करता है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह मुद्दा प्रकटीकरण चरण पर स्पष्ट रूप से और पर्याप्त ढंग से देखा गया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड को मलेशिया में कोई संबद्ध निकाय होने के कारण प्रारंभिक चरण पर ही घरेलू उद्योग के क्षेत्राधिकार से बाहर कर दिया गया है जो उक्त देश में संबद्ध उत्पाद का न केवल अकेला उत्पादक है बल्कि पीओआई के दौरान इसने भारत को संबद्ध उत्पाद का काफी मात्रा में निर्यात भी किया है।
 - iv. इस अनुरोध के संबंध में एमसीपीआई को, उनके संबंधित निकायों द्वारा संबद्ध देशों से आयात नहीं होने के कारण जाँच करनी चाहिए, प्राधिकारी नोट करते हैं कि विरोधी हितबद्ध पक्षकारों के आरोपों की भी जाँच की जा सकती है। अन्य बातों के होते हुए प्राधिकारी नोट करते हैं कि उपलब्ध सूचना के अनुसार निंग्बो एमसीसी, चीन और पीटी एमसी, इंडोनेशिया एमसीसी पीटीए इंडिया कारेपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड के संबंधित पक्षकारों ने पीओआई के दौरान भारत को संबद्ध पक्षकारों का कोई निर्यात नहीं किया है।
 - v. इस अनुरोध के संबंध में कि एमसीपीआई द्वारा वहन की गई क्षति इसकी दोषपूर्ण उत्पादन लाइन के कारण दर्शाती है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग के लिए गैर क्षति कीमत पर इस प्रकार के सभी घटकों को ध्यान में रखने के पश्चात् एडी नियमावली के **अनुबंध-III** की शर्तों के अनुसार निर्धारित की गई है।
 - vi. इस अनुरोध के संबंध में कि विश्वसनीय आंकड़े उपलब्ध नहीं कराए गए हैं प्राधिकारी नोट करते हैं कि लेन-देनवार डीजीसीआईएंडएस आयात आंकड़ों में कारोबार संबंधी संवेदनशील गोपनीय सूचना है और इसलिए उक्त आंकड़े प्रकट नहीं किए जा सकते। तथापि, घरेलू उद्योग ने दिनांक 16.10.2015 के पत्र के तहत उक्त आंकड़ों के अगोपनीय वर्जन प्रस्तुत किया है और उसे पब्लिक फाइल में लगा लिया गया है। हितबद्ध पक्षकारों को आईओसीएल डाटा उपलब्ध कराने के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि 01.06.2016 की

स्थिति के अनुसार आईओसीएल ने गोपनीय आधार पर पीओआई के दौरान पीयूसी के उत्पादन, बिक्री और लाभप्रदता से संबंधित कुछ आंकड़े उपलब्ध कराए हैं। उक्त आंकड़े गोपनीय के स्वरूप होने को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी नियमावली के अनुसार उन्हें प्रकट नहीं कर सकते। इसके अतिरिक्त वर्तमान जाँच में क्षिति विश्लेषण के लिए प्राधिकारी द्वारा उक्त आंकड़ों पर विचार नहीं किया गया है।

- vii. प्रकटीकरण के पश्चात् मैसर्स ह्योसंग कारपोरेशन, कोरिया ने अभी स्वीकार किया है कि उन्होंने गोपनीयता कारणों की वजह से निर्धारित समय-सीमा के भीतर हेंग्ली, चीन से संबंधित संबद्ध उत्पाद के निर्यात के संबंध में निर्यातकों की प्रश्नावली के उत्तर फाइल नहीं किए। इस संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी जाँच समयबद्ध प्रक्रिया होने के कारण न तो प्राधिकारी की ओर से वांछनीय है और न ही व्यवहार्य है कि निर्यातकों की प्रश्नावली के उत्तर इस प्रकार की देरी से स्वीकार करे और कार्रवाई करे।
- viii. घरेलू उद्योग के अनुरोध के संबंध में कि पाटनरोधी शुल्क भूतलक्षी प्रभाव से लगाया जाना चाहिए। प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान मामले में भूतलक्षी प्रभाव से शुल्क लगाना इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए औचित्यपूर्ण नहीं है कि यह बड़े पैमाने पर पाटन का मामला नहीं है। याचिकाकर्ताओं ने पाटनरोधी नियमावली के तहत निर्धारित अपेक्षाओं के आधार पर पाटनरोधी शुल्क भूतलक्षी प्रभाव से लगाने के लिए अपना दावा प्रमाणित नहीं किया है।
- ix. घरेलू उद्योग के इस तर्क के संबंध में कि पाटनरोधी शुल्क पाटन मार्जिन की पूरी सीमा तक लगाया जाना चाहिए। प्राधिकारी नोट करते हैं कि भारत कम शुल्क नियमावली का पालन करता है और तदनुसार कम पाटन मार्जिन और क्षति का मार्जिन अनुशंसित किया जा रहा है ताकि घरेलू उद्योग के लिए क्षति को समाप्त किया जा सके।
- x. गैर क्षित कीमत (एनआईपी) के निर्धारण से संबंधित घरेलू उद्योग के अनुरोधों के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि एनआईपी की गणना के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश पाटनरोधी नियमावली के **अनुबंध-III** के तहत निर्धारित हैं और वर्तमान जाँच में एनआईपी निर्धारित करते समय उन्हें ही अपनाया गया है।
- xi. शुल्क के फार्म से संबंधित घरेलू उद्योग के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी नियमावली के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी का अधिदेश निर्दिष्ट पाटन के अस्तित्व, मात्रा और प्रभाव को निर्धारित करना तथा पाटनरोधी शुल्क की मात्रा की अनुशंसा करना है जोकि लगाया जाता है तो घरेलू उद्योग की क्षिति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगा। तदनुसार, पाटनरोधी उपायों के फार्म की उपयुक्तता मामले के तथ्यों पर विचार करते हुए निर्धारित की जाती है।

ण. निष्कर्ष

- 156. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए मुद्दों और उनके अभ्यावेदनों तथा इस जांच की प्रक्रिया में दर्ज किए गए के अनुसार प्राधिकारी के पास उपलब्ध तथ्यों की जांच करने के बाद प्राधिकारी अनंतिम रूप से निष्कर्ष निकालते हैं कि:
 - क. संबद्ध देशों से भारत को सामान्य से कम मूल्य पर विचाराधीन उत्पाद का निर्यात किया गया है जिसके परिणामस्वरूप पाटन हुआ है।
 - ख. संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद के पाटन के कारण घरेलू उद्योग को आर्थिक क्षति हुई है।
 - मंबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण आर्थिक क्षित हुई है।

त. भारतीय उद्योग के हित और अन्य मुद्दे

157. प्राधिकारी नोट करते हैं कि सामान्य रूप से पाटनरोधी शुल्कों का उद्देश्य पाटन की अनुचित प्रथाओं से घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली और उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति बहाल की जा सके जो देश के सामान्य हित में है। पाटनरोधी उपायों के अधिरोपण से किसी भी प्रकार से संबद्ध देशों से आयात बाधित नहीं होंगे, और, इसीलिए उपभोक्ताओं के लिए उत्पादों की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।

158. यह माना गया है कि पाटनरोधी शुल्कों के अधिरोपण से संबद्ध वस्तु का प्रयोग करके विनिर्मित किए जाने वाले उत्पादों का कीमत स्तर प्रभावित होगा और परिणामस्वरूप इन उत्पादों की तुलनात्मक प्रतिस्पर्धात्मकता पर कुछ प्रभाव पड़ेगा। तथापि, पाटनरोधी उपायों के अधिरोपण से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा में कमी नहीं होगी, विशेष रूप से यदि पाटनरोधी शुल्क उस राशि तक सीमित रहे जो घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त हो। इसके विपरीत, पाटनरोधी शुल्क के अधिरोपण से घरेलू उद्योग का हास रूकेगा और संबद्ध वस्तु के उपभोक्ताओं के लिए अधिक विकल्प उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी। पाटनरोधी उपायों के अधिरोपण से किसी भी प्रकार से संबद्ध देशों से आयात बाधित नहीं होंगे, और, इसीलिए उपभोक्ताओं के लिए उत्पादों की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।

थ. सिफारिशें

- 159. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच की शुरूआत की सूचना सभी हितबद्ध पक्षकारों को दी गई थी और निर्यातकों, आयातकों तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पाटन, क्षित एवं कारणात्मक संबंधों के पहलू पर सकारात्मक सूचना प्रदान करने के पर्याप्त अवसर प्रदान किए गए थे। पाटनरोधी नियमों में निर्धारित प्रावधानों के अनुसार पाटन, क्षित और कारणात्मक संबंधों की जांच शुरू करने एवं उसे पूरा करने तथा सकारात्मक पाटन मार्जिन और ऐसे पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को आर्थिक क्षित का निर्धारण करने के बाद प्राधिकारी का यह मत है कि पाटन एवं क्षित को समाप्त करने के लिए एक निश्चित पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की आवश्यकता है। अत: प्राधिकारी यह आवश्यकत समझते हैं और सिफारिश करते हैं कि दिनांक 10 दिसंबर, 2015 की अधिसूचना सं0 60/2015-सी.शु. (एडीडी) द्वारा केन्द्र सरकार द्वारा अनंतिम शुल्क लगाए जाने की अधिसूचना के जारी होने की तारीख से इसमें उल्लिखित तरीके और रूप में संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयात पर पाटनरोधी शुल्क लगाया जाए।
- 160. प्राधिकारी द्वारा अपनाए जाने वाले कमतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकारी पाटन मार्जिन और क्षिति मार्जिन में से कमतर के समतुल्य पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षित को समाप्त किया जा सके। तदनुसार, संबद्ध देशों अर्थात चीन जन. गण., इंडोनेशिया तथा मलेशिया तथा ताइवान, के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर अनंतिम शुल्क लगाए जाने की तारीख से नीचे दी गई तालिका के कॉलम 8 में उल्लिखित राशि के बराबर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश की जाती है।

शुल्क तालिका

क्र.सं.	शीर्ष/उप शीर्ष	वस्तु का विवरण	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल ्क राशि	इकाई	मुद्रा
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1.	29173600	प्युरीफाईड टेरेफेथेलिक एसिड	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	बीपी झुहाई कैमिकल कंपनी लि0, चीन जन गण	बीपी एशिया लि., हांगकांग	95.70	मी.ट	अम.डॉ.
2.	-वही-	-वही-	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.		खित क्र.सं. 1 से कोई संयोजन	97.60	मी.ट	अम.डॉ.
3.	-वही-	-वही-	चीन जन.गण.	पाटनरोधी शुल्क के तहत रखे गए देशों से इतर कोई भी देश	कोई	कोई	97.60	मी.ट	अम.डॉ.
4.	-वही-	-वही-	पाटनरोधी शुल्क के तहत रखे गए देशों से इतर कोई भी देश	चीन जन.गण.	कोई	कोई	97.60	मी.ट	अम.डॉ.

क्र.सं.	शीर्ष/उप शीर्ष	वस्तु का विवर ण	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क राशि	इकाई	मुद्रा
5.	-वही-	-वही-	इंडोनेशिया	इंडोनेशिया	पीटीबीपी पैट्रोकैमिकल्स, इंडोनेशिया	बीपी एशिया लि., हांगकांग	83.08	मी.ट	अम.डॉ.
6.	-वही-	-वही-	इंडोनेशिया	इंडोनेशिया		ाखित क्र.सं. 5 से कोई संयोजन	168.76	मी.ट	अम.डॉ.
7.	-वही-	-वही-	इंडोनेशिया	पाटनरोधी शुल्क के तहत रखे गए देशों से इतर कोई भी देश	कोई	कोई	168.76	मी.ट	अम.डॉ.
8.	-वही-	-वही-	पाटनरोधी शुल्क के तहत रखे गए देशों से इतर कोई भी देश	इंडोनेशिया	कोई	कोई	168.76	मी.ट	अम.डॉ.
9.	-वही-	-वही-	ताइवान	ताइवान	चाइना अमेरिकन पैट्रोकैमिकल कं. लि., ताइवान	बीपी एशिया लि., हांगकांग	136.72	मी.ट	अम.डॉ.
10.	-वही-	-वही-	ताइवान	ताइवान	फर्मोसा कैमिकल्स एंड फाइबर कॉपेरिशन ताइवान	फर्मोसा कैमिकल्स एंड फाइबर कॉपरिशन ताइबान, दिनोविक पीटीई लि., सिंगापुर मिथइल कंपनी लि., ताइबान इटोचू कार्पोरेश,	85.87	मी.ट	अम.डॉ.
11.	-वही-	-वही-	ताइवान	ताइवान	तथा 10 से इ	लखित क्र.सं. 9 इतर अन्य कोई ोजन	153.60	मी.ट	अम.डॉ.
12.	-वही-	-वही-	ताइवान	पाटनरोधी शुल्क के तहत रखे गए देशों से इतर कोई भी देश	कोई	कोई	153.60	मी.ट	अम.डॉ.
13.	-वही-	-वही-	पाटनरोधी शुल्क के तहत रखे गए देशों से इतर कोई भी देश	ताइवान	कोई	कोई	153.60	मी.ट	अम.डॉ.
14.	-वही-	-वही-	ईरान	ईरान	कोई	कोई	102.86		अम.डॉ.
15.	-वही-	-वही-	ईरान	पाटनरोधी शुल्क के तहत रखे गए देशों से इतर कोई भी देश	कोई	कोई	102.86	मी.ट	अम.डॉ.

क्र.सं.	शीर्ष/उप शीर्ष	वस्तु का विवरण	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क राशि	इकाई	मुद्रा
16.	-वही-	-वही-	पाटनरोधी शुल्क के तहत रखे गए देशों से इतर कोई भी देश	ईरान	कोई	कोई	102.86	मी.ट	अम.डॉ.
17.	-वही-	-वही-	मलेशिया	मलेशिया	कोई	कोई	98.48	मी.ट	अम.डॉ.
18.	-वही-	-वही-	मलेशिया	पाटनरोधी शुल्क के तहत रखे गए देशों से इतर कोई भी देश	कोई	कोई	98.48	मी.ट	अम.डॉ.
19.	-वही-	-वही-	पाटनरोधी शुल्क के तहत रखे गए देशों से इतर कोई भी देश	मलेशिया	कोई	कोई	98.48	मी.ट	अम.डॉ.

द आगे की प्रक्रिया

- 161. उपर्युक्त के अध्यधीन चीन जनवादी गणराज्य, ईरान, इंडोनेशिया, मलेशिया और ताइवान के संबंध में दिनांक 12 नवंबर, 2015 की समसंख्यक अधिसूचना द्वारा अधिसूचित प्राथमिक जांच परिणामों की एतद्वारा पुष्टि की जाती है।
- 162. इस सिफारिश के कारण केन्द्र सरकार के आदेशों के विरूद्ध की जाने वाली कोई भी अपील इस अधिनियम के संगत प्रावधानों के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय प्राधिकरण के समक्ष दायर की जा सकेगी।

ए. के. भल्ला, अपर सचिव एवं निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 9th June, 2016

FINAL FINDINGS

Subject: Anti-dumping investigation concerning imports of 'Purified Terephthalic Acid' (PTA), originating in or exported from China PR, Iran, Indonesia, Malaysia & Taiwan.

No. 14/8/2015-DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975, as amended from time to time (hereinafter also referred to as the Act), and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, as amended from time to time, (hereinafter also referred to as the Rules) thereof;

A. Background of the case

2. Whereas M/s MCC PTA India Corp. Pvt. Ltd (MCPI), and M/s Reliance Industries Limited (RIL) (hereinafter also referred to as the applicants) jointly filed an application before the Designated Authority (hereinafter also referred to as the Authority) in accordance with the Customs Tariff Act, 1975, as amended from time to time (hereinafter also referred to as the Act), and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, as

amended from time to time (hereinafter also referred to as the Rules), for initiation of anti-dumping investigation concerning imports of Purified Terephthalic Acid (hereinafter also referred to as the subject goods or PTA), originating in or exported from China PR, Iran, Indonesia, Malaysia & Taiwan (hereinafter also referred to as the subject countries), alleging dumping and consequent injury and requested for levy of anti-dumping duties on the imports of the subject goods, originating in or exported from the subject countries. The application was supported by M/s Indian Oil Corporation Limited (IOCL), another producer of the subject goods in the country.

- 3. And whereas, the Authority on the basis of sufficient evidence, submitted in the above stated application issued a public notice vide Notification No.14/8/2015-DGAD dated 18th June, 2015 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating the present investigation in accordance with the sub Rule 5 of the Rules, to determine the existence, degree and effect of the alleged dumping and to recommend the amount of anti-dumping duty, which, if levied, would be adequate to remove the injury to the domestic industry. Although a joint application was filed by M/s MCC PTA India Corp. Pvt. Ltd (MCPI), and M/s Reliance Industries Limited (RIL), since M/s Reliance Industries Ltd has a subsidiary company in Malaysia which exported significant volume of subject goods to India during the POI, the Authority did not consider it appropriate to accept Reliance Industries Ltd as an eligible domestic industry in terms of Rule 2(b) of the Anti-dumping Rules. In the initiation notification, the Authority held that M/s MCC PTA India Corp. Pvt. Ltd (hereinafter also referred to as the applicant) constituted domestic industry within the meaning of Rule 2 (b) of the Anti-dumping Rules as eligible domestic industry and the application, after excluding M/s Reliance Industries Ltd, satisfied the criteria of standing in terms of Rule 5 (3) of the Rules supra.
- 4. And whereas, the Designated Authority having regard to the Act and the Rules, issued the preliminary findings vide Notification No.14/8/2015-DGAD dated 12th November, 2015, recommending imposition of provisional anti-dumping duties on the imports of the subject goods, originating in or exported from the subject countries. Accordingly, the Central Government vide Notification No.60/2015-Customs dated 10th December, 2015 imposed provisional anti-dumping duties on imports of the subject goods, originating in or exported from the subject countries. Presently, the imports of the subject goods, originating in or exported from Korea RP and Thailand, also attract anti-dumping duty.

A. <u>PROCEDURE</u>

- 5. The procedure described herein below has been followed by the Authority with regard to the subject investigation:
 - i. The Authority notified the embassies/representatives of the subject countries in India about the receipt of the present anti-dumping application before proceeding to initiate the investigation in accordance with Sub-Rule (5) of Rule 5 supra.
 - ii. The Authority sent a copy of the initiation notification dated 18th June, 2015 to the embassies/representatives of the subject countries in India, known producers/exporters from the subject countries, known importers/users and the domestic industry as per the addresses made available by the applicants and requested them to make their views known in writing within 40 days of the initiation notification.
 - iii. The Authority provided a copy of the non-confidential version of the application to the known producers/exporters and to the embassies/representatives of the subject countries in India in accordance with Rule 6(3) of the Rules supra.
 - iv. The embassies/representatives of the subject countries in India were informed about the initiation of the investigation in accordance with Rule 6(2) of the Rules with a request to advise the exporters/producers from their countries to respond to the questionnaire within the prescribed time limit. A copy of the letter and questionnaire sent to the producers/exporters was also sent to them along with the names and addresses of the known producers/exporters from the subject countries.
 - v. The Authority sent exporter's questionnaires (EQ) to elicit relevant information to the following known producers/exporters in the subject countries in accordance with Rule 6(4) of the Rules:
 - a. BP Zhuhai Chemical Co. Ltd, China PR
 - b. Xianglu Petrochemicals Co., Ltd, China PR

- c. Jiaxing Petrochemical Co., Ltd., China PR
- d. Zhejiang Yisheng Petrochemical Co., Ltd., China PR
- e. Zhejiang Yuandong Petrochemical, China PR
- f. Yisheng Dahua Petrochemical Co., Ltd., China PR
- g. Hengli Petrochemical, China PR
- h. Jinan Shijitongda Chemical Co., Ltd., China PR
- i. Shahid Tondgooyan Petrochemical Company, Iran
- j. Petrochemical Commercial Company(PCC), Iran
- k. Malaysian Petrochemicals Association (MPA), Malaysia
- 1. Amoco Chemical, Malaysia
- m. RP Chemicals (Malaysia) Sdn. Bhd, Malaysia
- n. BP Taiwan Marketing Limited, Taiwan
- o. China American Petrochemical Co., Ltd (CAPCO), Taiwan
- p. Formosa BP Chemicals Corporation (FBPC), Taiwan
- q. PT Amoco Mitsui PTA (AMI), Indonesia
- r. PT Asia Pacific Fibers Tbk, Indonesia
- s. PT Indorama Petrochemicals, Indonesia
- vi. The following producers/exporters from the subject countries filed exporters questionnaire response in the prescribed format:
 - a. Xianglu Petrochemicals Co. Ltd., China PR.
 - b. Xianglu Petrochemicals (Zhangzhou) Co. Ltd. China PR.
 - c. BP Zhuhai Chemical Company Limited, China PR.
 - d. Yisheng Dahua Petrochemical Co., Ltd, China PR.
 - e. Zhejiang Yisheng Petrochemical Co., Ltd, China PR.
 - f. Hainan Yisheng Petrochemical Co., Ltd, China PR.
 - g. Ningbo Hengyi Trading Co., Ltd, China PR.
 - h. Hengli Petrochemical (Dalian) Co., Ltd., China PR.
 - i. HongkongTianyi International Holding Company Limited, Hongkong.
 - j. BP Asia Ltd, Hongkong.
 - k. Oriental Petrochemicals (Taiwan) Co. Ltd, Taiwan.
 - 1. Formosa Chemicals & Fibre Corporation, Taiwan.
 - m. Methyl Company Limited, Taiwan.
 - n. Itochu Taiwan Corporation, Taiwan (Sourced from Sourced from Oriental Petrochemical Taiwan Co Ltd, Taiwan).
 - o. China American Petrochemical Co., Ltd (CAPCO), Taiwan.
 - p. Dinowic Pte. Ltd., Singapore (Sourced from Formosa Chemicals & Fibre Corporation, Taiwan).
 - q. Mitsui & CO., Ltd, Japan (Sourced from Oriental Petrochemical Taiwan Co Ltd, Taiwan).
 - r. Daewoo International Corporation, Korea.
 - s. SK Networks Co. Ltd., Korea (Sourced from Oriental Petrochemical Taiwan Co Ltd, Taiwan.)

- t. Hyosung Corporation, Korea.
- u. SK Networks Co. Ltd., Korea (Sourced from Zhejiang Yisheng Petrochemical Co., Ltd, Yisheng Dahua Petrochemical Co., Ltd and Hainan Yisheng Petrochemical Co., Ltd China PR)
- v. PT. BP Petrochemicals, Indonesia.
- w. Recron (Malaysia) Sdn. Bhd, Malaysia.
- vii. The following producers/exporters from China PR filed Market Economy Treatment (MET) questionnaire response and claimed MET:
 - a. Zhejiang Yisheng Petrochemical Co. Ltd.
 - b. Ningbo Hengyi Trading Co. Ltd.
 - c. Yisheng Dahua Petrochemical Co. Ltd.
 - d. Hainan Yeshing Petrochemical Co. Ltd.
- viii. The Authority sent Importer's Questionnaires to the following known importers/users of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the Rules:
 - a. Wellknown Polyster Ltd., Mumbai
 - b. JBF Industries Ltd., Mumbai
 - c. Alok Industries Ltd., Mumbai
 - d. Indo Rama Synthetics (India) Ltd., Gurgaon, Haryana
 - e. The Bombay Dyeing & Mfg. Company Ltd., Mumbai
 - f. Dhunseri Petrochem & Tea Ltd., Kolkata
 - g. Garden Silk Mills Ltd., Mumbai
 - h. Filatex India Ltd., New Delhi
 - i. Jindal Poly Films Ltd., New Delhi
 - j. Nakoda Ltd., Mumbai
 - k. Sumeet Industries Ltd., Surat
 - 1. Association of Synthetic Fiber Industry (ASFI), New Delhi.
 - m. PTA Users Association of India, New Delhi.
 - n. Easter Industries Ltd, Gurgaon, Haryana
 - o. Polyplex Corpn Ltd, G. B. Nagar, UP
 - ix. The following importers/users filed importer's questionnaire response in the prescribed format:
 - a. The Bombay Dyeing & Manufacturing Co. Ltd.
 - b. JBF Industries Ltd.
 - c. Indo-Rama Synthetics (India) Ltd.
 - d. Filatex India Ltd.
 - x. Post-initiation, submissions have also been made by the domestic industry and other interested parties namely PTA Users Association on behalf of importers/users.
 - xi. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties.
 - xii. The petitioner had submitted the petition alleging dumping of the subject goods from the subject countries relying upon transaction wise imports data sourced from the DGCI&S and IBIS. The petitioner has relied upon import data provided by DGCI&S till February 2015 and IBIS for March, 2015 due to unavailability of DGCI&S data beyond February 2015 at the time of filing the petition.

- The Authority has relied upon the said imports data provided by the petitioner for the purpose initiation of the present investigation.
- xiii. Post initiation, request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to provide details of imports of subject goods for the past three years, including the period of investigation. The Authority has relied upon DGCI&S data in the preliminary findings as well as final findings.
- xiv. The Non-injurious Price based on the cost of production and cost to make & sell the subject goods in India based on the information furnished by the domestic industry on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and Annexure III to the Anti-dumping Rules has been worked out so as to ascertain whether anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the Domestic Industry.
- xv. Information provided by the domestic industry was verified by the Authority to the extent considered necessary. Only such verified information with necessary rectification, wherever applicable, has been relied upon for the purpose of present final finding.
- xvi. The Period of Investigation for the purpose of the present investigation is from 1st April 2014 to 31st March 2015 (12Months). The injury investigation period has however, been considered as the period from 1st April 2011 to the end of the POI, i.e., 2011-12, 2012-13, 2013-14 and POI.
- xvii. In accordance with Rule 6(6) of the Anti-Dumping Rules, the Authority also provided opportunity to all the known interested parties to present their views orally in a public hearing held on 4th February, 2016. The parties, which presented their views in the public hearing, were requested to file written submissions of the views expressed orally. The interested parties were advised to file written submission and rejoinder submission.
- xviii. The submissions made by the domestic industry and other interested parties during the course of the investigation and considered relevant have been examined and addressed by the Authority in this final finding.
- xix. Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigation, or has significantly impeded the investigation, the Authority considered such interested parties as non-cooperative and recorded this final finding on the basis of the facts available.
- xx. Information provided by interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claims. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis and the same were kept in the public file maintained by the Authority as per the Rules.
- xxi. In accordance with Rule 16 of Rules Supra, the essential facts of the investigation were disclosed to the known interested parties vide disclosure statement dated 2nd June, 2016 and comments received thereon, considered relevant by the Authority, have been addressed in this final finding.
- xxii. *** in this final finding represents information furnished by an interested party on confidential basis, and so considered by the Authority under the Rules.
- xxiii. The exchange rate adopted by the Authority for the subject investigation is 1 US \$ = Rs.61.69.

B. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE

6. The Product under Consideration (PUC) in the present investigation is Purified Terephthalic Acid (PTA), including its variants - Medium Quality Terephthalic Acid (MTA) and Qualified Terephthalic Acid (QTA). Purified Terephthalic Acid (PTA) is a white, free flowing crystalline powder, free from any visual contamination. Terephthalic Acid is an organic compound whose chemical formula is C6H4 (COOH)2. It sublimes at 402oC and is poorly soluble in water and alcohol. PTA is the primary raw material for the manufacturing of polyester chips which in turn is used in a number of applications in textiles, packaging, furnishings, consumer goods, resins and coatings. Since QTA, MTA and PTA are chemically the same

product and further since they are interchangeably used, the scope of the product under consideration covers QTA and MTA as well. As claimed by the applicants and not disputed by interested parties, Di-Methyl Terephthalate (DMT) is chemically a different product and therefore not covered in the scope of the product under consideration. The product under consideration is classified under subheading 29173600 of the Customs Tariff Act. However, the customs classification is indicative only and in no way it is binding on the scope of the present investigation.

Submissions made by the Domestic industry

- 7. The submissions made by the domestic industry and considered relevant by the Authority with regard to product under consideration and like articles are as follows:
- i) The product under consideration in the present petition is Purified Terephthalic Acid, including its variants Medium Quality Terephthalic Acid (MTA) and *Qualified Terephthalic Acid* (QTA).
- ii) PTA is a white, free-flowing crystalline powder free from any visual contamination. Terephthalic acid is an organic compound whose chemical formula is C₆H₄(COOH)₂. It sublimes at 402°C and is poorly soluble in water and alcohols.
- iii) It is classified under subheading 29173600 of the Customs Tariff Act.
- iv) PTA is a primary raw material in the manufacture of polyester chips which in turn has number of applications in textiles, packaging, furnishings, consumer goods, resins and coatings.
- v) MTA and QTA are chemically the same as PTA. The only difference between PTA, MTA and QTA is in the level of impurities present in the QTA and MTA. PTA, MTA & QTA are produced using the same production technology, plant & equipment, manufacturing process, raw materials. The three perform the same function. These fall under same customs classifications. In fact, producer such as SK Chemical produces MTA, but literature states PTA.
- vi) Although PTA and Di-Methyl Terephthalate (DMT) are interchangeably used in some applications, DMT is a chemically different product than PTA. The production technology, manufacturing process, plant & equipment, raw materials, technical specifications of DMT and PTA are different. DMT cannot replace/substitute PTA in all the applications.
- vii) There is no production of DMT in India, nor there import of DMT in India.
- viii) The product scope does not cover DMT, there being no imports into India and no production in India.
- ix) Since QTA, MTA and PTA are chemically the same product and further since they are interchangeably used, the scope of the product under consideration covers QTA and MTA as well.
- x) The subject goods produced by the domestic industry and that imported from subject countries are comparable in terms of characteristics such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable. The consumers are using the two interchangeably. The consumers importing the product under consideration have also purchased the same from the domestic industry. Therefore, the subject goods produced and supplied by the applicant are like article to the product under consideration imported from subject countries.

Submissions made by Exporters, Importers, Users and other Interested Parties

8. No relevant submission has been made by the exporters, importers, users and other interested parties with regard to product under consideration and like article.

Examination of the Authority

- 9. The submissions made by the interested parties with regard to the scope of product under consideration and considered relevant by the Authority are examined and addressed as follows:
- i. The product under consideration in the present investigation, as defined by the Authority in the initiation notification is Purified Terephthalic Acid (PTA), including its variants Medium Quality Terephthalic Acid (MTA) and Qualified Terephthalic Acid (QTA). The PUC is a white, free flowing crystalline

powder, free from any visual contamination. Terephthalic Acid is an organic compound whose chemical formula is $C_6H_4(COOH)2$. It sublimes at $402^{\circ}C$ and is poorly soluble in water and alcohol. PTA is primary raw material in the manufacture of polyester chips which in turn is used in a number of applications in textile, packaging, furnishings, consumer goods, resins and coatings. Since QTA, MTA and PTA are chemically the same product and further since they are interchangeably used, the scope of the product under consideration covers QTA and MTA as well. The product under consideration is classified under subheading 29173600 of the Customs Tariff Act. However, the customs classification is indicative only and in no way it is binding on the scope of the present investigation.

- ii. Di-Methyl Terephthalate (DMT) is chemically a different product and therefore not covered in the scope of the product under consideration.
- iii. With regard to like article, Rule2(d) of the AD Rules provides as under: -
 - "like article" means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such article, another article which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation;
- iv. The Authority notes that the subject goods produced by the domestic industry and that imported from subject countries are comparable in terms of characteristics such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable. The consumers are using the two interchangeably. The consumers importing the product under consideration are also purchasing the same from the domestic industry. In view of the same, the subject goods produced by the domestic industry are being treated as domestic like article to the product under consideration imported from subject countries in terms of the Rules.

C. SCOPE OF DOMESTIC INDUSTRY & STANDING

Submissions made by Exporters, Importers, Users and other Interested Parties

- 10. The submissions made by the producers/exporters/importers/other interested parties during the course of this investigation with regard to scope of domestic industry & standing and considered relevant by the Authority are as follows:
- i. The authority's decision to exclude Reliance from the scope of domestic industry, due to exports of product under consideration to India by their subsidiary company in Malaysia, one of the subject countries, is incorrect and arbitrary. Exclusion of Reliance Industries Ltd (RIL) from the scope of domestic industry has vitiated the present investigation.
- ii. The DA has applied its discretion to exclude RIL from the scope of domestic industry without examining its behaviour. The Authority failed to note that RIL is one of the largest producers in India and its focus has not shifted to be an importer. The Authority has included such producers in Soda Ash final finding from Pakistan, Kenya, EU, Iran, Ukraine and USA and the previous findings on PTA.
- iii. The disqualification, if applicable should be in respect of Malaysia only. RIL may be included for the determination of injury and causal link in respect of imports from countries other than Malaysia.
- iv. In terms of Article 3.3 of AD Agreement, the Designated Authority ought to have initiated separate investigations for each subject country and could have determined 'domestic industry' separately.
- v. The certification with the application which states that MCC PTA India Corp. Pvt. Ltd, India (MCPL) is not related to an exporter or producer from any of the subject countries is untrue. Mitsubishi Chemical Corporation (MCC), Japan has majority shareholding in MCC PTA India Corp. Pvt. Ltd, India, Ningbo MCC, China and PT MC, Indonesia. Thus, MCC PTA India Corp. Pvt. Ltd, India, Ningbo MCC, China and PT MC, Indonesia are related parties. The related producers China and Indonesia may have exported significant quantity through the related exporters to India to its own related importers. It is possible that the other shareholders of MCPL who are involved in trading activities are importing quantities at low assessable value and selling it at a high price. Thus MCC PTA India Corp. Pvt. Ltd, India should be excluded from the scope of Domestic Industry.

vi. Despite representations, authority has not clarified whether data of IOCL has been considered. Mere support without data by IOCL indicates that imports of subject goods have not affected IOCL.

Submissions made by the Domestic industry

- 11. The submissions made by the domestic industry during the course of the investigation with regard to scope of domestic industry & standing and considered relevant by the Authority are as follows:
- i. The petition for initiation of present investigation was filed by M/s MCC PTA India Corp. Pvt. Ltd (MCPI) and M/s Reliance Industries Limited (RIL) and requested the Authority to consider both the petitioner companies as a domestic industry. However, Designated Authority found it appropriate to consider only MCPI as domestic industry. MCPI is eligible domestic industry and the production of MCPI constitutes major proportion in the total Indian production.
- ii. Regarding exclusion of RIL from the scope of Domestic Industry, domestic industry is not determined qua country under investigation. Domestic industry is determined qua like article produced in India. Referred and relied upon are several past cases wherein one of the domestic producers was considered ineligible due to its relationship with the exporter in one of the subject countries. Yet, the injury analysis was done for one domestic industry.
- iii. Parties contending that RIL is eligible domestic industry for countries other than Malaysia, had contended in the previous investigation that MCPI should be treated ineligible because of alleged relationship with Korean producer and never contended that this ineligibility should be qua Korea only.
- iv. The DA is required to consider the domestic industry as the domestic industry exists. The mere fact that the MCPI is operating at a lower level of capacity utilization as compared to other producers has no bearing on its status as domestic industry as per the rules.
- v. Since Reliance is considered ineligible, its data cannot be considered for determination of standing.
- vi. There is no legal requirement that the company supporting the petition should also provide information. Therefore, the contention that authority should call for data of IOCL and examine the same is irrelevant.
- vii. MCPI has no related entity either in China or in Indonesia. It is submitted in this regard that under companies' act, the companies are required to disclose the followings (a) companies under same management; and (b) details of parties who are related, or where control exists and with whom transactions have taken place. The annual report contains information with regard to (a) companies which are subsidiaries, (b) Companies associated or key management personnel of the company and their relatives, (c) companies over which key management personnel exercise significant influence. In compliance with the above, the company has disclosed as follows

Names of related company and related party relationship

• Related parties where control exists

Holding company—Mitsubishi Chemical Corporation, Japan

Ultimate Holding Company—Mitsubishi Chemical Holding Corporation, Japan

• Related parties with whom transaction have taken place during the year:

Holding company— Mitsubishi Chemical Corporation, Japan

Fellow Subsidiaries—Mitsubishi Chemical Engineering Corp

Mitsubishi Chemical Singapore Pte Ltd

MCC PTA Asia Pacific Pte Ltd

Ryoka System Inc

MEC Techno Co Ltd

Mitsubishi Rayon Co Ltd

Notwithstanding, the mere fact of relationship does not prejudice the present position in any manner. It must be established that the relationship is such as to disentitle a domestic producer from being treated as a domestic industry.

- viii. Ningbo MCC, China and PT MC, Indonesia have not exported the product under consideration to India during the POI. It is well established legal position that (a) mere relationship with producers is entirely immaterial. The Rules require relationship with exporters. These companies have not exported to India and therefore are not exporters of the subject goods, (b) imports/exports during the POI alone are relevant.
- ix. If dumping is happening from more than one country and if cumulative assessment is justified, the DA should initiate combined investigation. Notwithstanding, in the context of cumulative assessment, in fact, WTO member countries have proposed that even if separate investigations are being conducted for one product, the DA should be permitted to assess injury cumulatively from imports under investigation through two different investigations. It would thus be seen that even in a theoretical situation where the authority would have initiated separate investigations against different set of countries, the authority could (and should) still have assessed injury to the domestic industry cumulatively. The conditions for cumulation specified under the rules are fully met in the present case. Further, in particular, it is submitted that the requirement of the WTO Agreement with regard to inter se competition amongst the exporting countries is also fully met in present case.
- x. The fact that one of the domestic producers is treated as ineligible in respect of one of the subject countries, the authorities not required to decumulate the injury assessment. Nothing under the rules can be interpreted to imply that the authorities are required to decumulate assessment of injury in the present circumstances.
- xi. A decision to include or exclude a company cannot be taken on the basis of whether it benefits one party or goes against other party. It has to be an unbiased decision. Assuming though not accepting, even if the injury margin determined only for MCPI is higher, that does not entitle the Designated Authority to include RIL when it has been determined as ineligible domestic industry.

Examination of the Authority

- 12. The application for initiation of the present investigation was jointly filed by MCPI and RIL on behalf of the domestic industry. Apart from the above domestic producers there is one more producer of PTA in India, namely Indian Oil Corporation Limited (IOCL), which supported the application. MCPI furnished a declaration in the application stating that they have not imported the PUC from the subject countries. They further declared that they are not related either to any exporter or producer of the PUC in the subject countries or any importer of the PUC in India. However, the co-applicant i.e. RIL furnished a declaration stating that they have imported insignificant volume of subject goods from Malaysia through an unrelated Malaysian trader under Advance Authorization Scheme. They further declared that they have an associate company in Malaysia as the sole producer of the subject goods in Malaysia and also a subsidiary company in Malaysia who exported the subject goods to India during the POI.
- 13. The legal position as laid down under Rule 2(b) of Anti-dumping Rules is as follows:
- "(b) "domestic industry" means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term 'domestic industry' may be construed as referring to the rest of the producers"
- 14. As noted in the initiation notification itself, Reliance Industries Ltd has a subsidiary company in Malaysia which has exported significant volume of subject goods to India during the POI. On the basis of examination of the information and declaration furnished by the applicants and taking in to account the relevant legal position, the Authority did not consider it appropriate to accept Reliance Industries Ltd as an eligible domestic industry.
- 15. As regards MCC PTA India Corp. Pvt. Ltd (MCPI), on the basis of the information furnished in the rejoinder submissions at the post oral hearing stage, the Authority notes that MCPI has group companies in China and Indonesia namely Ningbo MCC, China and PT MC, Indonesia. However, neither of the above

named companies in China and Indonesia is stated to have exported the subject goods to India during April, 2011 to March, 2015.

- 16. As per the provisions laid down under Rule 2 (b) of the Rules, domestic producers cannot be treated as domestic industry when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof. In the instant case, the interested parties, which alleged the relationship of MCPI with Ningbo MCC, China and PT MC, Indonesia, have not established with substantiated documentary proof that the said Chinese and Indonesian companies have exported the product under consideration to India during the POI. Post hearing, MCPI has furnished information that Ningbo MCC, China and PT MC, Indonesia are their group companies, but informed that the said companies have not exported the product under consideration to India during April, 2011 to March, 2015. In view of the above position, as per the Rules, the fact that Ningbo MCC, China and PT MC, Indonesia are group companies of MCPI does not vitiate the eligibility of MCPI as domestic industry.
- 17. The contention of certain opposite interested parties that authority should conduct injury analysis by including RIL for the subject countries other than Malaysia is not acceptable as per Rules. When more than one country is involved in an anti-dumping investigation and dumped imports are alleged to be responsible for causing injury to the domestic industry, injury analysis will have to be done in a cumulative manner. Any domestic producer which is declared ineligible for being treated as domestic industry as per the Rules cannot be treated as a domestic industry in respect of certain subject countries for only injury analysis. The law states that the injury to the domestic industry has to be determined cumulatively which means the domestic industry has to be determined with respect to product under consideration from subject countries as a whole. There cannot be domestic industry separately for separate subject countries. As per the laid down Rules, injury on account of dumping of the subject goods from the subject countries is to be determined in respect of domestic industry only. In the present case, RIL has been disqualified as an eligible domestic industry for the reasons well explained in this final finding.
- 18. As regards the contention that the authority's decision to exclude Reliance from the scope of domestic industry has vitiated the present investigation, the Authority notes that Reliance Industries Ltd was excluded from the purview of domestic industry at the initiation stage itself on account of having a related entity in Malaysia, which is not only the sole producer of the product under consideration in the said country, but also exported significant volume of product under consideration to India during the POI. Rather, the Authority notes that inclusion of RIL as domestic industry would have vitiated present investigation since a partner in unfair trade would have benefited from the imposition of remedial measure and same action of Authority would not only have contravened the established legal position but also encouraged the same interested parties to oppose the action of the Authority.
- 19. As regards the contention that DA has applied its discretion to exclude RIL from the scope of domestic industry without examining its behaviour as primarily a domestic producer and not an importer, the Authority notes that as per Rule 2(b) of Rules, when a domestic producer is inter alia related to the exporters or importers of the alleged dumped article, such domestic producers cannot as such be treated as domestic industry. In the instant case, RIL's related company in Malaysia is the sole producer of subject goods and exported significant volume to India during the POI. Thus, as per the Rules and jurisprudence, RIL being related to the exporter of subject goods from Malaysia, can by no means be considered as domestic industry in the present investigation.
- 20. As regards the contention that ineligibility of RIL should be in respect of Malaysia only and no other subject countries, the Authority notes that present investigation is in respect of subject countries consisting of China, Iran, Indonesia, Malaysia and Taiwan. As per the Rules, the subject countries are determined with reference to a specified period of investigation during which the export of subject goods from the subject countries is determined as above *de minimus* level.
- 21. As regards the contention that in terms of Article 3.3 of AD Agreement, the Designated Authority ought to have initiated separate investigations for each subject country, the Authority notes that the scope of domestic industry is not determined qua country under investigation, but qua like article produced in India. Moreover, the contention that injury and causal link analysis should be done by the Authority in respect of imports from subject countries excluding Malaysia, is not appropriate under the law.

22. In view of the above position, the Authority notes that MCC PTA India Corp. Pvt. Ltd is the only eligible domestic producer in the present investigation, which constitutes domestic industry within the meaning of Rule 2(b) of the Rules and the application satisfies the criteria of standing in terms of Rule 5 (3) of the Rules supra.

D. CONFIDENTIALITY

Submissions made by Exporters, Importers, Users and other Interested Parties

- 23. The following are the submissions made by the exporters, importers, users and other interested parties regarding confidentiality during the course of the investigation and considered relevant by the Authority:
- i. The domestic industry has claimed excessive confidentiality without providing any legitimate reasons.
- ii. The domestic industry has claimed to have submitted plant wise injury information. The same is however, not made available in public file for inspection to interest parties. The Authority is requested to make available the said information in public file.
- iii. The Authority is bound to disclose the evidences relied upon for the determination of non-injurious price. The Authority has not disclosed information concerning IOCL, DGCI&S import statistics in excel form, verification reports of domestic industry and percentage of return on capital employed considered for determination of injury analysis.
- iv. Both original / raw and sorted transaction wise import statistics IBIS data, copies of Platts used for PX price, adjustments for export price and other information submitted by domestic industry should be disclosed as per the guidelines of Trade Notice No. 2 of 2004.
- v. The Authority has relied upon DGCI&S imports statistics which is not made available to interested parties in soft version in excel format. Authority should provide the said information in soft copy in excel format.

Submissions made by the Domestic industry

- 24. The submissions made by the domestic industry with regard to confidentiality during the course of the investigation and considered relevant by the Authority are as follows:
- i. The responding exporters have resorted to excessive confidentiality which has completely prevented petitioners from offering their comments and defending their interests. The Authority should direct these exporters to sufficiently disclose information in public version filed by them or reject the questionnaire responses.
- ii. No interested party has been able to point out any specific instance of information which has been claimed confidential and confidentiality of which is not justified under the rules.
- iii. The petitioner has only claimed those information as confidential, which has been permitted under the rules as per consistent practice of the Authority and which are business sensitive information and otherwise not available in the public domain.
- iv. The petitioner has provided sufficient non confidential summaries to the information provided except for those which are not susceptible to summarization unlike the responding interested parties who have resorted to excessive confidential information.
- v. As regards evidence regarding raw material cost, the petitioners have provided the details in the nonconfidential version of the petition. As regards adjustments on export price, the same is third party information and petitioner is not obliged to provide the same.
- vi. The transaction-wise DGCIS imports data has been furnished to the authority for making available in public file.

EXAMINATION BY THE AUTHORITY

25. With regard to confidentiality of information, Rule 7 of Anti-dumping Rules provides as follows: -

Confidential information: (1) Notwithstanding anything contained in sub-rules and (7) of rule 6, sub-rule(2),(3)(2) of rule12, sub-rule(4) of rule 15 and sub-rule (4) of rule 17, the copies of applications received under sub-rule (1) of rule 5, or any other information provided to the designated authority on a

confidential basis by any party in the course of investigation, shall, upon the designated authority being satisfied asto its confidentiality, be treated as such by it and no such information shall be disclosed to any other party without specific authorization of the party providing such information.

- (2) The designated authority may require the parties providing information on confidential basis to furnish non-confidential summary thereof and if, in the opinion of a party providing such information, such information is not susceptible of summary, such party may submit to the designated authority a statement of reasons why summarization is not possible.
- (3) Notwithstanding anything contained in sub-rule (2), if the designated authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorise its disclosure in a generalized or summary form, it may disregard such information.
- 26. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis was directed to provide sufficient non confidential version of the information filed on confidential basis. The Authority made available the non-confidential version of the evidences submitted by various interested parties in the form of public file. The Authority notes that any information which is available in the public domain cannot be treated as confidential.
- 27. Regarding the submission of opposite parties that the transaction-wise DGCIS imports data should be made available, the Authority notes that the transaction-wise DGCIS imports data contains business sensitive confidential information and therefore the said data cannot be divulged. However, the domestic industry vide letter dated 16.10.2015 has submitted the non-confidential version of the said data and the same has been placed in public file.

E. MISCELLANEOUS SUBMISSIONS

Submissions made by Exporters, Importers, Users and other Interested Parties

- 28. The miscellaneous submissions by the producers/exporters/importers/ other interested parties and considered relevant by the Authority are as follows:
- i. The data submitted by the domestic industry in the application was misleading and erroneous. The designated authority initiated the investigation on the basis of faulty application submitted by the petitioners. The designated authority is under the obligation to examine the adequacy and accuracy of the evidences before initiating an investigation.
- ii. No hearing before preliminary finding is a violation of natural justice. The Authority is requested to provide oral hearing after making available all the documents relied upon by the Designated Authority.
- iii. The fact of the present investigation and legal provision does not warrant imposition of ADD on retrospective basis. There are no merits in the claim of the domestic industry for retrospective imposition of anti-dumping duty. The domestic industry has made a blanket claim of history of dumping from all subject countries, including China PR. However, the Authority itself has determined no dumping against China PR in the previous investigation. In terms of Section 9(3) of the CTA and AD Agreement, the present case has no ingredients to be even considered for retrospective levy of anti-dumping duties.
- iv. There is huge demand supply gap in India. The imposition of duty is harmful for downstream consumers.
- v. The domestic PTA producers have increased PTA price after imposition of anti-dumping duty.
- vi. There is huge expansion of PTA production capacity in India despite claimed losses by domestic industry.
- vii. Domestic PTA producers are getting adequate protection due to nil customs duty on imports of PX and 5% customs duty on imports of PTA.

- viii. Cheap imports and decreased exports of manmade fibre and fabrics has reduced the capacity utilisation and squeezed the margin of domestic manmade fibre manufacturers. MMF Fibre industry is garnering foreign currency and generating mass employment especially to women workforce.
- ix. The domestic industry has established that the imports from Malaysia are above de minimus and are at dumped prices. It is presumptive on the part of the interested parties that the investigations shall be terminated

Submissions made by the Domestic industry

- 29. The miscellaneous submissions made by the domestic industry during the course of the investigation and considered relevant by the Authority are as follows:
- i. The petitioners have provided all the relevant information sufficient for initiation or determination in the present investigation. The Designated Authority has satisfied himself on the accuracy and adequacy of information on the basis of the confidential data of the domestic industry. The decision of the Designated Authority for initiation of the investigation is based on the confidential data.
- ii. Section 9 A (3) is with reference to history of dumping of the product and not dumping from a country. The previous investigation has established that there is a history of dumping of the product and the claim of the domestic industry for retrospective duty is valid and legal. Petitioners request the Designated Authority to consider retrospective imposition of anti-dumping duty.

EXAMINATION BY THE AUTHORITY

- 30. The contention of the opposing interested parties that initiation of the investigation is bad in law due to misleading data furnished by the applicant and improper evaluation of data by the Authority is without any basis. The present investigation was initiated after satisfying oneself primafacie about the accuracy and adequacy of the data furnished by the petitioners and the existence of dumping, injury and causal link.
- 31. As regards the contention that no hearing was provided before preliminary finding in violation of principle of natural justice, the Authority notes that there is no provision under the Rules to mandate that hearing is required to be provided before issuance of preliminary finding. In fact, as per the Rules, it is not mandatory on the part of the Authority to provide hearing to the interested parties. Nevertheless, the Authority provided opportunity to all the known interested parties to present their views orally in a public hearing held on 4th February, 2016. The parties, which presented their views orally in the public hearing, were requested to file written submissions of the views expressed orally. The interested parties were also provided opportunity to file rejoinder submissions.
- 32. As regards the contention that there is huge demand supply gap in India and since imports of PTA is inevitable, imposition of anti-dumping duty is harmful for downstream industries, the Authority notes that there is no legal provision mandating the domestic industry to meet the entire demand in the country. Further, the purpose of anti-dumping duty is not to prevent imports.
- 33. As regards the request for retrospective imposition of anti-dumping duty, Section 9A(3) of Customs Tariff Act provides as follows:

If the Central Government, in respect of the dumped article under inquiry, is of the opinion that -

- (i) there is a history of dumping which caused injury or that the importer was, or should have been, aware that the exporter practices dumping and that such dumping would cause injury; and
- (ii) the injury is caused by massive dumping of an article imported in a relatively short time which in the light of the timing and the volume of imported article dumped and other circumstances is likely to seriously undermine the remedial effect of the anti-dumping duty liable to be levied,

the Central Government may, by notification in the Official Gazette, levy anti-dumping duty retrospectively from a date prior to the date of imposition of anti-dumping duty under sub-section (2) but not beyond ninety days from the date of notification under that sub-section, and notwithstanding anything contained in any law for the time being in force, such duty shall be payable at such rate and from such date as may be specified in the notification.

- 34. Imposition of retrospective duties in the present case is not justified in view of the facts that it is not a case of massive dumping. The petitioner has not established their claim for retrospective imposition of duty on the basis of the requirements as laid down under Section 9 A (3) of the Customs Tariff Act.
- 35. As regards the submission that domestic PTA producers have increased PTA prices after the imposition of anti-dumping duty, the Authority notes that the basic purpose of anti-dumping measure is to provide level playing field to the domestic industry vis-a-vis the unfair trading practice of dumping. It is obvious that the domestic industry which suffered price injury on account of dumping would try to make up for its losses by increasing its prices after imposition of the anti-dumping duty.
- 36. As regards the submission that there is a huge expansion of PTA capacity in India, despite the claim of losses by the domestic producers in their application, the Authority notes that the Annexure- II to Antidumping Rules explains the guiding principles for determination of injury to the domestic industry. This annexure obligates the Authority to examine the impact of the dumped imports on the various economic parameters of the domestic industry, including the ability of domestic industry to raise capital investments. Thus, if the existing domestic industry is having ability to raise capital investments to expand production capacity, the same may be considered as a part of injury analysis. However, no particular injury parameter be considered as conclusive, for the overall injury analysis.
- 37. As regards the submission that the domestic PTA producers are getting adequate protection due to nil custom duty on the major raw material i.e. PX and 5 per cent custom duty on imports of PTA, the Authority notes that existence of customs duty on imports of raw materials does not authorise the foreign exporters to export the subject goods at dumped prices.
- 38. The interested parties have submitted that cheap imports and decreased exports of man-made fibre and fabrics has reduced the capacity utilisation and squeezed the margins of domestic MMF manufacturers. They have further contended that MMF Fibre industry is garnering foreign currency and generating mass employment especially to women workforce. In this regard, the Authority notes that the purpose of antidumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the domestic industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the Country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers. It is recognized that the imposition of anti-dumping duties might affect the cost of the downstream products. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures, since as per the principle of lesser duty rule, the levy of the anti-dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. As far as a cheap import of MMF is concerned, the domestic MMF producers may seek available remedy under the law.

F. MARKET ECONOMY TREATMENT (MET), NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DUMPING MARGIN

Submissions made by Exporters, Importers, Users and other Interested Parties

- 39. The following submission have been made by the producers/exporters/importers/ other interested parties during the course of this investigation and considered relevant by the Authority:
- i. The Authority must consider Annex II of AD Agreement for determination of normal value and export price for non-responding producers/exporters.
- ii. The normal value for market economy country must be determined as per the price prevailing in respective countries. Construction of normal value on basis of information submitted by MCC PTA is contrary to law and settled practice.
- iii. Export from exporting country or territory is complete when goods are exported from the subject country. Goods are exported once goods are cleared from the Customs territory of the exporting country
- iv. The denial of individual margins on the ground of non-filing of response by unrelated traders who have exported goods of responding producers/exporters is contrary to Customs Tariff Act, 1975, Anti-dumping Rules and WTO Anti-dumping Agreement.

- v. It is not mandatory that all the exporters/traders involved in the transactions shall file the EQ responses. The law does not permit authority to reject export price of a fully cooperating producer/ exporter on the ground that some of its exports transactions are made through an unrelated Traders who have not cooperated with the Authority.
- vi. It is sufficient if the exporter has provided information, as is reasonably available to him and Authority cannot force the exporter to provide any information which is beyond its control.
- vii. As per the exporter's questionnaire format, the exporter should forward the questionnaire format to the producer of subject goods. The EQ format and the AD Rules do not mandate, either the applicant domestic industry to provide information for all the domestic producers nor requires the exporter to provide information of all unrelated exporters. Such a requirement is not supported by any legal provision.
- viii. In terms of Section 9A(b) of Customs Tariff Act, 1975, the investigating authorities are required to construct the Export Price as price to first independent buyer whether located in India or outside India. The practice adopted by Indian Authority in contrary to law and the international practices. The Designated Authority may determine the export price and dumping margins, irrespective of non-filing of EQR by unrelated trader.
- ix. Export price cannot be rejected without fulfilling the prescribed condition under Section 9 A (1) of the Act and Rule 6 (8) of AD Rules. Further, in terms of Section 9A (6A) of CTA, the margins of dumping shall be determined on the basis of records concerning normal value and export price maintained and information provided, by such exporter or producer.
- x. The normal value for subject countries should be determined in terms if Article 2.2.2 which provides that the profit estimates for construction of normal value must be based on profits normally realised by the producer/exporters in subject country. In cases where the producer/exporter is running into losses, the Designated Authority cannot add profits for constructing normal value.
- xi. The normal value for China PR can be determined as per the Annex 1 to the AD Rules by considering the normal value of any of the responding producer in market economy country. For market economy countries, the normal value must be determined as per Article 2.2.2 of the AD Agreement
- xii. The decline in export price of subject goods during POI is on account of reduced price of crude oil. The price of PTA also follows the price of PX, which is dependent on price of crude oil.
- xiii. The Authority has not disclosed the basis for determination of normal value, ex-factory export price and landed value. Such non-disclosure of essential facts curtails the right of interested parties to make their claim.
- xiv. The Authority has not disclosed the methodology and evidences considered for determination of dumping margins. The same may be made available in public file for making necessary submissions.
- xv. In terms of AD Rules, the normal value and export price must be determined on the basis of records maintained by the responding producer/exporter. In a situation where the sales by the exporter below cost are more than 20 per cent of total domestic sales, the same are required to be excluded while determining the normal value, otherwise not.
- xvi. The Domestic producers have not provided evidence regarding the prices prevailing in a market economy third country or the reasons for impossibility to provide the said information. The Domestic producers instead of adducing any evidence in respect of prices in the domestic market just stated that they are unable to get price in the domestic markets of those countries.
- xvii. The Domestic producers have not provided information about the value of domestic production of the like product accounted for by domestic producers. The Application has provided the Normal Value based on assumed cost of production. Such an attempt is clearly inconsistent with the requirement of the law.
- xviii. In terms of Section 9A(6A), the margins of dumping must be determined on the basis of records maintained concerning the normal value and export price. Only exception to Section 9A(6A) i.e. application of facts, is available is applicable when the producer/exporter does not provide the information.

xix. An attempt has been made to compare prices on monthly basis by ignoring the fact of time lag in delivery of the goods by exporters. It is an admitted fact that prices are negotiated based on international price and time lag in delivery will further affect the comparison in prices by such fashion.

Submissions made by the Domestic Industry

- 40. Submissions made by the domestic industry with regard to MET, Normal value, export price and dumping margin during the course of the investigation and considered relevant by the Authority are as follows:
 - i. None of the Chinese producers can satisfy market economy status. None of the WTO Member countries have granted market economy status to Chinese producers on the basis of the latest detailed evaluation of relevant criteria, which includes the criteria specified in sub paragraph 8(3). China is a non-market economy. No country has granted market economy country status to China after following detailed evaluation procedure and examination.
- ii. China PR is a non-market economy and the same has been held in number of investigations by the Indian authority and other investigating authorities. The normal value for china PR should be determined as per the Annex 1 to the AD Rules.
- iii. The rule has distinguished and differentiated between producer and exporter and entitles both the producer and exporter to claim individual dumping margin. This, however, does not mean that the exporter is entitled for dumping margin even if producer does not respond.
- iv. The rule is with regard to individual dumping margin and therefore implies existence of individual normal value and individual export price. The individual normal value implies association of producer concerned. Thus, any situation where an exporter demands individual dumping margin, the exporter has to ensure questionnaire response from the producer concerned. Further, if such producer has sold the goods through any other channel, dumping margin cannot be determined unless all sales of the producers have eventual export to India are included in determination of dumping margin.
- v. By resorting to partial questionnaire response, the dumping margin can easily be manipulated. Further, such manipulation of dumping margin can easily be dubbed as inability to get cooperation from the party concerned. There is no way to differentiate and distinguish between the bonafide difficulty and a malafide intention of not filing questionnaire response.
- vi. In a situation where the legal identity of producer and exporter are different, the export price is the price at which good have been exported by the exporter to India. There is an assumption on the part of interested party that the price at which the said exporter bought the material is not lower than the price at which goods were invoiced on to Indian importer. However, there is no basis for such assumptions. The price at which goods were eventually invoiced onto Indian importer can be materially different from the price at which goods were invoiced onto the exporter.
- vii. Absence of necessary and sufficient information preventing determination of dumping margin is different from a situation where information may not be ideal in all respects. In a situation where the price at which goods have been invoiced to an Indian customer itself is not available, the authority is prevented from determining export price. It is a mere presumption that the price at which producer sold to an exporter in the International market is sufficient to determine the price at which such independent trader exported to India. The price at which goods were invoiced to Indian customer constitutes the export price and unless the questionnaire response is filed by such party who is involved in exports of the product to India, the export price is not sufficiently and accurately established. Since this information is germane to entire determination of individual dumping margin, in the absence of this information, it must be concluded that the export price has not been established by the producer and therefore dumping margin cannot be determined.
- viii. The argument of the interested party tantamounts to a contention that only physical flow of material is sufficient. For determination of export price, mere physical flow of product is insufficient. Flow of documents is equally important. In fact, the flow of documents acquires added importance for determination of export price, as this is a price which forms the basis for determination of dumping

- and injury margin. Thus, the exporter is required to establish the price at which goods were invoiced onto the Indian customers. Unless this price is established, the claim of export price is incomplete.
- ix. As regard reference to Section 9(A)1(B) petitioner submits that the same is highly misplaced. If export price is to be considered as price at which article is exported to India, such price cannot be established without showing the price at which goods have been invoiced onto Indian customers. In fact, the company is not exporter of product under consideration. The company is only a producer of product under consideration in Taiwan, whose goods have been exported to India by an exporter in Taiwan, Japan, Hong Kong and Korea. It is the exporter in Taiwan, Hong Kong, Japan, Korea and any other country who has invoiced the product to Indian customs who has introduced dumping in the Indian market along with the producer concerned. In other words, both the producer and exporter are relevant to establish dumping. Thus, this clearly falls in a situation where questionnaire responses have been filed with "no export price". This export price can only be established when the exporter files a response and shows the price at which goods have been invoiced.
- x. The Authority must reject the EQ Responses where the producer/exporters have not provided comprehensive sales channel of all exports to India. The behaviour of a trading entity to file EQ response in respect of the export of goods from one source while not filing EQ response in respect of export of goods sourced from other sources cannot be said to be cooperative.
- xi. For the purpose of determination of individual dumping margins there is relevance of "export price" and not "producer's price". The response of trader is utmost important for determination of export price and individual dumping margin.
- xii. The dumping margin determined by the Designated Authority in the preliminary findings is grossly low.
- xiii. The PX costs claimed by the exporters cannot be considered to reasonably represent the costs associated with production and sale of the product under consideration.
- xiv. Efforts were made to get evidence of price of product concerned in the domestic market of subject countries. There is sufficient reason to consider that the producers in these countries could not have been selling the product under consideration at prices above cost of production, or domestic prices are significantly higher. It is thus, evident that the selling price in the domestic market of the exporting countries may not be in the ordinary course of trade during this period.
- xv. The prices prevailing in the domestic market of the exporting countries are not in the ordinary course of trade for the reason that the said price does not permit recovery of cost of production in the domestic market. Faced with high PX prices, low product prices, and additional capacities being brought on line in China and other countries in the region, PTA producers in the region are running into significant financial losses.
- xvi. Considering the conversion cost from Paraxylene to PTA at the least at US\$140-150 per MT for these foreign producers and further considering the PTA and Paraxylene prices prevailing during the period of investigation, the exporters could not have recovered their cost of production while exporting to India. Thus, if selling prices in the domestic market are comparable or lower than export price to India, it follows that the exporters are suffering financial losses.

Examination of the Authority

41. As regards the contention that denial of individual margins to the respondent exporters on the ground of non-filing of exporters questionnaire response by unrelated exporters/traders who have exported goods of responding producers/exporters is contrary to Customs Tariff Act, 1975, Anti-dumping Rules and WTO Anti-dumping Agreement, the Authority notes that no law encourages defaulters who do not cooperate and thereby deprive the Authority of complete information for enabling him to arrive at a judicious decision. In the present investigation, many exporters/traders, including the related ones, who are involved in substantial export transactions with India during the POI, have not filed exporter's questionnaire response. Surprisingly, some of them, while filing exporters questionnaire response in respect of the exports of goods of one producer, have opted to abstain from filing exporters questionnaire response in respect of the goods sourced from the other

related producers in the same country. The detailed position was explained by the Authority in the preliminary finding. At the post PF stage, the concerned traders/exporters could have filed complete information. Even the concerned respondent producers, who have claimed individual margins in the present investigation, could have ensured filing of complete information by their traders/exporters. Despite opportunities provided by the Authority, many parties involved in substantial export transactions with India during the POI, did not file EQ response with complete information. Lack of complete participation of exporters limits the authority's scope to determine dumping margin meaningfully. Therefore, without complete information being filed by the producers/exporters involved in the transactions, it is neither feasible nor desirable for the Authority to determine individual margins.

- 42. Determination of normal value and export price is relevant for determination of dumping margin. In case of any producer, who does not fully cooperate and demonstrate complete information before the Authority concerning its sales, through both direct and indirect channels, it is not relevant to determine either normal value nor export price, since in such cases determination of individual margins is irrelevant.
- 43. As regards the contention that decline in export price of subject goods during POI is on account of reduced price of crude oil, the Authority notes that PTA is not a product of crude oil per se. Therefore, it is not correct to attribute fluctuation of price of PTA, if any, to the fluctuations in crude oil prices. However, due to wide fluctuation of prices of PX, resulting in fluctuation in the prices of PTA, the Authority considers it appropriate to make month wise analysis in the present investigation.
- 44. As regards the contention that Authority has not disclosed the basis for determination of normal value, ex-factory export price and landed value, Authority notes that the methodology for determination of all these basic elements of the investigation has been adequately explained in the relevant portions of the preliminary finding as well as this final finding.
- 45. As regards the contention that petitioner has not provided evidence regarding the prices prevailing in a market economy third country, it is already noted in the preliminary finding that the domestic industry, despite their best efforts, could not gather the said information. They further submitted that there is sufficient reason to consider that the producers in these countries could not have been selling the product under consideration at prices above cost of production, or domestic prices are significantly higher resultantly may not be in the ordinary course of trade during this period. However, the respondents failed to provide such information.
- 46. The Authority notes that in the past three years China PR has been treated as a non-market economy country in anti-dumping investigations by India and other WTO Members. China PR has been treated as a non-market economy country subject to rebuttal of the presumption by the exporting country or individual exporters in terms of the Rules.
- 47. As per Paragraph 8 of Annexure I of the Anti-dumping Rules, the presumption of a non-market economy can be rebutted, if the exporter(s) from China PR provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) of Paragraph 8 and establish the facts to the contrary. The responding exporters/ producers of the subject goods from People's Republic of China are required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Authority to consider the following criteria as to whether:
- a. the decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
- b. the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy, system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
- c. such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms and
- d. the exchange rate conversions are carried out at the market rate.

- 48. The Authority notes that pursuant to the initiation of the present investigation, the following Chinese producers/exporters have filed only exporters questionnaire response and have not rebutted the non-market economy presumption:
- a. Xianglu Petrochemicals Co. Ltd., China PR.
- b. Xianglu Petrochemicals (Zhangzhou) Co. Ltd. China PR.
- c. BP Zhuhai Chemical Company Limited, China PR.
- d. Hengli Petrochemical (Dalian) Co., Ltd., China PR.
- 49. The Authority further notes that the following Chinese producers/exporters filed exporters questionnaire response along with market economy questionnaire responses and sought to rebut the non-market economy presumption:
- a. Hainan Yisheng Petrochemical Co. Ltd.
- b. Zhejiang Yisheng Petrochemical Co. Ltd.
- c. Ningbo Hengyi Trading Co. Ltd.
- d. Yisheng Dahua Petrochemical Co. Ltd.
- 50. As per the available information, the Authority notes that Hainan Yisheng Petrochemical Co. Ltd, Zhejiang Yisheng Petrochemical Co. Ltd, Ningbo Hengyi Trading Co. Ltd and Yisheng Dahua Petrochemical Co. Ltd are related entities and are involved in the production/sales of the subject goods. While Zhejinang Yisheng Petrochemical Co. Ltd, Hainan Yisheng Petrochemical Co. Ltd and Yisheng Dahua Petrochemical Co. Ltd., are producers/exporters of PTA, Ningbo Hengyi Trading Co. Ltd is a trading company. Zhejiang Yisheng is a subsidiary of Zhejiang Hengyi, which is wholly owned by Hengyi Petrochemical Co., Ltd, which is a state-owned company.
- 51. As per the auditor's report furnished by the Company, Zhejiang Yisheng Petrochemical Co., Ltd. was set up in 2003 as a Chinese-foreign joint venture funded by Zhejiang Hengyi Group Co., Ltd. China PR, Rongsheng Chemical Fiber Group Co., Ltd. China PR, and Hong Kong Development Investment Co., Ltd. as per the approval of Ningbo Municipal People's Government. It has been stated that the ultimate parent company of the entire group is Zhejiang Hengyi Group Co., Ltd.
- 52. The Authority notes that the companies have gone through several ownership changes over the years, the details of which have not been furnished by the respondent companies. Further, the ultimate parent company of the entire group is stated to be Zhejiang Hengyi Group Co., Ltd, which has not filed MET response. As per the web based information, the Authority notes that Zhejiang Hengyi Group Co. Ltd was founded on October 18, 1994. Hengyi's core businesses are PTA (Purified Terephthalic Acid) manufacturing, polyester spinning and chemical fiber elasticizing. Further, Zhejiang Rongsheng Holding Group, which is also a shareholder, was established in 1989 and is involved in the subject goods through its subsidiaries, has over 10 subsidiaries, including PTA production bases in Ningbo, Dalian and Hainan. Further, as per the web based information, Yisheng Dahua Petrochemical Co. Ltd, one of the related respondent group companies in the present investigation was set up by Hengyi Group, Rongsheng Group and the State owned enterprise Dahua Group.
- 53. The Authority has taken cognizance of the information provided by the respondent Chinese companies who have filed MET response with which they sought to rebut the presumptions as mentioned in para 8 of Annexure 1 of the Anti-dumping Rules and Non Market Economy questionnaire sent to them regarding grant of market economy status to their company. However, the responding companies have failed to provide sufficient evidence inter alia concerning state ownership and control and its impact on the cost and prices and business decisions of the company, transformation of ownership from time to time, evaluation of assets, etc. The Authority further notes that the responding companies have not provided sufficient details in their response in respect of their Holding/group companies and other relevant information to establish their market economy claim. Post PF also, the above stated companies, who claimed market economy, have not furnished adequate proof with documentary support to rebut the non-market presumption of the Authority. Moreover, the above stated Chinese failed to demonstrate with documentary support complete exports information before the authority. In view of the above position, Authority does not grant market economy treatment to the above stated Chinese companies.

G. <u>Determination of Normal Value</u>

G.1. Determination of Normal Value for producers and exporters in China PR

- 54. The Authority notes that none of the producers/exporters from China PR have been found to be operating under market economy condition for determination of normal value in China in terms of Para-6 of Annexure-1 to the Rules. Under the circumstances, the Authority is not in a position to apply Para 8 of Annexure 1 to the Rules and has to proceed in accordance with Para 7 of Annexure I to the Rules.
- 55. Paragraph-7 of *the* Annexure-1 to the Anti-dumping Rules provides as follows:

"In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin".

- 56. According to these Rules, the normal value in China PR can be determined on any of the following basis:
- a) On the basis of the price in a market economy third country, or
- b) The constructed value in a market economy third country, or
- c) The price from such a third country to other countries, including India.
- d) If the normal value cannot be determined on the basis of the alternatives mentioned above, the Designated Authority may determine the normal value on any other reasonable basis including the price actually paid or payable in India for the like product duly adjusted to include reasonable profit margin.
- 57. The Authority notes that for determination of normal value based on third country cost and prices, the complete and exhaustive data on domestic sales or third country export sales, as well as cost of production and cooperation of such producers in third country is required. No such information with regard to prices and costs prevalent in these markets have been provided either by the domestic industry or by the responding exporters, nor any publicly available information could be accessed, nor the responding Chinese companies have made any claim with supportive documents with regard to an appropriate market economy third country at this stage.
- 58. The Authority, therefore, proceeds to construct the normal value for China PR based on any other reasonable basis, relying upon available facts, in terms of second proviso of Para 7 of Annexure 1 to the Antidumping Rules. Due to wide fluctuation of raw material prices, the Authority considers it appropriate to make month wise analysis of cost and price for the purpose of ordinary course of trade analysis. Accordingly, the weighted average ex-works Normal Value of the product under consideration for China PR has been determined based on constructed costs of production, duly adjusted to include selling, general & administrative costs and profits as US\$***/MT.

<u>G.2. Determination of Normal Value for producers and exporters in Iran, Indonesia, Malaysia & Taiwan</u>

- 59. Under section 9A (1) (c), the normal value in relation to an article means:
- (i) The comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article, when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6), or
- (ii) When there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either:
- (a) Comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or

(b) The cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6):

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transhipped through the country of export or such article is not produced in the country of exporter there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

Taiwan

- 60. The Authority notes that consequent upon issue of the initiation notification, the following producers/exporters from Taiwanhave filed exporters questionnaire response:
- a. Oriental Petrochemicals (Taiwan) Co. Ltd (OPTC), Taiwan (Producer).
- b. Formosa Chemicals & Fibre Corporation (FCFC), Taiwan (Producer).
- c. China American Petrochemical Co., Ltd (CAPCO), Taiwan (Producer)
- d. Methyl Company Limited, Taiwan (Sourced from Oriental Petrochemical Taiwan Co Ltd, Taiwan).
- e. Itochu Taiwan Corporation, Taiwan (Sourced from Oriental Petrochemical Taiwan Co Ltd, Taiwan).
- f. Dinowic Pte. Ltd., Singapore (Sourced from Formosa Chemicals & Fibre Corporation, Taiwan).
- g. Mitsui & CO., Ltd, Japan (Sourced from Oriental Petrochemical Taiwan Co Ltd, Taiwan).
- h. SK Networks Co. Ltd., Korea (Sourced from Oriental Petrochemical Taiwan Co Ltd., Taiwan.)

Normal value of co-operating exporters

Normal value of Formosa Chemicals & Fibre Corporation (FCFC), Taiwan

- 61. From the exporter's questionnaire (EQ) response, the Authority notes that Formosa Chemicals & Fibre Corporation (FCFC), Taiwan is a producer/exporter of subject goods. As per information available in the EQ response, during the POI, in the domestic market of Taiwan, FCFC has sold the subject goods directly to end-users. In the domestic market, during the POI, FCFC has sold *** MT of subject goods for the total invoice value of NTD ***, out of which ***MT worth of NTD ***were sold to its affiliated parties and *** MT of worth of NTD ***were sold to unaffiliated parties.
- 62. The Authority notes that the domestic sales of FCFC are in sufficient volumes. Month-wise cost of productions of FCFC was determined based on the information available in the EQ response. Accordingly, all domestic sales transactions of FCFC have been considered for determination of normal value. In the present investigation, due to wide fluctuation of raw material prices, the Authority considers it appropriate to make month wise analysis of cost and price for the purpose of ordinary course of trade. For working out normal value for FCFC, 80/20 test has been conducted and for those month in which profit making is above 80%, the average ex-factory price of domestic sale of that particular month has been considered as normal value and in those months where profit making is below 80%, only profit making sales quantity has been considered to reach normal value. There are a few months in which there is no/ negligible profit making sale in domestic market, the normal value for these month has been worked out at Cost+SGA+Profit basis. FCFC has claimed adjustments on account of rebate, inland freight, and credit cost on monthly basis and the same has been allowed. Accordingly, on monthly analysis basis, the weighted average normal value has been worked out for FCFC as US\$ ***/MT.

Normal value of China American Petrochemical Co Ltd, Taiwan

63. Pursuant to the initiation of present investigation, exporter questionnaire response was filed by China American Petrochemical Co Ltd (CAPCO), Taiwan along with its related trading company BP Asia Ltd (BPAL), Hong Kong. Exporter questionnaire response has also been filed by its other related companies namely PT BP Petrochemicals, Indonesia and BP Zhuhai Chemical Company Limited, China PR in the present investigation. Subsequently, the concerned producers/exporters filed revised data.

64. During the POI, CAPCO sold ***MT of the subject goods in the domestic market of Taiwan. In the present investigation, due to wide fluctuation of raw material prices, the Authority considers it appropriate to make month wise analysis of cost and price for the purpose of ordinary course of trade. Out of the total sales in domestic market, only 1.55% of domestic sales are found to be profitable, hence the same has been treated as sales not in ordinary course of trade. Accordingly, only Cost+SGA+Profit of respective month has been considered for determination of normal value. The exporter has claimed adjustment on account of inland transportation which has been allowed. No other expense has been claimed by the exporter on the domestic selling price of the trading Company. Accordingly, the weighted average normal value for CAPCO, Taiwan has been worked out as US\$***/MT.

Normal Value of Oriental Petrochemical (Taiwan) Co Ltd.

- 65. From the EQ response, the Authority notes that Oriental Petrochemicals (Taiwan) Co. Ltd (OPTC), Taiwan is a producer of subject goods from Taiwan. As stated in the EQ response, during the POI, in the domestic market of Taiwan, OPTC has sold the subject goods through two channels i.e. (a) directly to endusers in the home market which purchase the product concerned for producing downstream products and (b) traders which purchased the product concerned for resale to end-users.
- 66. As regards exports to India, as stated in the EQ response, during the POI, OPTC sold the subject goods to India entirely through trading entities, the details of which are given in the relevant portions of this final finding. While the product concerned has been shipped by OPTC directly to India, the commercial invoicing has been done through the trading companies. The Authority notes that out of the total claimed exports of *** MT of product concerned by OPTC during POI to India, only *** MT accounting for a mere 33% of the total claimed exports have been brought before the Authority by OPTC and other trading entities involved in the exports by filing EQ responses and the balance exports have gone unrepresented.
- 67. Determination of normal value and export price is relevant for determination of dumping margin. In case of any producer, who does not fully cooperate and does not demonstrate complete information before the Authority concerning its sales, through both direct and indirect channels, it is not relevant to determine either normal value nor export price, since in such cases determination of individual margins is irrelevant. Thus, in view of the above position, without complete information being filed, it is neither feasible nor desirable to determine normal value for Oriental Petrochemicals (Taiwan) Co. Ltd, Taiwan.

Normal Value for Non Cooperative exporters from Taiwan

68. The Authority notes that no other producer/exporter from Taiwan has responded to the Authority in the present investigation. For all the non-cooperative producers/exporters in Taiwan, the Authority has determined the weighted average normal value on the basis of best available information as US\$***/MT.

Indonesia

Normal Value of PT BP Petrochemicals, Indonesia (BPPI)

- 69. Pursuant to the initiation of the present investigation, PT BP Petrochemicals, Indonesia (BPPI) along with its related trading company in Hong Kong namely BP Asia Ltd, Hong Kong (BPAL) filed exporter's questionnaire response. Exporter questionnaire response has also been filed by its other related companies namely China American Petrochemical Co Ltd (CAPCO), Taiwan and BP Zhuhai Chemical Company Limited, China PR in the present investigation.
- 70. During the POI, BPPI sold ***MT of the subject goods in domestic market. In the present investigation, due to wide fluctuation of raw material prices, the Authority considers it appropriate to make month wise analysis of cost and price for the purpose of ordinary course of trade. Out of the total sales in domestic market, only ***% of domestic sales are found to be profitable. Accordingly, only profitable domestic sales transactions of BPPI have been considered for determination of normal value. The exporter has claimed adjustments on account of inland transportation which has been allowed. No other expense has been claimed by the exporter on the domestic selling price of the trading Company. Accordingly, the weighted average normal value for the above producers/exporters has been worked out as US\$***/MT.

Normal Value for Non Cooperative exporters from Indonesia

71. The Authority notes that no other exporter/producer from Indonesia has responded in present investigation. For all the non-cooperative exporters/ producers in Indonesia, the Authority determined the weighted average normal value, on the basis of best available information, as US\$ ***/MT.

Malaysia

Normal value of Recron Malaysia Sdn Bhd, Malaysia

72. As stated in the exporter's questionnaire response, Recron Malaysia Sdn Bhd, Malaysia is a producer/exporter of product concerned from Malaysia. As stated in the EQ response, Recron Malaysia has sold the product concerned in the domestic market as well as to India and other countries both directly and also through distributors/traders. While examining the EQ response filed by the Company, the Authority noted that many vital information concerning costing and injury and also details of related entities engaged in production and sales of subject goods, etc have not been provided. Deficiency letter was issued to Recron Malaysia Sdn Bhd, Malaysia requesting to furnish the required information. But, in response to the deficiency letter issued by the Authority, Recron Malaysia expressed its inability to furnish the required information within the stipulated time and informed that they would provide further information in due course and after issuance of preliminary findings. They further informed that the Authority may consider preliminary findings on the basis of questionnaire response itself or apply best available information, wherever necessary. However, post PF also Recon Malaysia Sdn Bhd did not furnish any relevant information. Consequently, and in view of the above position, in the absence of complete information, the Authority does not determine normal value for Recon Malaysia Sdn Bhd, Malaysia.

Normal Value for Non Cooperative exporters from Malaysia

73. The Authority notes that no other producer/exporter from Malaysia has responded in the present investigation. For all the non-cooperative producers/exporters in Malaysia, the Authority has determined the weighted average normal value on the basis of best available information as US\$***/MT.

Determination of Normal Value for producers and exporters in Iran

74. The Authority notes that no producer/exporter from Iran has filed exporter's questionnaire response in the present investigation. Therefore, for all the producers/exporters in Iran, the Authority determined the weighted average normal value, on the basis of best available information, as US\$***/MT.

EXPORT PRICE

Determination of Export Price for Exporters in China PR

- 75. The Authority notes that the following Chinese producers/ exporters have filed exporters questionnaire response in the present investigation:
- a. BP Zhuhai Chemical Company Limited, China PR.
- b. Zhejiang Yisheng Petrochemical Co. Ltd.
- c. Hainan Yisheng Petrochemical Co. Ltd.
- d. Ningbo Hengyi Trading Co. Ltd.
- e. Yisheng Dahua Petrochemical Co. Ltd.
- f. Xianglu Petrochemicals Co. Ltd., China PR.
- g. Xianglu Petrochemicals (Zhangzhou) Co. Ltd. China PR.
- h. BP Zhuhai Chemical Company Limited, China PR.
- i. Hengli Petrochemical (Dalian) Co., Ltd., China PR.

BP Zhuhai Chemical Company Limited, China PR (BPZ).

76. Pursuant to initiation of the present investigation, exporter questionnaire response has been filed by BP Zhuhai Chemical Company Limited, China PR along with its other related companies namely China American Petrochemical Co Ltd (CAPCO), Taiwan, PT BP Petrochemicals, Indonesia and BP Asia Ltd, Hong Kong (BPAL). From the EQ response and subsequent revised information filed by BP Zhuhai Chemical

Company Limited, China PR, the Authority notes that the Company is a producer of the product concerned. The Authority further notes that BPZ, China PR had exported to India, during the POI, *** MT of the subject goods for the total invoice value of US\$ ***, through its related company BPAL, Hong Kong. As per the information available in the EQ response, the export sales of BPZ to India were on CFR basis and are on 90 days LC terms. After considering the adjustments claimed by BPZ, China PR and BPAL, Hong Kong on account of inland transportation, Ocean Freight, Port handling charges and commission, the Authority has determined the ex- factory export price for BP Zhuhai Chemical Company Limited, China PR and BP Asia Ltd, Hong Kong as US\$***/MT.

ZhejiangYisheng Petrochemical Co. Ltd, Hainan Yisheng Petrochemical Co. Ltd, YishengDahua Petrochemical Co. Ltd., Ningbo Hengyi Trading Co. Ltd.

- 77. From the information available in the exporters questionnaire response, the Authority notes that Zhejiang Yisheng Petrochemical Co. Ltd., China PR, Hainan Yisheng Petrochemical Co. Ltd., China PR, Yisheng Dahua Petrochemical Co. Ltd., China PR and Ningbo Hengyi Trading Co. Ltd., China PR are related entities. While Zhejiang Yisheng Petrochemical Co. Ltd., Hainan Yisheng Petrochemical Co. Ltd., and Yisheng Dahua Petrochemical Co. Ltd., are producers/exporters of the product concerned, Ningbo Hengyi Trading Co. Ltd. is a trading company.
- 78. From the information available in the EQ response, the Authority notes that during the POI, Zhejiang Yisheng Petrochemical Co. Ltd., exported to India totally ***MT product concerned, out of which ***MT were exported to India directly and the balance ***MT were exported through various exporters/traders. The details of the transactions made through trading entities and the response position of the respective trading entities are as follows:

Sl. No	Name of the Trader	Volume of Export (MT)	Remarks
1	***, Korea	***	EQ response filed
2	***, Korea	***	EQ response filed
3	***, Hong Kong	***	EQ response filed
4	***, Korea	***	EQ response not filed
5	***, Korea	***	EQ response not filed
6	***, Shanghai, China	***	EQ response not filed
7	***, Hong Kong	***	EQ response not filed

- 79. The Authority notes that out of the total exports of *** MT product concerned to India by Zhejiang Yisheng during the POI, only *** MT has been brought before the Authority in the form of EQ responses filed by Zhejiang Yisheng Petrochemical Co. Ltd., China PR and the cooperative trading entities and the balance *** MT constituting 43% of the total exports by the Company have gone unrepresented.
- 80. From the information available in the EQ response filed by Hainan Yisheng Petrochemical Co. Ltd., China PR, the Authority notes that the Company has exported *** MT of the product concerned to India during the POI through only one channel i.e. through ***, Korea, which has filed EQ response. As per the EQ response, Hainan Yisheng has not made any direct export to India during the POI.
- 81. From the information available in the EQ responses filed by Yisheng Dahua Petrochemical Co. Ltd., China PR, the Authority notes that the Company has exported the product concerned to India through two channels i.e. directly as well as through trading entities. As per the information available in the EQ response, during the POI, Yisheng Dahua exported ***MT product concerned to India directly and *** MT through ***, Korea, which has also filed exporter's questionnaire response.
- 82. From the EQ response filed by Ningbo Hengyi Trading Co. Ltd, China PR the Authority notes that the said Company has not made any export of product concerned to India during the POI.

- 83. From the information available in the EQ responses filed by the above stated related Chinese producers and some of the involved trading entities, the Authority notes that 43% of the total exports made by the above stated related Chinese producers have gone unrepresented. Interestingly, ***, Korea and ***, Shanghai, related trading companies, have exported to India during the POI substantial volume of product concerned produced by the above stated related Chinese companies. But, while they have filed EQ response in respect of ***MT of product concerned produced by Yishing Dahua and *** MT of product concerned produced by Hainan Yishing, they preferred not to file EQ response in respect of their substantial exports of *** MT of product concerned sourced from Zhejiang Yisheng. Moreover, in the information available in the partial EQ response filed by ***, Korea, it has claimed to have exported *** MT of product concerned sourcing only from Yishing Dahua. But, Yishing Dahua has declared in its response only export of *** MT through ***, Korea. This also indicates that ***, Korea has exported much larger volume of product concerned to India during the POI, either sourcing from the respondent Chinese companies or other Chinese producers which has not been brought before the Authority.
- 84. From the above position, the Authority notes that ***, Korea and ***, Shanghai, related trading companies, have exported the product concerned sourced from related Chinese companies. But, the related trading companies have preferred to file EQ response in respect of some transactions, while preferring not to bring before the Authority remaining transactions involving much larger volume. Such behaviour by the related Chinese companies and the trading companies indicates deliberate attempt to keep sizable volume of exports beyond the scrutiny of the Authority with the obvious intent of gaining undue advantage.
- 85. Post PF also the defaulted entities did not file the required information and the exporter's questionnaire response. Consequently, and in view of the above position, the Authority does not determine individual export price and does not grant individual margins in respect of Zhejiang Yisheng Petrochemical Co. Ltd., Hainan Yisheng Petrochemical Co. Ltd., Yisheng Dahua Petrochemical Co. Ltd. and Ningbo Hengyi Trading Co. Ltd., China PR and the concerned respondent exporters/trading entities.

Hengli Petrochemical (Dalian) Co., Ltd., China PR

86. In the EQ response, Hengli Petrochemical (Dalian) Co., Ltd., China PR, producer/exporter, claimed that they have produced and exported product concerned to India during the POI only directly. But, from the transaction details available in the response, the Authority notes that they have exported to India during the POI directly and also through Hyosung Corporation, Korea. From the details available in the EQ response, the Authority notes that Hengli has exported to India during the POI a total quantity of ***MT, out of which *** MT were exported through Hyosung Corporation, Korea, a trading company. The Authority notes that in the present investigation, Hyosung Corporation, Korea has filed EQ response in respect of its exports of product concerned sourced from other Chinese producers namely Zhejiang Yisheng Petrochemical Co. Ltd., China PR. The behaviour of a trading entity to file EQ response in respect of the export of goods from one source while not filing EQ response in respect of export of goods sourced from other sources cannot be treated as above board and cannot be without the complicity of the concerned producers. Such behaviour by the concerned producers and exporters indicates deliberate attempt to keep sizable volume of exports beyond the scrutiny of the Authority with the obvious intent of gaining undue advantage. The defaulted exporter/trader did not file the exporter's questionnaire response along with the required information even after the lapse of more than six months from the date of issue of the preliminary finding. However, at the much belated stage and at the penultimate stage of this investigation, an exporter's questionnaire response has been filed by Hyosung Corporation, Korea on 31st May, 2016. The Authority notes that the anti-dumping investigation being a time bound process, the much belated exporter's questionnaire response filed by Hyosung Corporation, Korea cannot be accepted. Consequently, and in view of the above position, the Authority does not determine individual export price and does not grant individual margins to Hengli Petrochemical (Dalian) Co., Ltd., China PR.

Xianglu Petrochemicals Co. Ltd., China PR and Xianglu Petrochemicals (Zhangzhou) Co. Ltd. China PR.

- 87. From the information available in the EQ response,the Authority notes that Xianglu Petrochemicals (Zhangzhou) Co. Ltd. China PR and Xianglu Petrochemicals Co. Ltd., China PR, are related producers. During the POI, both the companies exported the product concerned to India through distributors.
- 88. From the information available in the EQ response filed by Xianglu Petrochemicals (Zhangzhou) Co. Ltd. China PR, the Authority notes that the Company exported *** MT of product concerned to India during

the POI through ***, Korea. Although ***has filed EQ response in respect of the export of product concerned sourced from another Chinese producer namely Zhejiang Yisheng Petrochemical Co. Ltd., it preferred not to file EQ response in respect of the export of product concerned sourced from Xianglu Petrochemicals (Zhangzhou) Co. Ltd. China PR.

- 89. Similarly, Xianglu Petrochemicals Co. Ltd., China PR has also exported ***MT of product concerned to India during the POI through ***, Korea (*** MT), ***, Korea (*** MT), and ***, Korea (***MT). The Authority notes that the sum total of exports mentioned against each involved trader is more than the claimed total export. Although ***, Korea and ***, Korea have filed EQ response in respect of their exports of product concerned sourced from Zhejiang Yisheng Petrochemical Co. Ltd., China PR, they preferred not to file EQ response in respect of their export of product concerned sourced from Xianglu Petrochemicals Co. Ltd., China PR. Further, ***, Korea, which has exported the product concerned sourced from both Zhejiang Yisheng Petrochemical Co. Ltd., China PR and Xianglu Petrochemicals Co. Ltd., China PR has not filed EQ response in respect of product concerned sourced from either sources.
- 90. The behaviour of a trading entity to file EQ response in respect of the export of goods from one source while not filing EQ response in respect of export of goods sourced from other sources cannot be viewed as above board and cannot be without the complicity of the concerned producers. Such behaviour by the concerned producers and exporters indicates deliberate attempt to keep sizable volume of exports beyond the scrutiny of the Authority with the obvious intent of gaining undue advantage.
- 91. Despite opportunities provided by the Authority, the defaulted exporters/traders involved in the substantial export transactions of subject goods to India during the POI, did not file the EQ response along with required information. Post PF also the position remains the same and the defaulted traders/exporters did not file the required information and the exporter's questionnaire response. Consequently, and in view of the above position, the Authority does not determine individual export price and does not grant individual margins to Xianglu Petrochemicals (Zhangzhou) Co. Ltd. China PR and Xianglu Petrochemicals Co. Ltd., China PR.

Non Cooperative exporters from China PR

92. The Authority notes that no other producer/exporter from China PR has responded to the Authority in the present investigation. For all the non-cooperative producers/exporters in China PR, the Authority has determined the export price as US\$***/MT on the basis of best available information.

Determination of Export Price for Exporters in Taiwan

Formosa Chemicals & Fibre Corporation (FCFC), Taiwan

- 93. As per the information available in the exporter's questionnaire response, the Authority notes that Formosa Chemicals & Fibre Corporation (FCFC), Taiwan is a producer/exporter of subject goods. During the POI, as stated in the EQ response, FCFC has two channels of exports i.e. direct exports and exports made through trading entities.
- 94. From the information furnished in the EQ response, the Authority notes that during the POI, FCFC exported directly *** MT of subject goods for Invoice value NTD ***. FCFC has also exported product concerned through many other exporters by commercial invoicing, but shipped the goods directly, as per the details given below:

Sl. No	Name of the Trader	Volume of Export (MT)	Invoice Value	Remarks
1	***. , Taiwan	***	NTD ***	EQ response not filed
2	***, Japan	***	NTD ***	Post PF, EQ response filed
3	*** Taiwan	***	NTD ***	EQ response filed
4	***, Taiwan	***	NTD ***	EQ response filed

- 95. The Authority notes that pursuant to initiation of the investigation, EQ response has been filed by ***, Taiwan and ***. Post PF, ***, Japan also filed exporter's questionnaire response, whereas ***, Taiwan continued to be a defaulter, hence the quantity exported by ***, Taiwan, has not been considered by the Authority.
- 96. Thus, out of the total export of ***MT of subject goods, questionnaire responses have been filed by FCFC and other involved trading entities for ***MT, which constitutes 84% of the total exports to India. The export sales of FCFC directly and through its unrelated trading companies are on FOB/CFR basis and are on LC at sight terms. For direct sales commission has been paid and there is no difference in packing condition of domestic and export sales. FCFC has claimed adjustment on account of commission, freight/ clearing fee, international insurance, inland freight, clearance and handling loading and ancillary expenses, trade promotion fee, harbour service fee, packing expenses and bank charges/discount interest/negotiation, on monthly basis and the same have been allowed by the Authority for determination of net export price. Accordingly, the weighted average ex-factory export price has been worked as US\$ ***/MT.

China American Petrochemical Co Ltd, Taiwan

- 97. Pursuant to initiation of present investigation, exporter questionnaire response was filed by China American Petrochemical Co Ltd (CAPCO), Taiwan along with its related trading company BP Asia Ltd (BPAL), Hong Kong. Exporter questionnaire response has also been filed by its other related companies namely PT BP Petrochemicals, Indonesia and BP Zhuhai Chemical Company Limited, China PR in the present investigation. As stated in the exporter's questionnaire response, during the POI, CAPCO had no direct exports to India and exported the entire volume of product concerned through its related trading company i.e. BP Asia Ltd (BPAL), Hong Kong. As claimed by CAPCO, during the POI it exported ***MT of subject goods for the total invoice value of US\$ ***to India through BPAL, Hong Kong.
- 98. The Authority notes that the export sales of China American Petrochemical Co Ltd (CAPCO), Taiwan via BP Asia Ltd (BPAL), Hong Kong are in CFR basis with 90 days LC terms. The claimed adjustments considered by the Authority are on account of inland freight, ocean freight, port handling charges and commission, wherever applicable, on monthly basis, and accordingly the ex-factory weighted average net export price has been determined as US\$***/MT.

Oriental Petrochemical (Taiwan) Co Ltd, Taiwan.

99. From the EQ response, the Authority notes that Oriental Petrochemicals (Taiwan) Co. Ltd (OPTC) is a producer of subject goods from Taiwan. As regards exports to India, during the POI, as stated in the EQ response, OPTC has only one channel of export i.e. through traders. While the product concerned has been shipped by OPTC directly to India, the commercial invoicing has been done through the trading entities as mentioned below:

Sl. No	Name of the Trader	Volume of Export (MT)	Remarks
1	***, Taiwan	***	Exported *** MT directly, *** MT through *** and *** MT through ***.
2	***, Japan	***	
3	***, Korea	***	
4	*** Taiwan	***	*** MT directly and *** MT through ***, Hong Kong
5	***., Taiwan	***	
6	***., Taiwan	***	

100. First of all, the Authority notes that while EQ response has been filed by ***, Taiwan, ***, Japan, ***, Korea and ***, Taiwan, the other trading companies involved in the channel of exports of product concerned made by OPTC to India during the POI have not filed EQ response. From the information

furnished in the EQ responses, the Authority notes that out of *** MT of exports made through ***, Taiwan, ***MT was further exported through *** MT was exported through ***. While, ***, Taiwan has filed EQ response, the other sub trading entities involved in the transactions namely ***and ***have not filed EQ response in the present investigation and therefore such unrepresented transactions cannot be taken in to consideration. Thus, the total exports of product concerned made by OPTC through ***, Taiwan, for which EQ response has been filed, is *** MT.

- 101. Further, from the information available in the EQ responses, the Authority notes that during POI, OPTC exported ***MT of product concerned through ***, Taiwan, out of which ***MT was exported by ***directly and *** MT through another trading entity namely ***, Hong Kong, which has not filed EQ response in the present investigation. Further, while ***, Japan is involved in the commercial transactions, ***, Taiwan has filed the EQ response, which cannot be accepted. Therefore, such unrepresented transactions also cannot be taken in to consideration.
- 102. From the information available in the EQ responses filed and in view of the above position, the Authority notes that out of the total claimed exports of ***MT of product concerned by OPTC during POI to India, only *** MT accounting for a mere 33% of the total claimed exports have been brought before the Authority by OPTC and other trading entities involved in the exports and the balance exports have gone unrepresented. In view of the above position, the exports and export price claimed by OPTC cannot be considered as representative of OPTC.
- 103. The EQ responses filed by OPTC and the involved exporters were examined and deficiency letters issued. Despite the opportunity provided by the Authority, the concerned exporters did not file the EQ response and the complete information concerning exports of product concerned by OPTC to India during the POI was not brought before the Authority. Post PF also the defaulted exporters/traders did not file the required exporter's questionnaire response and the complete information concerning exports of product concerned of OPTC to India during the POI.
- 104. In view of the above position, in the absence of the complete information in respect of substantial volume of exports of subject goods made by OPTC to India during the POI, the Authority does not determine export price for and grant individual margins to OPTC.

Non Cooperative exporters from Taiwan

105. The Authority notes that no other producer/exporter from Taiwan has responded to the Authority in the present investigation. For all the non-cooperative producers/exporters in Taiwan, the Authority has determined the net export price as US\$***/MT on the basis of best available information.

Export Price of Indonesia

M/s PT BP Petrochemicals Indonesia

- 106. Pursuant to initiation of the present investigation, PT BP Petrochemicals, Indonesia along with its related trading company BP Asia Ltd, Hong Kong filed the exporter questionnaire response. Exporter questionnaire response has also been filed by its other related companies namely China American Petrochemical Co Ltd (CAPCO), Taiwan and BP Zhuhai Chemical Company Limited, China PR in the present investigation.
- 107. As per the exporter questionnaire response filed by PT BP Petrochemicals, Indonesia, during the POI, ***MT of the subject goods for the total invoice value of US\$ ***were exported through BP Asia Ltd, Hong Kong. From the information furnished, the Authority notes that the export sales were on CFR basis and are on 90 days LC terms. The claimed adjustments considered by the Authority are on account of inland transportation, Ocean Freight, Port handling charges, commission, wherever applicable, on monthly basis, and accordingly the ex-factory weighted average net export price has been determined as US\$***/MT.

Non-cooperative Exporters from Indonesia

108. The Authority notes that no other producer/exporter from Indonesia has responded to the Authority in the present investigation. For all the non-cooperative producers/exporters in Indonesia, the Authority has determined the weighted average net export price as US\$***/MT on the basis of best available information.

Export Price of Malaysia

Recron Malaysia SdnBhd, Malaysia

109. As stated in the exporter's questionnaire response, Recron Malaysia SdnBhd, Malaysia is a producer/exporter of product concerned from Malaysia. As stated in the EQ response, Recron Malaysia has sold the product concerned to India both directly and also through distributors/traders. While examining the EQ response filed by the Company, the Authority noted that many vital information concerning costing and injury and also details of related entities engaged in production and sales of subject goods, etc have not been provided. Deficiency letter was issued to Recron Malaysia SdnBhd, Malaysia requesting to furnish the required information. But, in response to the deficiency letter issued by the Authority, Recron Malaysia expressed its inability to furnish the required information within the stipulated time and informed that they would provide further information in due course and after issuance of preliminary findings. They further informed that the Authority may consider preliminary findings on the basis of questionnaire response itself or apply best available information, wherever necessary. However, post PF, despite opportunities provided by the Authority, Recron Malaysia has not furnished complete information. Consequently, and in view of the above position, in the absence of complete information, the Authority does not determine net export price for Recon Malaysia SdnBhd, Malaysia.

Export price of Non Cooperative exporters from Malaysia

110. The Authority notes that no other producer/exporter from Malaysia have responded to the Authority in the present investigation. For all the non-cooperative producers/exporters in Malaysia, the Authority has determined the weighted average net export price as US\$***/MT on the basis of best available information.

Export price of Iran

111. The Authority notes that no producer/exporter from Iran has filed exporter's questionnaire response in the present investigation. Therefore, for all the producers/exporters in Iran, the Authority determines the weighted average net export price as US\$***per MT on the basis of best available information.

DUMPING MARGIN

112. Considering the Normal Values and the Export Prices determined above, the dumping margins are calculated as below:

Sl. No	Channel of Export	Name of Producer	Exporter	Normal Value US/MT	Net Export Price US\$/MT	Dumping Margin US\$/MT	Dumping Margin %	Dumping Margin Range%
			Ch	ina PR				
1	China PR- India	BP Zhuhai Chemical Company Limited, China PR	BP Asia Ltd, Hong Kong	***	***	***	***	20-30
2	Any	All Other Producers	All Other Exporters	***	***	***	***	20–30
			Inc	donesia				
4	Indonesia - India	PT BP Petrochemicals , Indonesia	BP Asia Ltd, Hong Kong	***	***	***	***	10-20
5	Any	All Other Producers	All Other Exporters	***	***	***	***	25-35
			T	aiwan	•	•	•	
6	Taiwan-	China	BP Asia Ltd,	***	***	***	***	20-30

S1.	Channel of	Name of	Exporter	Normal	Net	Dumping	Dumping	Dumping
No	Export	Producer	•	Value	Export	Margin	Margin %	Margin
				US/MT	Price	US\$/MT		Range%
				05/111	US\$/MT	Ουψητί		
	T 11		** **		Ουψητίτ			
	India	American Petrochemical	Hong Kong					
		Co Ltd,						
		Taiwan						
	TD 1		F.	***	***	***	***	5.15
7	Taiwan- India	Formosa Chemicals &	Formosa Chemicals &	***	***	***	***	5-15
	Illula	Fibre	Fibre					
		Corporation,	Corporation,					
		Taiwan	Taiwan					
8	Taiwan-	Formosa	Dinowik Pte	***	***	***	***	5-15
	India	Chemicals &	Ltd,					0 10
		Fibre	Singapore,					
		Corporation,	Methyl Co.,					
		Taiwan	Ltd, Taiwan,					
			Itochu					
			Corporation					
			Japan					
9	Any	All Other	All Other	***	***	***	***	10-20
		Producers	Exporters					
				Iran				
10	Any	All Other	All Other	***	***	***	***	5-15
		Producers	Exporters					
			M	alaysia	ı	1		ı
11	Any	All Other	All Other	***	***	***	***	15-25
		Producers	Exporters					
	1			1	ı	l	1	

H. <u>INJURY AND CAUSAL LINK</u>

<u>Submissions made by Exporters, Importers, Users and other Interested Parties</u>

- 113. The following submission have been made by the producers/exporters/importers/ other interested parties during the course of this investigation and considered relevant by the Authority:
 - i. RIL and IOCL are operating at more than 100% capacity, whereas MCPL is operating at a capacity of 76% and incurring losses due to its inherent faulty technology. Further, MCPL has its own competitive disadvantages ranging from technology implementation issues to geographical disadvantages.
- ii. The sole cause of injury to MCPL is its faulty technology of production due to which it is operating at very low rate of capacity utilization and is not viable. Injury due to such cause cannot be attributed to any other cause including the alleged dumped imports. The Authority must seek petition filed by MCCPTA before BIFR for injury analysis.
- iii. DGAD has not clarified whether data of Indian Oil Corp. Ltd. (IOCL) has been considered or not.
- iv. Any injury that MCPL is suffering may be due to a shortage of PX, the primary raw material, leading to price rise of PX; however, the same price rise was not matched by PTA, which resulted in lesser margins for the Applicant Domestic Producers.
- v. The Authority needs to examine inter se competition among domestic producers who are earning profits, while MCC PTA is running into losses. The reason of losses to MCC PTA is on account of inter se competition between RIL and IOCL and faulty production technology of MCC PTA.

- vi. The imports under advance license may be excluded for a fair & just analysis of the impact of the imports on the domestic industry and conclusions in the current investigation.
- vii. The performance of domestic industry on account of the volume parameters such as production, capacity utilisation, sales and market share has improved. The performance of domestic industry on account of profitability, cash flows and ROCE is on account of factors other than imports from subject country.
- viii. There is no causal link between the imports from subject countries and the injury to the domestic industry. There are significantly higher imports from other countries attracting anti-dumping duty resulting in injury to domestic industry. Import price of the subject country is much more than the import price of other countries and countries attracting Anti-dumping Duty. Any injury suffered by domestic industry is self-inflicted.
- ix. There is no price or volume injury to the domestic industry. The reduction in prices is in line with reduction in prices of raw material and international crude prices.
- x. The Price undercutting is estimated to be insignificant and there is no price suppression effect in the present investigation. There is no price injury to domestic industry. The MCC PTA plants overhead cost is exceptionally high due to high remuneration to high level managerial from Japan.
- xi. The Authority should examine actual and potential decline in various economic parameters for domestic producers as a whole, rather than restricting injury examination to the domestic industry alone.
- xii. It is well settled by the Designated Authority that difference in credit period and freight charges are not construed as part of NIP. It appears that the domestic industry do not agree with the legal provisions concerning determination of landed value and determination of injury margins.
- xiii. The respondent agrees that the PTA plant need to be operated at high rates to get viable. It is also noted that the 2ndPTA plant of MCC PTA is not functioning at high operating rates and the same is cause of injury. The PTA plants of other domestic producers are also operating at high rates and are running into profits. The Authority must consider the performance of IOCL to examine the reasons of losses to MCC PTA.
- xiv. The domestic industry has claimed excessive capacity as a reason for imposition of ADD. It is submitted that applicants have claimed material injury and threat of material injury both, which cannot exist concurrently. The domestic producer has also not claimed existence of capacities in any country except China PR. Moreover, merely existence of production capacity in itself is insufficient to conclude a finding on dumping from subject country.
- xv. The submissions of domestic industry concerning surplus production capacity are not relevant for the purpose of present investigation. The AD investigation is conducted by examining the existence of dumping, injury and causal link. The domestic industry has not substantiated their claim of existence of surplus production capacity.
- xvi. The production and sales volume of the domestic producers increased significantly and could not be increased further due to their production constrains. Therefore, the volume of the applicant domestic producers is not affected by the imports in any manner.
- xvii. The addition of production capacities and domestic industry sales itself establishes that the industry in India is perceiving very bright prospects for PTA market. No rational business house will contemplate installing facilities for commercial production if it is actually suffering material injury or having any threat of material injury.
- xviii. Import from Iran and Indonesia is below 4% as per the summary submitted by the applicant domestic producers. If the raw data is analysed, the import volume from both countries would be below 3%, i.e. de minimis, requiring immediate termination of the investigation.
- xix. The DA has not examined the conditions of competition between the imported products and the conditions of competition between the imported products and the like domestic product before proceeding to assess cumulative effects on Domestic Industry.

Submissions made by domestic industry

- 114. The following submissions with regard to injury and causal link have been made by the domestic industry and considered relevant by the Authority:
- i. Injury margin determined by the Authority is low. The Authority has not considered difference in credit period between domestic industry and foreign suppliers and freight cost for determination of injury margin.
- ii. PTA plants, being petrochemical plant, are required to run at high operating rates. If the plants are not operated at high rate, they are not viable. The impact of dumping would not be necessarily visible in terms of volumes but would be found in respect of adverse price effect.
- iii. There has been a significant increase in dumped imports, both in absolute terms and relative to production and consumption in India. Imports are undercutting the domestic prices. Resultantly, the domestic industry is unable to increase its prices in response and to the extent of cost increases.
- iv. Imports are significantly suppressing and depressing the domestic prices, as the domestic industry is forced to align its prices with the import prices. As a result of dumped imports, the domestic industry has been forced to sell the product at loss-making prices.
- v. The domestic industry has not claimed volume injury. Moreover, existence of volume injury is not a pre-requisite for holding that the domestic industry has suffered injury. Being volume and price injury, even if one of the two exists, the authority shall record a finding of injury.
- vi. The designated authority may cumulatively assess the effect of such imports, in case imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti-dumping investigations as per the conditions prescribed under Annexure II of the Anti-Dumping Rules.
- vii. Performance of the domestic industry improved in terms of production and capacity utilization. Despite improvement in production and capacity utilization; the domestic industry is faced with losses, cash losses and negative return on investment. Thus, positive improvements in production and capacity utilization did not help the domestic industry in improving its financial performance. Deterioration in price parameters far outweighs the improvements in production and capacity utilization. Inventories level of the domestic industry has also increased
- viii. It has been contended by the interested parties in the recently concluded investigations concerning Thailand and Korea that the decline in profitability, cash flow and return on investment for the domestic industry was on account of inability of MCPI to produce the product at optimum levels in the new plant. The petitioners have therefore determined profits, cash flow and return on investment separately for the two plants of MCPI.
- ix. Duping of subject goods from subject countries is the cause of injury to the domestic industry.
- x. Imports from subject country and existence of surplus capacity are also posing threat of material injury to the domestic industry.
- xi. The domestic industry has not claimed volume injury. The domestic industry has claimed adverse price effect of dumping on the domestic industry.
- xii. Profits, cash flow and return on investment for the new plant of the MCPI will show deterioration even if the new plant is normated (had the plant produced at the level at which the old plant has produced).
- xiii. It is presumptive that RIL and IOCL are not suffering injury. In fact, RIL's information is on record of authority and the same clearly establishes that the company has suffered injury. As regards plant operating rates for RIL or IOCL, the petitioners have not claimed volume injury. The request for ADD is not based on the grounds that MCPI is not able to produce due to dumping in the Country. The petitioners have claimed adverse price effects of imports.
- xiv. The DA is required to determine injury to the domestic industry considering the data relating to domestic industry defined under the law. There is no evidence on record with regard to IOCL and

- therefore DA cannot consider the same. The domestic industry is pricing its product by considering the import prices and not prices offered by IOCL.
- xv. Given the demand supply situation during POI, there was no necessity to resort to *inter se* competitions selling price of domestic industry is lower than the landed price of imports.
- xvi. The domestic industry has already established that even if the performance of the 2nd plant is normated, the domestic industry is still suffering injury. Further it is submitted that dumping need not be the only factor of injury. The Designated Authority has already determined NIP based on Annexure-III.
- xvii. BIFR report deals with sickness of the company and not with deterioration of the company. The present case concerns deterioration in performance and not sickness of the company. Deterioration in performance and sickness of the company are two different parameters
- xviii. At one place association has contended that MCPI could not produce due to technical problem, at other place, the association has contended that MCPI is suffering due to shortage of PX. The association has resorted to all sorts of misleading or contradictory statements. MCPI is not suffering due to shortage of PX. It is not established how non-availability of raw material is a cause of injury to the domestic industry.
- xix. The authority and investigating authorities globally, has been consistently examining actual performance of the domestic industry over the injury period. It is only in a situation where actual performance over the injury period does not show injury to the domestic industry that the authority shall examine potential situation with regard to various economic parameters
- xx. Present capacities in the Country are sufficient to meet the present and potential demand for the product in the Country. Despite good capacity utilization, RIL performance has also deteriorated in respect of parameters such as profits, return on investment and cash flows.
- xxi. When the price of the subject country has declined its volume has increased and when the price has increased its volume has declined. The change in the share of imports between present subject countries and countries attracting ADD itself establishes that the consumers shift to the low price product, even if it dumped.
- xxii. Principles of fair comparison also demand that the domestic industry price be compared with the foreign producers' price at the same level. On this account as well, it is important that the domestic industry price and imported product price are considered with the same credit period. Further the selling price of the domestic industry should be compared with the landed price of imports after including the freight cost involved in case of domestic industry.
- xxiii. The petitioner does not dispute adjustments for time lag. The petitioner requests the Authority to undertake adjustments on the basis of time lag and determine price undercutting by comparing the invoice price of the imports for a month to the selling price of the domestic industry for the same month
- xxiv. Cost per MT on account of salary & wages is a meagre as against a loss during the POI. In any case, this can be a ground for difference in absolute performance of different companies. This cannot be a ground for deterioration in performance of the domestic industry over the years. With similar organization structure, the profitability of the domestic industry has deteriorated
- xxv. The petitioners have neither claimed injury on account of wages and salaries, nor do the rules specify that injury to the domestic industry should be visible in respect of all parameters.
- xxvi. MCPL was not suffering losses during the base year of previous investigation. The dumping of the product has led to deterioration of performance of the company. There is significant dumping of the product under consideration ever since this plant has commenced commercial production. The profitability of the PTA has declined globally with the intensifying dumping with decline in delta between PX and PTA.
- xxvii. The present investigation is against imports of PTA. And price of Paraxylene, being the raw material of PTA and the product concerned alone are the relevant and determining factors. The market prices of crude oil and naphtha are irrelevant to the present investigation. Only the fact of dumping is relevant.

Examination of the Authority

115. The submissions made by the domestic industry and other interested parties during the course of investigations with regard to injury and causal link and considered relevant by the Authority are examined and addressed as below:

- i. As regards the submission that MCPI suffered technical problems in their plant which is the real cause of injury, the Authority notes that it is a fact that MCPI suffered technical problems in their plant, but that cannot be interpreted as the only cause of injury. Moreover, MCPI has claimed adverse effects of imports on the parameters such as profits, cash flows, return on investment, etc. Further, while determining NIP, the impact of such factors has been taken into account.
- ii. As regards the submission that MCPI is suffering injury due to a shortage of PX, the primary raw material, leading to price rise of PX, the Authority notes that claimed injury to the domestic industry is not on account of volume effect. Therefore, shortage of major raw materials impacting production of subject goods by the domestic industry is not relevant.
- iii. As regards the submission that the reduction in prices of PTA is in line with reduction in prices of raw material and international crude prices, the Authority notes that PX and not Naphtha is a major raw material for the subject goods.
- iv. As regards the contention that M/s MCC PTA India Corp. Pvt Ltd has established the Plant at a disadvantageous place in comparison to other domestic producers and due to this reason they failed to compete with other domestic producers, the Authority notes that location of a plant and its associated advantages/disadvantages are not relevant under the anti-dumping law for injury analysis. The injury on account of dumping of subject goods from the subject countries has been established in the present final finding.
- v. As regards the contention that due to inter-se competition among the domestic producers, MCPI is suffering injury, the Authority notes that the submission is unsubstantiated. During the course of the investigation, nothing relevant was brought before the authority to establish that injury to the domestic industry is actually on account of inter-se competition among the domestic producers and not due to dumping.
- vi. As regards the submission that MCPL had reported it as sick company to the Board for Industrial and Financial Reconstruction, the Authority notes that BIFR report deals with sickness of the company and not with deterioration in the performance of the company on account of dumping.
- vii. The opposing parties have contended that the domestic industry has not established potential decline in various factors. In this regard, it is noted that only in a situation where actual performance over the injury period does not show injury to the domestic industry, the authority is required to examine potential situation in respect of various economic parameters.
- viii. As regards the submission that RIL and IOCL are operating at more than 100% production capacity and no further supply is expected from them. MCPL, which is using faulty production technology, also cannot increase its production. The intent of anti-dumping duty is not to prevent imports. The user sector can always continue to import the subject goods at fair market price beyond the capacity of domestic industry. Designated Authority is required to consider domestic industry and not other domestic producers for assessment of injury. Further, the domestic industry has claimed adverse effects of imports on the parameters such as profits, cash flows, return on investment, etc.
- ix. As regards the submission that applicants claimed price undercutting based on the prices of the MCPL only, the Authority notes that the applicant domestic producer in the present investigation is MCPL who constitutes domestic industry under the Anti-dumping Rules. Therefore, in terms of the provisions laid down under the Anti-dumping Rules, the Authority is required to investigate and determine injury in respect of the domestic industry only.
- x. As regards the submission concerning non-consideration of IOCL data in the injury analysis, the Authority notes that on 1st June, 2016 IOCL has provided some data concerning production, sales and profitability of PUC during the POI. As claimed by IOCL, they have incurred substantial losses on the sales of PUC during the POI. Thus, the data submitted by IOCL indicates that the dumping of subject goods from the subject countries have injurious effect.

- xi. As regards the submission that the imports under advance license may be excluded for a fair & just analysis of the impact of the imports on the domestic industry and conclusions in the current investigation, the Authority notes that the imports made under duty exemption scheme cannot be considered to have not affected the price in the domestic market. An Advance license/authorisation holder has a choice either to import the inputs on a duty free basis or procure the same from indigenous sources by using the mechanism of Advance Release Order. The purpose of injury analysis is to examine and capture the effect of dumped imports on the domestic industry. Therefore, it would not be reasonable to exclude all duty free imports for the purpose of injury analysis.
- xii. As regards the submission that there is no causal link between the imports from subject countries and the injury to the domestic industry and injury suffered by domestic industry is self-inflicted, the Authority notes that the data analysed in the present final finding is self-explanatory and adequately shows that injury to the domestic industry is largely on account of imports of the subject goods from the subject countries.
- xiii. As regards the submission that Import from Iran and Indonesia is below 3%, i.e. de minimus, requiring immediate termination of the investigation. The Authority notes that it is not factually correct. Import from Iran and Indonesia is more than de minimus level. Transaction wise non confidential imports data has been furnished by the domestic industry and made available in the public file.
- xiv. As regards the contention of the opposite interested parties that the adjustments relating to credit cost and freight cost for the computation of NIP, as requested by the domestic industry, cannot be allowed, the Authority notes that the detailed guideline for computation of NIP is laid down under Annexure III of the Anti-dumping Rules and the same has been adopted while determining NIP in the present investigation.

Cumulative Assessment

- 116. Article 3.3 of WTO agreement and Annexure II para (iii) of the Anti-dumping Rules provides that in case where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti-dumping investigations, the Authority will cumulatively assess the effect of such imports, in case it determines that:
- a. the margin of dumping established in relation to the imports from each country is more than two percent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three percent (or more) of the import of like article or where the export of individual countries is less than three percent, the imports collectively account for more than seven percent of the import of like article and
- b. Cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles.
- 117. The domestic industry, in its submissions, has argued that exporters from more than one country are dumping the subject goods in the Indian market and margins of dumping from each of the subject countries are more than the limits prescribed above. Quantum of imports from each of the above countries is more than de-minimus limits. Therefore, cumulative assessment of the effects of imports is appropriate since the exports from the subject countries directly compete with the like goods offered by the domestic industry in the Indian market. The other interested parties have argued that the Authority has not examined the conditions of competition between the imported products and the like domestic product before proceeding to assess cumulative effects on Domestic Industry.
- 118. The Authority notes that this investigation has been initiated against alleged dumping of the subject goods from China PR, Iran, Indonesia, Malaysia and Taiwan. Determination of the margins of dumping in the present final finding indicates that the margins of dumping for the subject goods from each of the subject countries mentioned herein above are more than de minimus. Further, the volume of imports from each of the subject countries is also more than the limits prescribed. CIF price range and the landed values at which the goods are being imported from the subject countries indicate a clear inter se competition between the imports from these sources in the Indian market. The imports from the subject countries are directly competing with the like goods offered by the domestic industry in the Indian market. Domestic producer and exporters from the subject countries are selling the like product to the same category of customers and both are competing in

the same market. Both are being used by the consumers interchangeably. In view of the above position, the Authority holds that cumulative assessment of the effects of imports is appropriate in this case and accordingly, cumulative assessment of the effects of dumped imports from all dumped sources has been carried out in the present investigation to examine the injury and causal links.

119. Rule 11 of Antidumping Rules read with Annexure II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, ".... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles...." In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales volume, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. have been considered in accordance with Annexure II of the Anti-Dumping Rules.

Volume Effect of the Dumped imports on the Domestic Industry

i) Demand and market share

120. Authority has defined, for the purpose of the present investigation, demand or apparent consumption of the product in India as the sum of domestic sales of the Indian Producers and imports from all sources. The demand so assessed is given in the table below. The Authority notes that the demand of the product under consideration has increased over the period.

Particulars	Units	2011-12	2012-13	2013-14	POI
Demand	MT	38,84,428	41,04,498	46,29,760	47,05,225
Trend	Index	100	106	119	121
Imports from Subject Countries	MT	47,816	29,517	1,30,187	3,86,361
Trend	Index	100	62	272	808
Import From Other Countries attracting duty	MT	5,11,137	5,86,986	8,18,335	6,57,644
Trend	Index	100	115	160	129
Import From Other Countries	MT	35,960	31,455	26,912	1,082
Trend	Index	100	87	75	3
Sale of Domestic Industry	MT	6,78,787	8,32,250	10,45,520	10,36,246
Trend	Index	100	123	154	153
Sale of Other producers	MT	26,10,727	26,24,290	26,08,805	26,23,892
Trend	Index	100	101	100	101

ii) Market Share in Demand

121. Considering imports from various sources and sales of the domestic industry, market share of subject imports in demand in India was examined. Whereas share of dumped imports from subject countries increased substantially, the share of domestic industry, although increased during the POI as compared to the base year, it is much less as compared to the increase in the share of dumped imports and increase in demand during the same period.

Particulars	Units	2011-12	2012-13	2013-14	POI
Import from Subject Countries	%	1.23	0.72	2.81	8.21
Import from Other Countries attracting duty	%	13.16	14.30	17.68	13.98
Import from Other Countries	%	0.93	0.77	0.58	0.02
Sale of Domestic Industry	%	17.47	20.28	22.58	22.02
Sale of Other producers	%	67.21	63.94	56.35	55.77

iii) Import volume and market share

122. The volume of imports of the subject goods from the subject countries is as under. It is observed from the above table that imports from subject countries increased significantly during the POI as compared to the base year.

Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	POI
Volume					
Subject Countries	MT	47,816	29,517	1,30,187	3,86,361
Other countries attracting duty	MT	5,11,137	5,86,986	8,18,335	6,57,644
Other countries		35,960	31,455	26,912	1,082
Total imports	MT	5,94,913	6,47,958	9,75,434	10,45,087
Market Share in imports					
Subject Countries	%	8.04	4.56	13.35	36.97
Other countries attracting duty	%	85.92	90.59	83.89	62.93
Other countries	%	6.04	4.85	2.76	0.10

iv) Share of imports in relation to production

123. Authority notes that the imports from subject countries have increased in relation to the production in India, as is evident from the following table:

Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	POI
Imports from Subject Countries	MT	47,816	29,517	1,30,187	3,86,361
Production of domestic industry	MT	6,80,710	8,42,597	10,34,602	10,47,777
Imports in relation to production of domestic industry.	%	7	4	13	37

v) Capacity & capacity utilization

124. Capacity and capacity utilization of the domestic industry over the injury period is given in the following table. It is observed that capacity utilization of the domestic industry increased during POI as compared to the base year.

Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	POI
Capacity MT	MT	13,70,000	13,70,000	13,70,000	13,70,000
Production	MT	6,80,710	8,42,597	10,34,602	10,47,777
Capacity utilization	%	50	62	76	76

vi) **Production**

125. Production data of the domestic industry is given in the following table. It is observed that production of the domestic industry has increased due to increase in demand.

	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	POI
Production	MT	6,80,710	8,42,597	10,34,602	10,47,777
Trend	Index	100	124	152	154
Demand	MT	38,84,428	41,04,498	46,29,760	47,05,225
Trend	Index	100	106	119	121
Production in relation to Demand	%	18	21	22	22

vii) Sales volume

126. Sales volume of the domestic industry is given in the following table. It is observed that sales of the domestic industry have increased during the POI as compared to the base year. Whereas share of dumped imports from subject countries increased substantially, the share of domestic industry, although increased during the POI as compared to the base year, it is much less as compared to the increase in the share of dumped imports and increase in demand during the same period.

	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	POI
Domestic sales	MT	6,78,787	8,32,250	10,45,520	10,36,246
Trend	Index	100	123	154	153
Demand	MT	38,84,428	41,04,498	46,29,760	47,05,225
Trend	Index	100	106	119	121
Market Share of					
Domestic industry in demand	%	17	20	23	22

Price Effect of the Dumped imports on the Domestic Industry

127. With regard to the effect of the dumped imports on prices, the Designated Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. For the purpose of this analysis, the weighted average cost of sales (COP), weighted average Net Sales Realization (NSR) and the Non-Injurious Price (NIP) of the domestic industry have been compared with the landed cost of imports from the subject countries.

i. Price Undercutting

128. The net sales realization has been arrived after deducting outward freight and taxes. Landed value of imports has been calculated by adding 1% handling charge and applicable basic customs duty including applicable cess to the CIF value of subject imports. The landed value of imports was compared with net sales realization of the domestic industry and it was found that the price undercutting from the subject countries is positive during the POI. The Authority has determined the landed value of the subject goods at ex-port level and the net sales realization of the domestic industry at ex-factory level as per its established practice.

	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	POI
Subject Countries					
Price undercutting	Rs./MT	***	***	(***)	***

	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	POI
Price undercutting	%	***	***	(***)	***
Range	%	0-10	0-10	(0-10)	0-10
China PR			l	-	-
Price undercutting	Rs./MT	(***)	***	(***)	***
Price undercutting	%	(***)	***	(***)	***
Range	%	(15-25)	5-15	(0-10)	0-10
IRAN		1		-1	
Price undercutting	Rs./MT	***	***	***	***
Price undercutting	%	***	***	***	***
Range	%	10-20	0-10	0-10	0-10
Malaysia		1			
Price undercutting	Rs./MT	(***)	(***)	***	***
Price undercutting	%	(***)	(***)	***	***
Range	%	(10-20)	(0-10)	5-15	0-10
Taiwan	"	-1		1	
Price undercutting	Rs./MT	***	***	(***)	***
Price undercutting	%	***	***	(***)	(***)
Range	%	0-10	0-10	(0-10)	0-10
Indonesia		-1		-	
Price undercutting	Rs./MT	-	-	(***)	***
Price undercutting	%	-	-	(***)	(***)
Range	%	-	-	(0-10)	0-10

ii. Price Underselling

129. Authority notes that the price underselling is an important indicator of assessment of injury. Non injurious price has been worked out and compared with the landed value of the subject goods to arrive at the extent of price underselling. The non-injurious price has been determined considering the cost of production of the domestic industry for the product under consideration during the POI, in accordance with Annexure III of the Anti-dumping Rules. The weighted average NIP and Landed Value have been worked out on the basis of monthly import volume. The analysis shows that during the POI the landed value of subject imports were below the non-injurious price of the domestic industry as can be seen from the table below.

Particulars	Unit	China	Iran	Malaysia	Taiwan	Indonesia	ALL
Non Injurious Price	Rs./MT	***	***	***	***	***	***
Landed Value (POI)	Rs./MT	59,216	51,880	52,850	56,248	48,065	55,635
Price Underselling	Rs./MT	***	***	***	***	***	***
Underselling	%	***	***	***	***	***	***
Underselling	% Range	0-10	5-15	5-15	0-10	5-15	5-15

iii. Price suppression/depression

130. The Authority examined whether the effect of the dumped imports was to depress the prices of the like article in India, or prevent price increases which would have otherwise occurred.

Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	POI
Cost of Sales	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Index	100	109	113	94
Selling Price	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Index	100	105	109	90
Landed value of imports (Subject countries as a whole)	Rs./MT	62,869	66,327	70, 948	55,635
Trend	Index	100	106	113	88

131. The Authority notes that the cost of sales, selling price and landed value of imports have declined during the POI as compared to the preceding years. This shows that the prices were suppressed on account of dumped imports and the domestic industry was not able hold its prices in proportion to decrease in costs.

Economic parameters of the domestic industry

i. Profit/Loss

132. The profitability of the domestic industry is given in the following table. It is seen that domestic industry is suffering losses throughout the injury period. The losses of the domestic industry increased significantly during the POI as compared to the base year. Cash losses as well as negative return on investment have also increased in the POI as compared to base year.

Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	POI
Profits	Rs./Lakh	(***)	(***)	(***)	(***)
Trend	Index	(100)	(180)	(220)	(192)
Cash Profit	Rs./Lakh	(***)	(***)	(***)	(***)
Trend	Index	100	237	304	256
ROCE	%	(***)	(***)	(***)	(***)
Trend	Index	(100)	(191)	(243)	(236)

ii. Cash Flow

133. Authority has examined the trends in cash profits in order to examine the impact of dumping on cash flow situation of the domestic industry. Information regarding cash profit of the domestic industry is given in the following table. It is seen that the cash profits of the domestic industry declined from 2011-12.

	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	POI
Cash profits	Rs./Lakh	(***)	(***)	(***)	(***)
Trend	Index	100	237	304	256

iii. <u>Inventories</u>

134. Inventories with the domestic industry moved as follows. It is noted that inventories with the domestic industry increased in the POI as compared to the base year as well as the previous year.

	Units	2011-12	2012-13	2013-14	POI
Average Stock	MT	***	***	***	***
Trend	Index	100	223	163	215

iv. **Productivity**

135. The Authority notes that productivity of the domestic industry has increased during the POI as compared to base year.

Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	POI
Productivity per Employee	MT	***	***	***	***
Productivity per day	MT	***	***	***	***

v. <u>Employment and Wages</u>

136. It is seen from the table below that the employment level has declined during the POI as compared to the base year. Wages paid has increased.

Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	POI
Employment	Nos.	***	***	***	***
Index	Trend	100	99	99	99
Wages	Rs/Lakh	***	***	***	***
Trend	Index	100	101	105	147

vi. Magnitude of Dumping

137. Magnitude of dumping as an indicator of the extent to which the dumped imports can cause injury to the domestic industry shows that the dumping margins determined in respect of the subject countries are above de-minimus.

vii. Growth

138. The Authority notes from the table below that growth of the domestic industry in respect of production, domestic sales, profit/loss, ROI, etc. have declined during the POI as compared to the growth achieved in 2010-11.

Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	POI
Production	%		23.78	51.99	53.92
Domestic Sales Volume	%		22.61	54.03	52.66
Cost of Sales	%	-	8.75	12.62	(6.32)
Selling Price	%	-	4.75	9.47	(9.65)
Profit/ Loss per unit	%	-	(47.21)	(42.79)	(25.71)
Return on Capital Employed	%	-	(90.70)	(119.94)	(91.91)

viii. Ability to raise capital investment

139. It is noted that despite significant demand of the subject goods in the Country, the domestic industry has not been able to enhance its production capacity due to continued adverse performance in respect of the product. Further, the applicant is suffering significant financial losses as a result of dumping of the subject goods from the subject countries.

ix. Factors Affecting Domestic Prices

140. The examination of the import prices from the subject countries and other countries, change in the cost structure, competition in the domestic market, factors other than dumped imports that might be affecting the prices of the domestic industry in the domestic market, etc. shows that the landed value of imported material from the subject countries is below the non-injurious price of the domestic industry, causing significant price underselling in the Indian market. It is also noted that the demand for the subject goods was showing significant increase during the injury period including the POI and therefore it could not have been a factor affecting domestic prices. Thus, the principal factor affecting the domestic prices is the landed value of the imports of dumped subject goods from subject countries.

I. <u>Conclusion on material injury</u>

141. In view of the above, the Authority concludes that the dumped imports of the subject goods from the subject countries have increased in absolute terms as also in relation to production and consumption of the subject goods in India. However, imports of the subject goods from the subject countries are undercutting and underselling the prices of the domestic industry in the market. The imports were suppressing the prices of the domestic industry. With regard to consequent impact of the dumped imports on the domestic industry, it is found that though demand for the subject goods increased significantly, the production and sales of the domestic industry has not increased in proportion to the increase in demand. Resultantly, the domestic industry did not increase its market share to the extent of increase in demand. Losses suffered by the domestic industry increased during POI. Return on capital employed and cash profits followed the same trend as that of profits. Both return on capital employed and cash profits marked negative growths in POI. Growth in respect of price parameters shows an adverse impact on the domestic industry. It is thus concluded that the domestic industry has suffered material injury.

J. CAUSAL LINK AND OTHER FACTORS

142. Having examined the existence of material injury, effects of dumped imports on the prices of the domestic industry, in terms of its price underselling and price suppression effects, other indicative parameters listed under the Indian Rules and Agreement on Anti-Dumping have been examined to see whether any other factor, other than the dumped imports could have contributed to injury to the domestic industry. Accordingly, the following parameters have been examined: -

(a) <u>Volume and prices of imports from third countries</u>

143. During POI, imports of the subject goods from countries other than the subject countries have been either insignificant in volume or already attracting anti-dumping duty. Therefore, the imports from other countries cannot be considered to have caused injury to the domestic industry.

(b) Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers

144. There is no evidence of trade restrictive practices of and competition between the foreign producers and domestic producers causing injury to the domestic industry.

(c) Contraction of demand or Changes in the pattern of consumption

145. The Authority notes that demand for the product showed significant increase during the injury period and also during POI. The Authority thus concludes that injury to the domestic industry was not due to contraction in demand.

(d) <u>Development in Technology</u>

146. None of the interested parties have furnished any evidence to demonstrate significant changes in technology that could have caused injury to the domestic industry.

(e) Export performance of Domestic Industry

147. Performance of the domestic industry has been segregated for domestic and export market. Therefore, any possible decline in export performance is not a cause of injury to the domestic industry.

Productivity of the Domestic Industry

148. Productivity of the domestic industry has increased during the POI. However, profitability of the domestic industry showed declining trend.

149. From the foregoing, the Authority concludes that there is no evidence of injury being caused to the domestic industry due to other factors.

K. FACTORS ESTABLISHING CAUSAL LINK

- 150. Analysis of the performance of the domestic industry over the injury period shows that the performance of the domestic industry has materially deteriorated over the injury period. The causal link between dumped imports and the injury to the domestic industry is established on the following grounds:
- i The dumped imports of the subject goods from the subject countries have increased in absolute terms as also in relation to production and consumption of the subject goods in India.
- ii The imports are suppressing the prices of the domestic industry.
- Losses of the domestic industry increased. Return on capital employed and cash profits followed the same trend as that of profits. Both return on capital employed and cash profits marked negative growths in POI on account of dumped imports.
- iv The financial performance of the domestic industry has deteriorated in respect profit, return on capital employed and cash flow, due to dumped imports.
- 151. Thus the Authority concludes that the domestic industry suffered material injury due to dumped imports of the subject goods, originating in or exported from the subject countries.

L. MAGNITUDE OF INJURY AND INJURY MARGIN

152. The Authority has determined non-injurious price for the domestic industry on the basis of monthly analysis and principles laid down in the Rules, as amended. The non-injurious price so determined has been compared with the landed prices of imports from the subject countries. The weighted average injury margins are as below:

S. No.	Subject Country	Producer	Exporter	Non Injurious Price US\$./MT	Landed Value US\$./MT	Injury Margin US\$./MT	Injury Margin %	Injury Margin Range (%)
China	PR	•						
1	China PR- India	BP Zhuhai Chemical Company Ltd., China PR	BP Asia Ltd, Hong Kong	***	***	***	***	5-15
2	Any	All Other Producers	All Other Exporters	***	***	***	***	5-15
	l	1		Indonesia	1		I	I
3	Indonesia	PT BP Petrochemicals, Indonesia	BP Asia Ltd, Hong Kong	***	***	***	***	5-15
4	Any	All Other Producers	All Other Exporters	***	***	***	***	25-35
	•	•		Taiwan				
5	Taiwan	China American Petrochemical Co Ltd, Taiwan	BP Asia Ltd, Hong Kong	***	***	***	***	10-20
6	Taiwan	Formosa Chemicals & Fibre Corporation, Taiwan	Formosa Chemicals & Fibre Corporation, Taiwan	***	***	***	***	10-20
7	Taiwan	Formosa Chemicals & Fibre	Dinowik Pte Ltd, Singapore,	***	***	***	***	10-20

S. No.	Subject Country	Producer	Exporter	Non Injurious Price US\$./MT	Landed Value US\$./MT	Injury Margin US\$./MT	Injury Margin %	Injury Margin Range (%)		
		Corporation, Taiwan	Methyl Co., Ltd , Taiwan, Itochu Corporation Japan							
8	Any	All Other Producers	All Other Exporters	***	***	***	***	25-35		
				Iran						
9	Any	All Other Producers	All Other Exporters	***	***	***	***	5-15		
	Malaysia									
10	Any	All Other Producers	All Other Exporters	***	***	***	***	5-15		

M. Post Disclosure Comments

Exporters/Importers/Other Interested Parties

- 153. The following are the post disclosure comments made by the exporters/importers/other interested parties:
- i. Time given by the authority to comment on the disclosure statement is grossly inadequate.
- ii. Article 3.3 does not mandate cumulative assessment of the effect of imports from all subject countries compulsorily from the stage of initiation itself. Authority should have initiated separate investigations qua the subject countries and determined the domestic industry with respect thereof.
- iii. RIL is not a "partner in unfair trade" since it has not turned into a trader or behaved otherwise which mandates its exclusion.
- iv. MCPI should have substantiated the absence of imports from subject countries by their related entities. Mere statements cannot be considered as reliable proof
- v. Injury suffered by MCPI is reflective of its faulty production line and is in stark contrast to both RIL & IOCL which have not shown any injury suffered. The designated authority should reconsider its determination, even at the cost of terminating this investigation and re-initiating another investigation.
- vi. DGCI&S data in requested format has not been provided. Moreover, IOCL data has also not been provided. Full opportunity must be provided to the interested parties for examination of relied upon data upon which such a crucial finding is being made.
- vii. M/s Hengli Petrochemical (Dalian) Co. Ltd., China (Hengli) and M/s Hyosung Corporation, Korea (Hyosung) submitted their questionnaire response within time limits after initiation and before the issuance of preliminary findings. However, the questionnaire response of Hyosung did not include the details of exports to India of the goods manufacture by Hengli due to confidentiality reasons. Non-determination of individual dumping margin for Hengli is not in accordance with law.

Domestic Industry

- 154. The following are the post disclosure comments made by the domestic industry:
- i. Anti-dumping duty should be imposed retrospectively. The parameters laid down for the imposition of retrospective anti-dumping duty are fully met in the present case.
- ii. Anti dumping duty should be imposed upto the full extent of dumping margin and not restricted to the injury margin. Despite imposition of interim anti-dumping duty, volume of imports has increased significantly. Performance of the consumer has also improved significantly.

- iii. The dumping margin should not and cannot be determined unless all entities relevant to production and sale of the product under consideration are before the Authority even if some of the entities are unrelated.
- iv. Wherever questionnaire responses are grossly deficient, the authority should reject the same. The opportunity to provide supplementary information cannot be used to complete a significantly deficient questionnaire response.
- v. The working capital of MCPI has been determined as negative without excluding interest bearing purchase from the current liabilities. If current liabilities include any interest bearing loans, the same should be excluded from the liabilities for determining working capital.
- vi. The rules provide for ignoring the impact of revaluation of fixed assets. The Authority should consider return on capital employed on the basis of original value of the assets and not reduce the same by impairment of assets.
- vii. Determination of non injurious price is inappropriate and is against the object and intent of the dumping law, as interpreted by the Hon'ble Supreme Court in the matter of Reliance Industries Ltd. vs. Designated Authority
- viii. The injury margin determined is understated for the reason that the comparison between NIP and import price is unfair, as the two figures are not at the same level. There is a difference in credit period between the domestic industry and foreign producers and the same has not been taken into account while determining injury margin.
- ix. The margin of dumping should be more than what has been determined in the disclosure statement, considering the price at which the goods were exported and reasonable level of cost of production of the goods during the investigation period and also the valuation of paraxylene.
- x. In view of significant decline in the import price post POI, it is vital to recommend combination form of duty. The Authority may recommend a benchmark and specify that the quantum of duty shall be difference between the benchmark and landed price of imports, subject to certain minimum quantum of duty.
- xi. The duty should be imposed in terms of US\$ as Rupee has depreciated significantly. The depreciation of INR has impacted the costs of the raw materials, utilities and other costs.

EXAMINATION BY THE AUTHORITY

- 155. The post disclosure comments made by the interested parties are mostly reiterations of their earlier submissions. Nevertheless, even at the cost of repetition, the Authority examines the following comments considered relevant:
- i. As regards the submission that the time granted by the Authority for disclosure comments is inadequate, the Authority notes that the anti-dumping investigations are time bound and reasonable time has been granted to the interested parties for furnishing comments on the disclosure statement.
- ii. The contention of certain opposite interested parties that Authority should have initiated separate investigations qua the subject countries and determined the domestic industry with respect thereof, the Authority once again notes that when more than one country is involved in an anti-dumping investigation and dumped imports are alleged to be responsible for causing injury to the domestic industry, injury analysis will have to be done in a cumulative manner.
- iii. As regards the submission that RIL is not a "partner in unfair trade" since it has not turned into a trader or behaved otherwise which mandates its exclusion, the Authority notes that this issue has been explicitly and adequately addressed at the disclosure stage. The Authority notes that Reliance Industries Ltd was excluded from the purview of domestic industry at the initiation stage itself on account of having a related entity in Malaysia, which is not only the sole producer of the product under consideration in the said country, but also exported significant volume of product under consideration to India during the POI.
- iv. As regards the submission that MCPI should have substantiated the absence of imports from subject countries by their related entities, the Authority notes that the opposing interested parties could also have substantiated their allegation. Nevertheless, the Authority notes that as per available information,

- Ningbo MCC, China and PT MC, Indonesia, the related parties of MCC PTA India Corp. Pvt. Ltd, have not made any export of the product under consideration to India during the POI.
- v. As regards the submission that Injury suffered by MCPI is reflective of its faulty production line, the Authority notes that the non-injurious price for the domestic industry has been determined in terms of Annexure III of the AD Rules after taking in to account all such factors.
- vi. As regards the submission that relied upon data has not been provided, the Authority reiterates that the transaction-wise DGCIS imports data contains business sensitive confidential information and therefore the said data cannot be divulged. However, the domestic industry vide letter dated 16.10.2015 submitted the non-confidential version of the said data and the same has been placed in public file. As regards providing IOCL data to the interested parties, the Authority notes that on 1st June, 2016 IOCL has provided some data concerning production, sales and profitability of PUC during the POI on confidential basis. In view of the confidential nature of the said data, the Authority could not disclose the same as per the Rules. Moreover, the said data has not been considered by the Authority for injury analysis in the present investigation.
- viii. Post disclosure, Hyosung Corporation, Korea has acknowledged that they did not file exporter's questionnaire response in respect of exports of product under consideration pertaining to Hengli, China within the prescribed time limit due to confidentiality reasons. In this regard, the Authority notes that anti-dumping investigations being time bound processes, it is neither feasible nor desirable on the part of the Authority to accept and process such belated exporter's questionnaire responses.
- ix. As regards the submission of domestic industry that anti-dumping duty should be imposed retrospectively, the Authority notes that imposition of retrospective duties in the present case is not justified in view of the fact that it is not a case of massive dumping. The petitioners have not established their claim for retrospective imposition of anti-dumping duty on the basis of the requirements as laid down under Anti-dumping Rules.
- x. As regards the contention of domestic industry that anti-dumping duty should be imposed upto the full extent of dumping margin, the Authority notes that India follows lesser duty rule and accordingly lesser of margin of dumping and the margin of injury are being recommended so as to remove the injury to the domestic industry.
- xi. As regards the submissions of the domestic industry concerning determination of non-injurious price (NIP), the Authority notes that the detailed guidelines for computation of NIP is laid down under Annexure III of the Anti-dumping Rules and the same has been adopted while determining NIP in the present investigation.
- xii. As regards the submission of the domestic industry concerning form of duty, the Authority notes that as per the Anti-dumping Rules, the mandate of the Designated Authority is to determine the existence, degree and effect of the alleged dumping and to recommend the amount of anti-dumping duty, which, if levied, would be adequate to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, suitability of the form of the anti-dumping measures is decided by taking in to consideration the facts of a case.

N. CONCLUSIONS:

- 156. After examining the issues raised and submissions made by the interested parties and facts made available before the Authority as recorded in this finding, the Authority concludes that:
- a. The product under consideration has been exported to India from subject countries below its normal value, thus resulting in dumping.
- b. The domestic industry has suffered material injury due to dumping of the product under consideration from the subject countries.
- c. The material injury has been caused by the dumped imports from the subject countries.

O. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST & OTHER ISSUES

157. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the domestic industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the Country. Imposition of anti-

dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.

158. It is recognized that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures, particularly if the levy of the anti-dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.

P. <u>RECOMMENDATIONS</u>

- 159. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide positive information on the aspect of dumping, injury and causal links. Having initiated and conducted the investigation into dumping, injury and causal links in terms of the provisions laid down under the Antidumping Rules and having established positive dumping margin as well as material injury to the domestic industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of definitive antidumping duty is required to offset dumping and injury. Therefore, Authority considers it necessary and recommends imposition of anti-dumping duty on imports of subject goods from the subject countries in the form and manner described hereunder from the date of issue of the notification of imposition of provisional duty by the Central Government vide Notification No.60/2015-Customs (ADD) dated 10th December, 2015.
- 160. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and the margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, anti-dumping duty equal to the amount mentioned in Col 8 of the table below is recommended to be imposed from the date of imposition of provisional duties, on all imports of subject goods originating in or exported from subject countries i.e. China PR, Iran, Indonesia and Malaysia and Taiwan.

Duty Table

S. No	Heading/ Subheading	Description of goods	Country of origin	Country of export	Producer	Exporter	Duty Amount	Unit	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1.	29173600	Purified Terephthalic Acid	China PR	China PR	BP Zhuhai Chemical Company Ltd., China PR	BP Asia Ltd, Hong Kong	95.70	MT	US\$
2.	do	do	China PR	China PR	Any combination other than mentioned in Sl No-1 above		97.60	MT	US\$
3.	-do-	-do-	China PR	Any country other than those subject to Anti- dumping duty	Any	Any	97.60	MT	US\$
4.	-do-	-do-	Any country other than those subject to Anti- dumping duty	China PR	Any	Any	97.60	MT	US\$
5.	-do-	-do-	Indonesia	Indonesia	PT BP Petrochemicals, Indonesia	BP Asia Ltd., Hong Kong	83.08	МТ	US\$

S. No	Heading/ Subheading	Description of goods	Country of origin	Country of export	Producer	Exporter	Duty Amount	Unit	Currency
6.	do	do	Indonesia	Indonesia	Any combination other than mentioned in Sl No-5 above		168.76	MT	US\$
7.	-do-	-do-	Indonesia	Any country other than those subject to Anti- dumping duty	Any	Any	168.76	МТ	US\$
8.	-do-	-do-	Any country other than those subject to Anti- dumping duty	Indonesia	Any	Any	168.76	MT	US\$
9.	-do-	-do-	Taiwan	Taiwan	China American Petrochemical Co. Ltd., Taiwan	BP Asia Ltd., Hong Kong	136.72	МТ	US\$
10.	-do-	-do-	Taiwan	Taiwan	Formosa Chemicals & Fibre Corporation, Taiwan	Formosa Chemicals & Fibre Corporation Taiwan, Dinowic Pte Ltd., Singapore Methyl Co., Ltd., Taiwan, Itochu Corporation Japan	85.87	MT	US\$
11.	do	do	Taiwan	Taiwan	Any combination other than mentioned in Sl No-9 and 10 above		153.60	МТ	US\$
12.	-do-	-do-	Taiwan	Any country other than those subject to Anti- dumping duty	Any	Any	153.60	МТ	US\$
13.	-do-	-do-	Any country other than those subject to Anti- dumping duty	Taiwan	Any	Any	153.60	МТ	US\$
14.	-do-	-do-	Iran	Iran	Any	Any	102.86	MT	US\$
15.	-do-	-do-	Iran	Any country other than those subject to Anti- dumping	Any	Any	102.86	МТ	US\$

S. No	Heading/ Subheading	Description of goods	Country of origin	Country of export	Producer	Exporter	Duty Amount	Unit	Currency
				duty					
16.	-do-	-do-	Any country other than those subject to Anti- dumping duty	Iran	Any	Any	102.86	МТ	US\$
17.	-do-	-do-	Malaysia	Malaysia	Any	Any	98.48	MT	US\$
18.	-do-	-do-	Malaysia	Any country other than those subject to Antidumping duty	Any	Any	98.48	MT	US\$
19.	-do-	-do-	Any country other than those subject to Anti- dumping duty	Malaysia	Any	Any	98.48	MT	US\$

Q. FURTHER PROCEDURE

- 161. Subject to the above, the Preliminary Finding notified vide notification of even No. dated 12th November, 2015 in respect of China PR, Iran, Indonesia, Malaysia and Taiwan is hereby confirmed.
- 162. An appeal against the orders of the Central Government that may arise out of this recommendation shall lie before the Customs, Excise and Service tax Appellate Tribunal in accordance with the relevant provisions of the Act.

A. K. BHALLA, Addl. Secy. & Designated Authority